शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 18 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-167

भयावह शक्ल लेने लगा इजराइल और ईरान का संघर्ष

ईरान के ध्वस्त होने का खतरा तेहरान छोड़कर जा रहे लोग

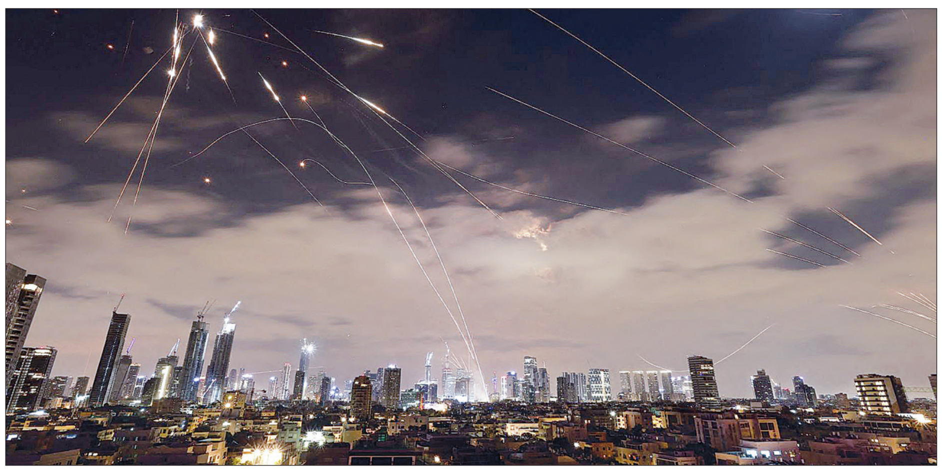

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष के और बढ़ने की आशंका पर भारत ने अपने नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। भारत ने अपने लोगों से तुरंत तेहरान छोड़ने को कहा है। उनसे भारतीय दूतावास के सम्पर्क में रहने और तेहरान से बाहर आने के लिए उचित व्यवस्था न हो पाने तक सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा गया है। ईरान में भारतीय दूतावास ने कहा कि सभी भारतीय नागरिक और पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (भारतीय मूल के व्यक्ति) जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर जा सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जाती है।

भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है कि सुरक्षा कारणों से ईरान की राजधानी तेहरान से भारतीय छात्रों को शहर से बाहर ले जाया जा रहा है और अन्य भारतीयों को भी शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। इजराइल लगातार ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर निशाना बना रहा है। इसके जवाब में ईरान भी इजराइल पर मिसाइल हमले कर रहा है। विदेश मंत्रालय और ईरान का भारतीय दूतावास लगातार स्थिति पर अपडेट जारी कर रहे हैं। इस संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपील जारी की है। उन्होंने कहा कि स्थिति को देखते हुए भारतीयों को शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। जो अपने वाहन से जाने में सक्षम हैं, वे तेहरान से निकलें। कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। दूतावास सभी संभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ लगातार सम्पर्क में है। मंत्रालय का कहना है कि स्थिति अभी भी अस्थिर और नाजुक है, इसे देखते हुए आगे भी परामर्श जारी किए जा सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भारत ने भी अपने नागरिकों के लिए जारी की नई एडवाइजरी

ईरान में फंसे 10 हजार छात्रों को सुरक्षित निकालने पर ध्यान

भारतीय छात्रों को सड़क मार्ग से निकालने की अनुमति मिली

तेल संकट के आसार, भारत ने 50 लाख टन का रखा रिजर्व

इजराइल और ईरान में तेजी से बिगड़ती स्थिति को देखते हुए भारत सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठा रही है। इजराइल की राजधानी तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास वहां मौजूद कामगार, छात्र, पर्यटक, व्यवसायी और देखभाल कर्मियों के सम्पर्क में है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहा है। भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सख्त सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त, विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, जिससे सहायता प्राप्त की जा सकती है।

पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती दी है, बल्कि वहां रह रहे विदेशी नागरिकों, विशेषकर छात्रों के लिए गंभीर सुरक्षा संकट पैदा कर दिया है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा ईरान में फंसे लगभग 10,000 भारतीय छात्रों की सुरक्षित निकासी की पहल एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक और मानवीय कदम है। भारत सरकार ने ईरान सरकार से राजनयिक स्तर पर अपने छात्रों की सुरक्षित निकासी के लिए मार्ग देने का अनुरोध किया था जिसे तेहरान ने स्वीकार करके सड़क मार्ग से उन्हें निकालने की अनुमति दी है।

▶10 पर

ईरान के दूसरे सेना प्रमुख भी मारे गए खामनेई अकेले पड़े

तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान की बीच संघर्ष लगातार गहराता जा रहा है। इजराइल लगातार ईरानी सेना के शीर्ष नेताओं को निशाना बना रहा है। मंगलवार को इजराइल ने ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराया है। ईरान ने आधिकारिक तौर पर इसे स्वीकार भी कर लिया है।

इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। इस संघर्ष में ईरान ने न सिर्फ अपने देश के शीर्ष सैन्य कमांडरों को खोया है बल्कि कई परमाणु संयंत्रों और अहम सैन्य ठिकाने भी ध्वस्त हो गए हैं। इसी बीच मंगलवार को इजराइली सेना ने ईरान के एक और शीर्ष कमांडर अली शादमानी को भी मार गिराया है। इजराइल के लगातार हमलों के चलते ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अकेले पड़ गए हैं। शादमानी ईरान की सैन्य आपात कमान के प्रमुख थे। उन्होंने चार दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। मेजर जनरल गुलाम अली राशिद पिछले शुक्रवार को इजराइली हमले में मारे गए थे। ▶10 पर

खामनेई के खात्मे के बाद ही क्षेत्र में शांति आएगी : नेतन्याहू

तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल ने सोमवार की रात को लड़ाकू विमानों ने तेहरान में लाइव प्रसारण के दौरान सरकारी टेलीविजन हेडक्वार्टर पर बमबारी कर दी। हालांकि ईरान ने भी इजराइल पर लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है। एबीसी न्यूज से इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा कि खामनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इस बीच, मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण ईरान में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। इजराइल को भी नुकसान पहुंचा है, लेकिन इजराइल ने अधिकतम ईरानी मिसाइलें हवा में ही न,ट कर दिए। ईरान में कम से कम 224 लोग मारे गए हैं और 1,200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ईरान के जवाबी हमलों में इजराइल में कम से कम 24 लोग मारे गए हैं और करीब 500 लोग घायल हुए हैं।

एक वरिष्ठ इजराइली सैन्य अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि इजराइल ने रातों-रात ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों से जुड़े दर्जनों स्थलों पर हमला किया और ईरान के सैन्य नेतृत्व को भागने पर मजबूर कर दिया। उक्त अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने अभी तक ईरान की भूमिगत फोर्डो परमाणु सुविधा को निशाना नहीं बनाया है, लेकिन इसकी संभावना बनी हुई है। ▶10 पर

इजराइल-ईरान युद्ध तेज हुआ तो भारत पर भी पड़ेगा असर

भारत ने एहतियात में उठाए कई अहम कदम

तेल की कीमतों से लेकर व्यापार तक होगा प्रभावित

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष पांचवें दिन पर पहुंच चुका है। इजराइल ने ईरान पर जबरदस्त हमले किए। ईरान ने भी जवाबी हमले किए हैं। इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों से लेकर सैन्य अफसरों तक को एयर स्ट्राइक में निशाना बनाया और ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। पश्चिम एशिया की ऐसी स्थिति को देखते हुए भारत ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इजराइल और ईरान का संघर्ष अब पूरी तरह युद्ध में बदलता हुआ दिख रहा है, ऐसे में इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ेगा। दोनों देशों में भारतीयों की अच्छी-खासी संख्या भी पूर्ण युद्ध की स्थिति में खतरे में पड़ सकती है।

अमेरिका की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों के चलते भारत फिलहाल ईरान से कच्चा तेल आयात नहीं करता। लेकिन दुनियाभर में तेल के एक अहम सप्लायर के तौर पर चिन्हित ईरान से तेल की आपूर्ति रुकने से ओपेक देशों पर इसका भार पड़ेगा। नतीजतन तेल उत्पादक देश कच्चे तेल के दामों को बढ़ा सकते हैं। मौजूदा समय की बात की जाए तो ब्रेंट क्रूड 74-75 डॉलर प्रति बैरल पर है, जो कि पिछले बंद से करीब 1.5 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, भारत की चिंता ईरान की तरफ से पश्चिमी देशों को दी गई एक धमकी है। ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य बंद कर देगा। लाल सागर के अलावा इस बार होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला मार्ग एक ऐसा कारक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक पेट्रोलियम पदार्थों की खपत का 21 प्रतिशत इसी मार्ग से गुजरता है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए शीर्ष गंतव्य हैं। ओमान भी भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करता है।

यूरोप के साथ भारत का करीब 80 फीसदी वस्तु व्यापार लाल सागर के जरिए होता है। अमेरिका के साथ भी काफी व्यापार इसी मार्ग से होता है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य इन दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के जरिए भारत कुल 34 फीसदी निर्यात करता है। ▶10 पर

तेल संकट की वैश्विक आशंका के बीच भारत को मिला अवसर

अंडमान सागर में मिला तेल का विशाल खजाना

भारत की अर्थव्यवस्था में 5 गुना वृद्धि की संभावना

दो लाख करोड़ लीटर कच्चा तेल मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। अंडमान सागर में तेल के विशाल भंडार का पता चला है। यह खोज ऐसे नाजुक और महत्वपूर्ण समय में हुई जब मध्य-पूर्व के तनावपूर्ण माहौल में तेल का संकट संभावित दिख रहा है। इसे भारत के लिए बड़ा अवसर माना जा रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि अंडमान सागर में गयाना जैसे विशाल तेल भंडार की खोज होने अब पूर्ण होने पर है। इस खोज में लगभग 2 लाख करोड़ लीटर (लगभग 22 बिलियन बैरल) कच्चे तेल के भंडार की संभावना है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को 3.7 ट्रिलियन डॉलर से 20 ट्रिलियन डॉलर तक ले जा सकता है। यह खोज न केवल भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकती है, बल्कि देश को वैश्विक तेल बाजार में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने एक बयान में कहा है कि 2016 के बाद से सरकार ने तेल और गैस की खोज को गति दी है। इसके तहत ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत 3.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर के सेडिमेंट्री बेसिन में से करीब 1 मिलियन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अन्वेषण के लिए खोल दिया गया है। ओएएलपी के 9वें दौर में 38 प्रतिशत बिड्स इन नए क्षेत्रों के लिए थे, और अगले दौर में यह हिस्सा 80 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसके अलावा, 1948 के पुराने नियमों को बदलकर नए ऑयल फील्ड्स रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट अमेंडमेंट बिल ने नियामक स्पष्टता प्रदान की है।

तेल खोज के क्षेत्र में भारत सरकार बहुत ही गंभीर है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने वित्तीय वर्ष 2024 में ओएनजीसी ने 541 कुएं खोदे, जिनमें 103 अन्वेषण और 438 डेवलपमेंट कुएं शामिल हैं। यह 37 वर्षों में सबसे अधिक है। कंपनी ने इस दौरान 37,000 करोड़ का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय भी किया। पुरी ने कहा, गयाना में 41वें कुएं पर तेल मिला था, प्रत्येक की लागत 100 मिलियन डॉलर थी। भारत में भी अब ऐसा ही कुछ होने वाला है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा वक्त की बात करें तो भारत फिलहाल अपनी कुल जरूररत का करीब 85 फीसदी आयात करता है। इसी के साथ हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े आय़ातक देश हैं। फिलहाल, असम, गुजरात, राजस्थान, मुंबई हाई और कृष्णा गोदावरी बेसिन में भी तेल का उत्पादन करता है। इसके अलावा भी कई राज्यों में भी तेल का भंडार पाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज भारत की अर्थव्यवस्था में 20 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान दे सकती है, जिससे जीडीपी 5 गुना बढ़ सकती है।ऑयल इंडिया लिमिटेड के सीएमडी रंजीत राठ ने कहा कि तेल की कीमतों में स्थिरता अन्वेषण प्रयासों की योजना बनाने में मदद करती है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^{0}

न्यूनतम : 24^{0}

पूरे विश्व को परेशान कर रही एक और खतरे की आशंका

कहीं ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होरमुज बंद कर दिया तो?

तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच तेज होते जा रहे संघर्ष के दरम्यान पूरे विश्व को एक और खतरे की आशंका परेशान कर रही है। अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होरमुज बंद किया तो पूरी दुनिया में तेल का भारी अकाल पड़ जाएगा। होरमुज जलडमरूमध्य से काफी बड़ी मात्रा में तेल को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जाता है। अगर ईरान इस रास्ते को बंद करता है तो दुनियाभर के कई देशों को इसका नुकसान झेलना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस तेल के आवागमन के लिए अन्य वैकल्पिक रास्ते काफी कम और खर्चीले हैं।

इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह अंदेशा जताया जा रहा है कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होरमुज (होरमुज जल डमरू मध्य) वाले रास्ते को बंद कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो इसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। होरमुज जल डमरू मध्य दुनियाभर के लिए काफी महत्वपूर्ण रास्ता है। स्ट्रेट

पूरी दुनिया में तेल की हो जाएगी भारी किल्लत

ऑफ होरमुज ईरान और ओमान के बीच स्थित है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह इतना गहरा और चौड़ा है कि दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल के टैंकर्स को भी आराम से संभाल सकता है। इसके साथ ही यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल चोक-पॉइंट्स में भी शामिल है। इस रास्ते से काफी बड़ी मात्रा में तेल को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जाता है। अगर ईरान इस रास्ते को बंद करता है तो दुनियाभर के कई देशों को इसका नुकसान झेलना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस तेल के लिए रास्ते से परे अन्य वैकल्पिक रास्ते काफी कम और काफी लंबे एवं खर्चीले हैं। अगर किसी एक चेक-प्वाइंट से दूसरे तक के बीच कोई भी परे-शानी होती है तो सबसे पहले आपूर्ति में देरी होगी। इसके चलते शिपिंग की लागत बढ़ेगी और अंततः वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में इजाफा होगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा बहरीन के मनामा में रहकर जल डमरू मध्य की निगरानी करता है। ▶10 पर

जी7: मैक्रों ने इटली की पीएम के कान में कहा कुछ ऐसा, सुनकर मेलोनी ने दिया रिएक्शन

अल्बर्टा (कनाडा), 17 जून (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की बात सुनने के बाद आंखें घुमाती नजर आ रही हैं।

यह घटना जी7 सम्मेलन के दौरान हुई, जब मेलोनी और मैक्रों राउंडटेबल निजी बातचीत कर रहे थे।कनाडा के अलबर्टा में शुरू हुए 51वें जी7 शिखर सम्मेलन में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता एकत्र हुए हैं, ताकि

व्यापार, सुरक्षा और तकनीक जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की जा सके। इस बैठक में मेलोनी और मैक्रों एक-दूसरे के बगल में बैठे थे, जबकि दोनों नेताओं के बीच पहले से ही कूटनीतिक तनातनी रही है।

बैठक के दौरान जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोल रहे थे, तब मैक्रों मेलोनी की ओर झुककर कुछ फुसफुसाए और अपना मुंह ढका। मेलोनी ने उन्हें जवाब में अंगूठा दिखाकर हामी भरी। कुछ ही देर बाद जब मैक्रों फिर से कुछ कहने के लिए झुके, तो इस बार मेलोनी ने अपना चेहरा ढकते हुए उनकी बात सुनी और इसके बाद उन्होंने आंखें घुमाईं, जिससे उनकी नाराजगी साफ दिखी।

यह स्पष्ट नहीं है कि मैक्रों ने उनसे क्या कहा था और दोनों नेताओं ने इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है। लेकिन यह लम्हा कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक यूजर ने लिखा, जी7 सम्मेलन की शानदार शुरुआत, मेलोनी कमाल की हैं, वो वैश्विक नेताओं के लिए अपनी नाराजगी नहीं छिपा नहीं रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी जज ने ट्रंप को दिया झटका कहा-एनआईएच का अनुदान रद्द करना अवैध

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक संघीय जज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका दिया है। जज ने फैसले में कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) का अनुदान रद्द करने वाला ट्रंप का निर्देश अमान्य और अवैध है। रद्द किए गए कुछ अनुदानों में एलजीबीटीक्यू आदि के शोध अनुदान भी शामिल थे। एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, यह फैसला मैसाचुसेट्स के संघीय जज विलियम यंग ने सोमवार को सुनाया। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज यंग ने कहा कि यह संघीय कानून का उल्लंघन है। ऐसा निर्देश नस्लीय भेदभाव है। अनुदान रद्द करने के बाद एक अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ और 16 राज्यों के समूह ने मुकदमा दायर किया गया था। मुकदमे कहा गया था कि अनुसंधान निधि में 1.8 बिलियन डालर तक की कटौती की गई है। जज ने फैसले में अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया। स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के संचार निदेशक एंड्रयू निक्सन ने फैसले पर कहा कि एजेंसी शोध के लिए वित्त पोषण समाप्त करने के अपने निर्णय पर कायम है। निक्सन ने कहा कि वह अपील दायर करने और आदेश पर रोक लगाने के लिए आगे बढ़ने सहित सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वादीगणों में हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रिटनी चार्लटन भी शामिल हैं। चार्लटन ने एक बयान में अदालत के फैसले पर खुशी जताई। अदालत ने सरकार के कार्यों की निंदा की और अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन बोले - युद्ध नहीं बढ़ाना चाहते, लेकिन हमले का जवाब देंगे

तेहरान/अंकारा। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनका देश इजराइल के साथ युद्ध को और व्यापक नहीं बनाना चाहता, लेकिन अगर हमला हुआ तो उसका उचित और आनुपातिक जवाब दिया जाएगा। यह बयान उन्होंने तुर्किए के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान दिया, जिसकी जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए और तुर्की की अनादोलु एजेंसी ने दी। पेजेश्कियन ने कहा, ईरान ने यह युद्ध शुरू नहीं किया। इजराइली आक्रमण में हमारे वैज्ञानिकों, सैन्य अधिकारियों और आम नागरिकों की जान गई है। लेकिन हमले के स्तर के मुताबिक हम जरूर जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में ईरान की भागीदारी पूरी तरह से इस बात पर निर्भर है कि जायनिस्ट शासन (इजराइल) अपने क्षेत्रीय हमलों को रोकता है या नहीं। इस बीच. तुर्किए के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगन ने कहा कि उनका देश संघर्ष को कम करने में सुविधाजनक भूमिका निभाने को तैयार है, और ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता की वापसी का समर्थन करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में स्थिरता तुर्किए के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

चीन को हो रही क्रॉस-बॉर्डर मैरिज से भारी परेशानी, जारी कर चुका है एडवाइजरी

ढाका। क्या आप सोच सकते हैं कि किसी देश को क्रॉस बॉर्डर शादी करने से भी परेशानी हो सकती है, जी हां

चीन इससे खासा दुखी है। दरअसल कुछ चीनी पुरुषों ने बांग्लादेश में शॉर्ट वीडियो और ऑनलाइन डेटिंग के ज़रिए क्रॉस-बॉर्डर मैरिज की कोशिशों ने हालात बिगाड़े हैं। इसके चलते बांग्लादेश में काम करने वाले चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि शॉर्ट वीडियो देखकर बहकना नहीं, विदेशी शादी के लालच में कानून मत तोड़ो। कुछ चीनी नागरिक बांग्लादेश से दुल्हन खरीदने या अवैध शादियों के लिए दलालों का सहारा ले रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश में मौजूद चीनी दूतावास ने पिछले दिनों एक नोटिस जारी करते हुए चीनी नागरिकों को 'विदेशी दुल्हन खरीदने' से दूर रहने और बांग्लादेश में शादी करने से पहले गंभीरता से विचार करने की सलाह दी है। दूतावास का कहना था, कि चीनी कानून के मुताबिक किसी भी व्यक्ति या संस्था को विदेशी विवाह के लिए दलाली या बिचौलिए की भूमिका निभाने की इजाजत नहीं दी गई है।

यूक्रेन की राजधानी पर पुतिन का भयंकर हमला, ड्रोन और मिसाइलों से दहला कीव

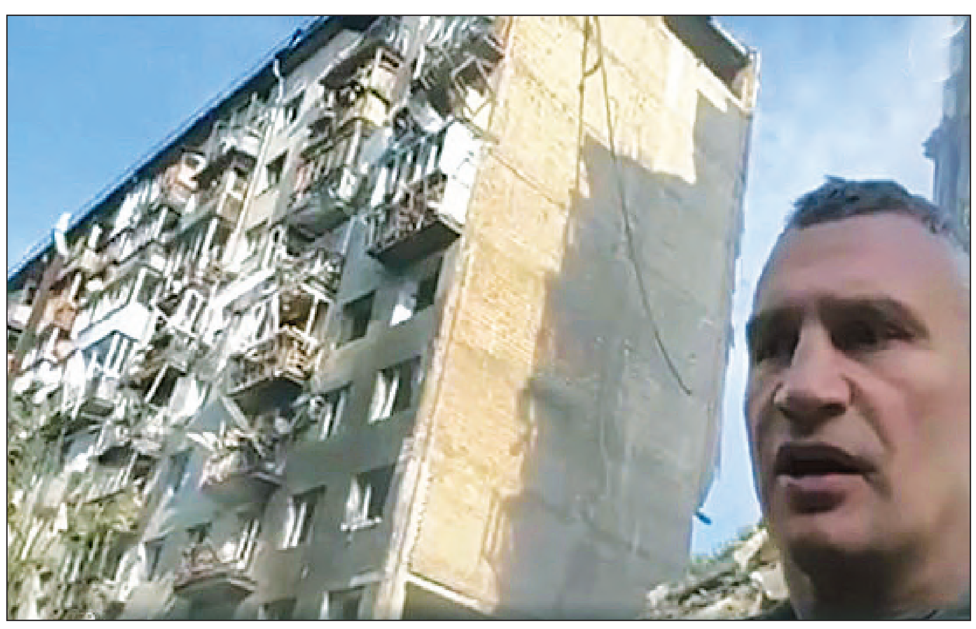

कीव, 17 जून (एजेंसियां)। कीव इंडिपेंडेंट के अनुसार, यह हमला लगभग नौ घंटे तक चला और इसमें ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस (उड्ढछड) ने कहा कि कई आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा है और कई इलाकों में आग लग गई है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि हमले में कम से कम 114 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 68 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रूस ने यूक्रेन पर रात को उस समय मिसाइल और ड्रोन से हमले किए जब ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी और 116 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, 17 जून की रात को कीव में हुए हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। कीव इंडिपेंडेंट के अनुसार, यह हमला लगभग नौ घंटे तक चला और इसमें ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस (उड्ढछड) ने कहा कि कई आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा है और कई इलाकों में आग लग गई है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि हमले में कम से कम 114 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 68 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

व्यापक रूप से प्रसारित इस फुटेज में एक ड्रोन को डार्नित्स्की जिले में एक आवासीय इमारत में उड़ते हुए दिखाया गया है। एक स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, इमारत को 11वीं से 18वीं मंजिल तक नुकसान पहुंचा है और कम से कम एक निवासी घायल हो गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के भी इस सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि हमले में छर्रा लगने से घायल हुए एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गयी है। मंगलवार को रातभर विस्फोट की आवाजें सुनी गयी। क्लिमेंको ने बताया कि हमले में एक रिहायशी इमारत में बने 30 अपार्टमेंट नष्ट हो गए। शहर के स्वियातोशिन्स्की और सोलोमिंस्की प्रांत में भी लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि यूक्रेनी हवाई रक्षा प्रणाली के ध्वस्त हो जाने से गिरे मलबे के कारण शहर के दो अन्य प्रांतों में आग लग गयी है। जी-7 के मेजबान देश कनाडा ने जेलेंस्की को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है जहां उनके विश्व नेताओं के साथ अलग-अलग मुलाकात करने की संभावना है। जेलेंस्की को मंगलवार को कनाडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करनी थी लेकिन व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि ट्रंप पश्चिम एशिया में तनाव के कारण मंगलवार रात के बजाय सोमवार रात को वाशिंगटन लौट रहे हैं। रूस ने हाल के सप्ताहों में रिकॉर्ड संख्या में ड्रोन और मिसाइल छोड़ी हैं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा एजेंसी द्वारा रूसी क्षेत्र में हवाई अड्डों पर युद्धक विमानों को निशाना बनाने का अभियान शुरू किए जाने के बाद मॉस्को ने हमले तेज कर दिए हैं।

ट्रंप के बाद अब चीन का आया संदेश, अपने लोगों से कहा- तत्काल इजरायल छोड़ दें

बीजिंग, 17 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेहरान को खाली करने की चेतावनी के बाद अब चीन ने भी अपने नागरिकों को इजरायल तुरंत छोड़ने की सलाह दी है। इन बयानों ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है और यह संकेत दे रहे हैं कि यह युद्ध और भयावह रूप ले सकता है। इस युद्ध के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर एक चौंकाने वाला बयान जारी किया। उन्होंने लिखा, 'ईरान को मेरी की तरफ से दी गई डील साइन कर लेनी चाहिए थी। यह बहुत शर्मनाक है और मानव जीवन की बर्बादी है। साफ शब्दों में, ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। मैंने बार-बार कहा!

सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए! ट्रंप ने यह भी कहा कि वह जी7 समिट को बीच में छोड़कर वाशिंगटन लौट रहे हैं और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक बुलाई है। उनके इस बयान ने तेहरान में दहशत फैला दी, जहां लोग पहले से ही इजरायली हमलों के कारण पलायन कर रहे हैं। तेहरान की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आई हैं कि शहर से निकलने वाली सड़कों पर लंबा जाम दिख रहा है। वहां पेट्रोल की किल्लत और बैंक के एटीएम खाली पड़ने की भी खबरें हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद अब चीनी दूतावास ने इजरायल में रहने वाले अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी। चीनी दूतावास ने वीचैट पर जारी एक बयान में कहा, 'इजरायल-ईरान युद्ध लगातार बढ़ रहा है। नागरिक सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो रही हैं, हताहतों की संख्या बढ़ रही है और सुरक्षा स्थिति गंभीर होती जा रही है।' दूतावास ने अपने नागरिकों से जॉर्डन से सटी लैंड बॉर्डर रूट अपनाने की सलाह दी। पहले डोनाल्ड ट्रंप और अब चीन के इस बयान से यह अटकलें तेज हो गईं कि यह जंग और भीषण हो सकती है, जिसमें अमेरिका और चीन भी कूद सकते हैं। इजरायल ईरान युद्ध आज पांचवें दिन भी जारी है, जिसमें दोनों देश एक दूसरे में मिसाइलों और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। इजरायल ने 13 जून 2025 को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर अचानक हमला शुरू किया, जिसे उसने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया। इन हमलों में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई।

गाजा में पानी की भारी कमी

गाजा में पानी की भारी कमी के बीच ही एक अस्थाई शिविर के पास पानी के लिए मशक्कत करते हुए लोग।

इजराइल ने ईरान के सरकारी टीवी आईआरआईबी के मुख्यालय पर लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की

तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)।

इजराइल ने कल ईरान के सरकारी टेलीविजन इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के मुख्यालय को निशाना बनाया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की। इस घटना की वीडियो क्लिप भी सामने आई है। इसे बीबीसी ने अपने समाचार के साथ साझा किया है।

वीडियो क्लिप में लाइव प्रसारण के दौरान इमारत में जबरदस्त धमाका होता है। इससे महिला एंकर दहल जाती है। स्क्रीन पर धुआं और न्यूज रूम में मलबा भर जाता है। जैसे ही एंकर जल्दी से बाहर निकलती है, कांच के टूटने और चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं। अल जजीरा चैनल ने अपनी खबर में इस एंकर का नाम सहर इमामी बताया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल ने सेंट्रल ईरान में भी कई जगहों पर बमबारी की है। इस हमले में कुछ पत्रकारों के मारे जाने की सूचना है। मगर इसकी पुष्टि न तो ईरान ने की है और न ही इजराइल ने। इजराइल ने कुद्स फोर्स के कमांड सेंटर पर भी हमला किया है। यह ईरानी सेना की कुलीन और गुप्त शाखा है। यह मुख्य रूप से ईरान के विदेशी अभियानों देखती है। इसमें हिजबुल्लाह जैसे छद्म समूहों को आतंकी प्रशिक्षण और हथियार देना शामिल है।

ईरान में मची भगदड़ से परेशान पाकिस्तान ने कहा- हम अपने यहां किसी को नहीं आने देंगे

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग में पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ी हैं। तहरान में भगदड़ मची है लोग इधर से उधर हो रहे हैं। सभी को अपनी अपनी जान बचाने की पड़ रही है। ऐसे में पाकिस्तान ने अपनी सीमाएं सील का इस भी को आने से रोक दिया है।

सूत्रों के हवाले से यह खबर सामने आ रही है कि ईरान और पाकिस्तान के बीच 909 किलोमीटर लंबे बॉर्डर पर किसी भी शख्स के आने पर रोक लगा दी गई है। इस वक्त लगातार इजरायल की तरफ से हो रहे अटैक के बाद ईरान की राजधानी तेहरान सहित देश के अन्य शहरों में भगदड़ जैसी स्थित है। लोग हमलों से बचने के लिए यहां-वहां भाग रहे हैं।

ईरान-इजरायल जंग के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजरायल की आलोचना करते हुए मुस्लिम एकता की बात कही, लेकिन परमाणु हमले की धमकी की खबरों को खारिज

किया। इससे पहले ईरान के जनरल मोहसिन रजाई ने दावा किया था कि इजरायल अगर ईरान पर परमाणु हमला करेगा तो पाकिस्तान जवाबी परमाणु हमला करेगा। पाकिस्तान ने इसका खंडन किया। कहा गया कि पाकिस्तान की रणनीति क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक हितों पर केंद्रित है, न कि परमाणु युद्ध पर।

इजरायल ने ईरान के परमाणु केंद्रों और सैन्य ठिकानों पर जबर्दस्त बमबारी की है। जवाब में ईरान ने मिसाइल हमलों के साथ पलटवार किया। इस संघर्ष ने क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाया है।

ऐसे में पाकिस्तान का सीमा बंद करना उसके तनाव से प्रभावित होने का संकेत है। पाकिस्तान पहले भी बलूच विद्रोहियों और सीमा पार आतंकवाद के मुद्दों पर ईरान से तनाव का सामना कर चुका हैं। हाल की घटना से संकेत मिलता है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय युद्ध के संभावित प्रभावों, जैसे शरणार्थी मूवमेंट, तस्करी या आतंकी गतिविधियों से बचने के लिए सतर्क हो रहा है। शहबाज शरीफ सरकार का यह कदम उसकी जटिल भू-राजनीतिक स्थिति को भी उजागर करता है। एक ओर पाकिस्तान ने इजरायल के हमलों की निंदा करते हुए ईरान के प्रति एकजुटता दिखाई है। दूसरी ओर वह अमेरिका और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, जो ईरान के विरोधी हैं।

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच प्योंगयांग पहुंचे क्रेमलिन के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी

प्योंगयांग। इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच रूस और उत्तर कोरिया के बीच कूटनीतिक हलचल तेज़ हो गई है। रूसी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी एक बार फिर प्योंगयांग पहुँचे हैं। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जबकि पश्चिम एशिया में हालात विस्फोटक हैं और वैश्विक शक्तियाँ अपनी रणनीतिक पकड़ मज़बूत करने में लगी हैं। रूस-उत्तर कोरिया धुरी क्या दे रहे संकेत हालांकि इस यात्रा का कोई औपचारिक एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम इजराइल-ईरान संघर्ष से उपजे संभावित भूराजनीतिक असंतुलन को देखते हुए उठाया गया है। सूत्रों की मानें तो यह मुलाकात रूस-उत्तर कोरिया संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक बड़ा संकेत है। यह संभावना जताई जा रही है कि दोनों देश रक्षा सहयोग, हथियारों के आदान-प्रदान और रणनीतिक साझेदारी पर बातचीत कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी जहां ईरान को नियंत्रित करने में लगे हैं, वहीं रूस उत्तर कोरिया जैसे देशों के साथ गठजोड़ कर वैश्विक मंच पर पश्चिमी दबाव का जवाब देने की रणनीति अपना सकता है।

अवैध दरगाह ध्वस्त करने पहुंचा बुलडोजर तो अंदर मिले अय्याशी के सामान

जामनगर, 17 जून (एजेंसियां)। गुजरात के जामनगर में अवैध निर्माण पर बड़ी कार्रवाई की गई। यहां लाखों स्क्वायर किलोमीटर में बनाए गए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला है। मेगा डिमोलिशन के तहत 300 से अधिक मकान भी ध्वस्त कर दिए गए हैं। कुछ मजहबी ढांचे भी ध्वस्त किए गए हैं। यहां एक अवैध दरगाह में ऐशोआराम की तमाम चीजें पाई गई हैं। यह कार्रवाई लगातार चालू है।

जामनगर के एसपी प्रेमसुख डेलू ने बताया कि जामनगर सिटी ए डिवीजन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 7 लाख वर्ग फीट जमीन पर अवैध मजहबी ढांचे बनाए गए थे। इस जमीन की कीमत 193.57 करोड़ है।

एसपी डेलू ने कहा कि पिछले 25-30 वर्षों से धार्मिक ढांचों के जरिए सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा जमा रखा था। वाघेर वाडो और बच्चूनगर इलाके में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से दरगाहों और मस्जिदों का निर्माण किया गया है। हिया जामनगर नगर निगमऔर जामनगर पुलिस ने इन पर संयुक्त अभियान चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। रंगमती नदी के किनारे 300 से अधिक अवैध मकान और 7 से 8 धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया है।

ध्वस्तीकरण के दौरान सरकारी जमीन पर बनाए मजहबी ढांचों पर भी जांच जारी है। एक मजहबी स्थल पर संदेह गहरा गया। यह दरगाह बहुत विशाल क्षेत्र में फैली हुई थी और भव्य थी। इसके अंदर कई शानदार वस्तुएं भी मिली हैं। पुलिस प्रशासन ने इसका वीडियो भी रिकॉर्ड किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दरगाह में आलीशान बाथटब लगे हुए हैं और शानदार कमरे भी बने हुए हैं। दरगाह को विदेशी फंडिंग का शक भी गहरा रहा है। दरगाह काफी भव्य तरीके से बनाई हुई है। यहां महलों जैसे बाथटब मिले हैं। एसपी डेलू ने बताया है कि इसकी जांच चालू हो गई है। बच्चूनगर इलाके में लगभग 11,000 वर्ग फीट के क्षेत्र में एक दरगाह का निर्माण किया गया है, जिसके अंदर एसपी प्रेमसुख डेलू और उनकी टीम निरीक्षण करने गई थी। इस बीच पुलिस अंदर की आ-लीशान सुविधाएं आदि देखकर हैरान रह गई।

इस दरगाह में लिखित घोषणा की गई है जिसमें कहा गया है कि इस स्थान पर किसी भी प्रकार का पैसा स्वीकार नहीं किया जाएगा। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि जब पैसा नहीं लिया गया तो इतना आलीशान निर्माण कैसे किया गया। इस दरगाह में किसी भी प्रकार का बक्सा या डिब्बा नहीं रखा जाता है तथा यहां धन रखना भी वर्जित है।

इसके अलावा दरगाह में यह भी लिखा है कि, बादशाह के दरबार में कोई भीख मांगने ही आता है, दान देने नहीं। इसके अतिरिक्त यह भी लिखा था कि यहां किसी भी प्रकार की धनराशि स्वीकार नहीं की जाएगी। जिला पुलिस प्रमुख प्रेमसुख डेलू और एक अन्य पुलिस टीम ने इसका जब निरीक्षण किया, इस दौरान दरगाह में कई आलीशान सुविधाएं भी देखने को मिलीं। रंग-बिरंगे और आकर्षक टाइलों और संगमरमर जड़े हुए कई कमरे भी देखे गए।

ओड़ीशा में 4000 किलो विस्फोटक बरामद, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 17 जून (एजेंसियां)। ओड़ीशा पुलिस ने सुंदरगढ़ जिले में माओवादियों द्वारा लूटा गया 3,811.30 किलोग्राम विस्फोटक बरामद कर लिया है। इस मामले में मुख्य आरोपी जॉर्ज मुंडा उर्फ कुलु को झारखंड-ओड़ीशा सीमा पर चले गहन तलाशी अभियान के बाद गिरफ्तार किया गया। 27 मई को 10 से 15 सशस्त्र हमलावरों के एक गिरोह ने एक वाहन रोक कर विस्फोटक लूट लिया था।

वाहन में इटमा स्टोर से बैंकु खदान की ओर ले जाए जा रहे 200 पैकेट सीडीईटी ब्रांड के विस्फोटक (मुख्यतः जिलेटिन स्टिक) थे। हमलावरों ने खुद को आतंकवादी बताया और हिंदी और सादरी भाषा में बात करते हुए वाहन को जंगल की ओर मोड़ कर विस्फोटक लूट लिए और चालक को छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद राउरकेला पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। जांच में फोरेंसिक विश्लेषण,

टेलीकॉम डेटा की जांच और कई संदिग्धों से पूछताछ शामिल थी।

पश्चिमी रेंज के डीआईजी बृजेश राय ने बताया कि यह लूट झारखंड के सरंडा वन क्षेत्र से आए माओवादी दस्ते द्वारा अंजाम दी गई थी। जांच में सामने आया कि सुंदरगढ़ के कुलु मुंडा गांव निवासी जॉर्ज मुंडा ने निजी हितों के चलते माओवादियों को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई थी। खदान संचालन का लंबे समय से विरोध करने वाले मुंडा की नक्सलियों से लगातार बैठक होती थी और उसी ने लूट की योजना में प्रमुख भूमिका निभाई। पुलिस और सुरक्षा बलों ने झारखंड के एक घने जंगल में माओवादियों के साथ मुठभेड़ के बाद भारी मात्रा में लूटा गया विस्फोटक बरामद किया। यह स्थान ओड़ीशा सीमा से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर था।

घटना के तुरंत बाद डीजीपी वाई. बी. खुरानिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्थल पर पहुंचे थे। इसके अलावा, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी राज्य पुलिस के साथ मिलकर मामले की जांच कर रही है। अब तक कुल 3.8 टन विस्फोटक बरामद हो चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और शेष विस्फोटकों की तलाश जारी है।

तनाव के बीच एलओसी पर सुरक्षा के उपाय तेज

जल्दी बंकर बनाए जाने का निर्देश

जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर सरकार ने पुंछ के डिप्टी कमिश्नर को निर्देश दिया है कि वे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिले के संवेदनशील और गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बंकरों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तुरंत तैयार करें।

सिविल सचिवालय से एक औपचारिक विज्ञप्ति में, जम्मू और कश्मीर के माननीय उपमुख्यमंत्री के कार्यालय ने पुंछ के डिप्टी कमिश्नर को जिले के संवेदनशील और गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बंकरों के निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री कार्यालय से डीसी पुंछ को भेजे गए विज्ञप्ति के अनुसार, यह निर्देश हवेली पुंछ के माननीय विधायक श्री एजाज अहमद जान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के जवाब में आया है, जिसने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की और सीमा पार से गोलाबारी द्वारा अक्सर लक्षित क्षेत्रों में नागरिक जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बंकरों की तत्काल आवश्यकता पर चिंता व्यक्त की।

हाल ही में हुई गोलाबारी की घटनाओं ने जन-जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में भय और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। आम जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह अनुरोध किया जाता है कि चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर बिना किसी देरी के बंकरों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं, विज्ञप्ति में कहा गया है।

यह निर्देश विधायक एजाज अहमद जान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के बाद आया है, जिन्होंने 7-10 मई के बीच भारी गोलाबारी के बाद सुरक्षात्मक संरचनाओं की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। याद रहे पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद उक्त सप्ताह में तनाव बढ़ गया था, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच तीव्र तनाव पैदा हो गया था।

कांग्रेस नेता के संरक्षण में चल रहा लव-जेहादियों का गिरोह

इंदौर, 17 जून (एजेंसियां)। हिंदू लड़कियों को फंसाकर उन्हें कन्वर्ट कर लव जेहाद के सबसे अधिक मामले मध्य प्रदेश के इंदौर से सामने आ रहे हैं। ताजा प्रकरण में दो पीड़िताओं की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ दुष्कर्म और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। इंदौर की बाणगंगा पुलिस की तहकीकात में सामने आया है कि लव जेहाद के लिए फंडिंग की गई, जिसमें पुलिस ने कांग्रेस पार्षद को भी 120बी के तहत आरोपी बनाया है।

जांच के दौरान सामने आए वीडियो में दोनों आरोपियों साहिल शेख और मोहम्मद अल्ताफ ने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम लिया, जिसने लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और निकाह के लिए उन्हें काफी रुपए दिए थे। उसने युवकों को एक लड़की को फंसाने के लिए एक लाख रुपए और निकाह कराने पर दो लाख रुपए देने की बात कही थी। साथ ही अधिकतम हिंदू युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर बाद में वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलना भी सामने आया है। दोनों आरोपियों ने बताया कि पार्षद पहले फोटो देखकर आश्वस्त होता है कि लड़की हिंदू है कि नहीं, फिर उसके बाद फंडिंग की जाती। प्रत्येक युवती को अपने जाल में फंसाने के लिए एक से दो लाख रुपए दिए जाते थे। अनवर से सामाजिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात हुई थी। उसने दो लाख रुपए दिए थे। यह भी कहा कि इस काम को आगे बढ़ाओ।

साहिल खान को लेकर 18 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि करीब पांच महीने पूर्व उससे हिंदू नाम से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की गई थी। 12 मई को वह बातचीत के लिए युवती को दोस्त के कमरे पर ले गया, जहां पूरी तरह भरोसे में लेकर शादी का झांसा देते हुए शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद साहिल उसे 30 मई को स्कीम-54 में एक कैफे पर मिलने बुलाता है, जहां विरोध के बावजूद उससे जबरदस्ती की गई। बाद में उसकी असली पहचान मुस्लिम होना उजागर हुआ। उसने बताया कि वह मुसलमान है और अब तुम भी अपना धर्म बदल लो। उसने कहा कि तू जितना पैसा मांगेगी मैं दूंगा। फिर युवती को जबरदस्ती बुरका पहनाने की कोशिश की गई।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया का पूरे मामले को लेकर कहना है कि यह कार्रवाई वायरल वीडियो के आधार पर की गई, अभी दो पीड़िताएं इस प्रकरण में

सामने आई हैं, इसलिए अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की गईं। दोनों पीड़िताओं के बयानों के आधार पर धाराएं बढ़ाई गई हैं। पार्षद अनवर कादरी को भी आर-ोपी बनाया जा रहा है। थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने जानकारी दी कि आरोपी साहिल शेख और अल्ताफ खान ने सोशल मीडिया पर फर्जी हिंदू नामों से आईडी बना रखी थी। इन्हीं नामों से वे युवतियों को फंसाते थे। उन्होंने अपने नाम अर्जुन और राज रखे। शिकायत करने सामने आई दोनों युवतियों से भी ये हिंदू नाम से बात करते और उन्हें लव जेहाद का शिकार बनाया गया। इनकी मोबाइल जांच में सामने आया है कि एक बार किसी युवती के इसके झांसे में आने के बाद वे इन लड़कियों पर शादी करने एवं धर्म परिवर्तन का दबाव बनाते।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्षद ऐसे युवकों को फंडिंग करता था। आरोपी अल्ताफ ने अनवर से एक लाख रुपए लेना स्वीकार किया है। पुलिस उनके बैंक खातों की जांच कर रही है। कादरी के अलावा भी अन्य लोगों की जांच की जा रही है।देर रात पुलिस ने उसके घर छापा मारा लेकिन वह फरार हो गया। दोनों आरोपी सोमवार तक पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।

इंदौर में लगातार लव जेहाद के केस सामने आ रहे हैं। ड्रीम ओलंपिक शूटिंग एकेडमी के कोच मोहसिन खान पर अब तक सात एफआरआर दर्ज हो चुकी हैं। उसने खुद एवं अन्य मुस्लिम दोस्तों व परिवार सदस्यों के साथ मिलकर कई हिंदू लड़कियों को लव जेहाद का शिकार बनाया और दुष्कर्म किया। बजरंग दल ने दावा किया है कि मोहसिन ने 150 से अधिक हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाया था। ऐसे ही पुलिस ने एक अन्य प्रकरण में फरहान और हन्नेन खान को पकड़ा तो इन दोनों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। एक आरोपी हन्नेन खान ने हिंदू युवती को अपना नाम आयुष पटेल बताकर झांसे में लिया। पुलिस ने हन्नेन के फोन की जांच की तो कई हिंदू युवतियों की चैट मिली। इसी तरह,आरोपी फरहान ने भी युवती को हिंदू नाम बताकर झांसे में लिया था। जब युवती को उसके मुस्लिम होने की सच्चाई का पता चली तो विजय नगर थाने में मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (लव जेहाद) की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची। इस प्रकरण में पीड़िता के अनुसार, फरहान के कृत्य में उसकी मां अफसाना भी शामिल है।

इसी तरह के लव जेहाद के एक मामले में खजराना निवासी तोहिद रजा का खुलासा हुआ। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि महिला मित्र की जन्मदिन पार्टी पर तोहिद से दोस्ती हुई थी। उसने पीड़िता से मोबाइल नंबर ले लिए और दोनों की बातचीत होने लगी। आरोपी ने युवती से कहा था कि उसका नाम राहुल है। उसने शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए। कुछ समय बाद पता चला कि आरोपी का असली नाम तोहिद है और लव जेहादी है। उक्त प्रकरण में टीआइ सहर्ष यादव का कहना है कि तोहिद ने पीड़िता का वीडियो बना लिया था, जिसके बाद उसने ब्लैकमेल करना शुरू किया। इंटरनेट पर वीडियो डालने की वह पीड़िता को धमकी भी देता था। उसके विरुद्ध लूट-चोरी के गंभीर मामले दर्ज हैं। वह एमडी ड्रग्स का नशा भी करता है।

एक और झकझोरने वाली कहानी सामने आ चुकी है। एक पति ने पहले पांच पन्नों में अपनी दर्दभरी कहानी लिखी, फिर वीडियो बनाकर रोते हुए बताया कि कैसे उसकी पत्नी जिम में जाने के बाद एक लव जेहादी की चंगुल में फंसी। तंग आकर उसने जहर खा लिया।

उल्लेखनीय है कि इंदौर पुलिस की जांच में सामने आया कि शहर के कुछ कॉल सेंटर, जिम और शिक्षा केंद्रों को आरोपियों ने लव जेहाद की गतिविधियों का अड्डा बना रखा है। यहां मुस्लिम युवक हिंदू नाम से युवतियों से सम्पर्क करते हैं, फिर उन्हें दुष्कर्म का शिकार बनाते हैं। चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि इन मुस्लिम युवकों को इस काम में उनके परिवार की महिलाएं भी सहयोग करती नजर आ रही हैं। विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच एवं अन्य सनातन धर्म से जुड़े हिंदू संगठनों का कहना है कि इंदौर में लव जेहाद का बड़ा षड्यंत्र चल रहा है।

वोकल फॉर लोकल को साकार करने के लिए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाए : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिल्ली को विकसित राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आह्वान किया कि दिल्ली के लोग अपने घरों में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाए ताकि ज्यादा से ज्यादा स्वरोजगार पैदा हो सके।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित वोकल फॉर लोकल एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधता वाला देश है जहां पर दुनिया की हर चीज मौजूद है। दिल्ली में पर्यटन को आकर्षित बनाने के लिए अनेक पर्यटक स्थलों को जोड़ा जा रहा हैं। पहले कुतुब मीनार, लालकिला, चिड़ियाघर, इंडिया गेट, हुमांयु का मकबरा, राष्ट्रपति भवन जैसे स्थल शामिल थे और अब इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है, जिसमें डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, कर्तव्य पथ के साथ अन्य महत्व-पूर्ण स्थानों को जोड़ा जा रहा हैं।

श्रीमती गुप्ता ने कहा, भारत अपनी देश की 140 करोड जनता की जनसंख्या को बोझ न समझ कर उसे अपना ऐसेट समझ ले तो उन्ही का उपयोग करना शुरू कर दे तो देश की 140 करोड़ जनता अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में जुट जायेगी।

विदेशी सामान के खरीदारों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे स्वदेश के छोटे निर्माताओं को व्यापारी को नुकसान पहुंचता है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की समन्वयन के साथ व्यापारियों की समस्याओं को उठाने की प्रशंसा करते हुये दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों की सभी समस्याएं उनके संज्ञान में है और उन पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए आज यहां पर ली गई शपथ का पालन होना चाहिए।

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन श्री सुनील सिंघी जी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की मौजूदगी में समारोह में शामिल सभी व्यापारियों को वोकल फॉर लोकल की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की काया को पलटने के लिए एक लाख करोड़ बजट की घोषणा की है ताकि विकसित भारत की कल्पना में विकसित दिल्ली बने।

प्रदेश के वरिष्ठ महामंत्री श्री मुनीष बंसल ने मंच का संचालन करते भारतीय व्यापार मंडल के इतिहास के बारें में उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इसका मूल उद्देष्य व्यापारियों और छोटे उद्यमियों की समस्याओं को सरकार के साथ समन्वयन बनाकर हल कराना और उन्हें स्वालंबी बनाने के साथ साथ उनके सम्मान को बरकरार रखा भी है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री नवीन गर्ग ने सभी व्यापारियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत को विश्व के सबसे अधिक विकसित राष्ट्रो की श्रेणी में लाने के लिए मोदी जी ने जो वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया है। उसे सफल बनाने के लिए हम सबका कर्तव्य बनता है कि हम पांच सात आदमी इक्कठे हो जाये और घर घर जा कर यह शपथ दिलाए।

संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री बालकिशन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अपने अतीत को देखे तो भारत सोने की चिडिया कहलाता था। उसमें भी व्यापारियों का योगदान था। आजादी के समय भी क्रांतिकारियों की सहायता करने वाले में व्यापारी वर्ग से सामने आया था। उन्होंने कहा कि अब हमें राष्ट्र प्रथम पर ध्यान देते हुये वोकल फॉर लोकल को अपनाना है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश के चेयरमैन श्री नरेश ऐरण ने बताया कि दिल्ली में 27 साल एक ऐसी सरकार बनी जो व्यापारी भाईयों की बात को सुनती है। उन्होंने उम्मीद जताते हुये कहा कि दिल्ली सरकार ने हमारी कुछ मांगों को स्वीकार किया है और उसके परिणाम जल्द सामने आयेंगे।

इस समारोह में स्वामी बालकानंद गिरि जी महाराज, श्री नरेश चंद्र शास्त्री जी उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव श्री दीपक सिंघल जी, हरियाणा के स्पोर्टस यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री अशोक कुमार और उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता श्री अभिषेक गुप्ता शामिल थे। इनके अलावा राष्ट्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय चेयरमैन बालकिशन अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकॉत गर्ग जी, वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. गोपाल मोर और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जगदीश बेरीवाल भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगश गर्ग, मुकेश कुमार गुप्ता, संजीव मित्तल, दिनेश गर्ग, महावीर गोयल सहित अन्य अपना बहुमूल्य योगदान दिया ।

अमरनाथ यात्रा मार्ग एक जुलाई से सरकारी ड्रोनों के हवाले

जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)। आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जम्मू कश्मीर सरकार ने पूरे तीर्थयात्रा मार्ग को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है, जिसमें पहलगाम और बालटाल दोनों मार्ग शामिल हैं।

यह प्रतिबंध पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों को कवर करने वाले सभी प्रकार के हवाई उपकरणों-यूएवी, ड्रोन और गुब्बारों पर लागू होता है। सुरक्षा निर्देश 1 जुलाई से 10 अगस्त तक लागू रहेंगे। यह निर्णय भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा ऐसा करने की सलाह दिए जाने के बाद लिया गया है। ये प्रतिबंध चिकित्सा निकासी, आपदा प्रबंधन या सुरक्षा बलों द्वारा किए जाने वाले निगरानी अभियानों पर लागू नहीं होंगे।

ऐसे अपवादों के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसअ-ोपी) बाद में जारी की जाएगी। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन आज यहां यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त को समाप्त होगी। पहलगाम हमले के मद्देनजर यात्रा के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। तीर्थयात्रा के लिए केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की 581 कंपनियों को तैनात किया जा रहा है।

पहली रानी और सिने जगत का परी-चेहरा नाम से जानी जाती थीं नसीम बानो

भारतीय सिनेमा की पहली सुपरस्टार, पहली रानी और परी-चेहरा नाम से जानी जाती थीं नसीम बानो। 18 जून को हिंदी सिने जगत की मशहूर हस्ती की पुण्यतिथि है। 4 जुलाई 1916 को पुरानी दिल्ली में जन्मी नसीम बानो ने 1930 और 1940 के दशक में अपनी खूबसूरती और अभिनय की ताकत से सिनेमा जगत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

जब हिन्दी सिनेमा में स्वर्णलता, मुमताज शांति और नूरजहां सरीखी अभिनेत्रियों का बोलबाला था, तब भी नसीम की चमक फीकी नहीं पड़ी। गजब की खूबसूरत थीं, इस बात का जिक्र साहित्यकार, उपन्यासकार सआदत हसन मंटो ने अपनी एक रचना में भी किया था। उन्होंने नसीम की तारीफ में लिखा, उन दिनों अभिनेत्रियों में से एक थीं नसीम बानो, जो खासा मशहूर थीं। खूबसूरती की बहुत चर्चा थी। इश्तिहारों में 'परी चेहरा नसीम' कहा जाता था। मैंने अपने ही अखबार में उसके कई फोटो देखे थे। खुश शक्ल थीं, जवान थीं। खासतौर पर आंखें बड़ी पुर-कशिश थीं और जब आंखें पुर-कशिश हों तो सारा चेहरा पुर-कशिश बन जाता है।

संगीतकार नौशाद ने उन्हें 'परी-चेहरा' उपनाम दिया, जो उनकी खूबसूरती और आभा का प्रतीक बना। दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों ने उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री करार दिया।

उनकी बेटी और बीते जमाने की खूबसूरत अभिनेत्री सायरा बानो ने खुद बताया, उनकी सुंदरता सिर्फ चेहरे तक सीमित नहीं थी। उनकी परंपरा में भी झलकता था।

नसीम बानो की कहानी न केवल एक अभिनेत्री की है, बल्कि एक ऐसी महिला की है, जिसने अपने समय की रूढ़ियों को तोड़ा और भारतीय सिनेमा में अमिट छाप छोड़ी।

नसीम बानो का जन्म रोशन आरा बेगम के रूप में एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां कला और संगीत की गहरी जड़ें थीं। उनकी मां चमियान बाई, जिन्हें शमशाद बेगम के नाम से भी जाना जाता था, उस दौर की मशहूर गायिका और तवायफ थीं। नसीम की परवरिश दिल्ली में हुई, जहां उन्होंने क्वीन मैरी हाई स्कूल में पढ़ाई की। उनकी मां चाहती थीं कि वह डॉक्टर बनें, लेकिन नसीम का दिल तो सिनेमा में बसता था, और उनकी धड़कन उसी के लिए धड़कती थी।

अभिनेत्री सुलोचना की प्रशंसक नसीम का सपना था कि वह भी बड़े पर्दे पर चमकें। इस सपने को हकीकत में बदलने की शुरुआत तब हुई, जब बॉम्बे की एक यात्रा के दौरान सोहराब मोदी ने उन्हें अपनी फिल्म 'खून का खून' में अभिनय के लिए चुना। हालांकि, नसीम की मां नहीं चाहती थीं कि उनकी लाडली अभिनय की दुनिया में कदम रखे। मां के विरोध के बावजूद नसीम ने भूख हड़ताल कर अनुमति हासिल की, और इस तरह उनके सिनेमाई सफर की शुरुआत हुई।

नसीम की असली पहचान 1939 में आई सोहराब मोदी की फिल्म 'पुकार' से बनी, जिसमें उन्होंने महारानी नूरजहां का किरदार निभाया। इस फिल्म का प्रभाव इतना गहरा था कि दर्शक सिनेमा हॉल में जूते उतारकर प्रवेश करते थे, मानो वे मुगल दरबार में कदम रख रहे हों।

नसीम ने अपने करियर में बड़े प्रयोग किए। उन्होंने सिनेमाई फैशन और मेकअप के क्षेत्र में क्रांति ला दी। बेटी सायरा बानो की पहली फिल्म जंगली (1961) के लिए नसीम ने कॉस्ट्यूम डिजाइन पर खास ध्यान दिया, जिसने भारतीय सिनेमा में फैशन के नए मानक स्थापित किए। उनकी यह प्रतिभा सायरा के करियर की पहचान बन गई।

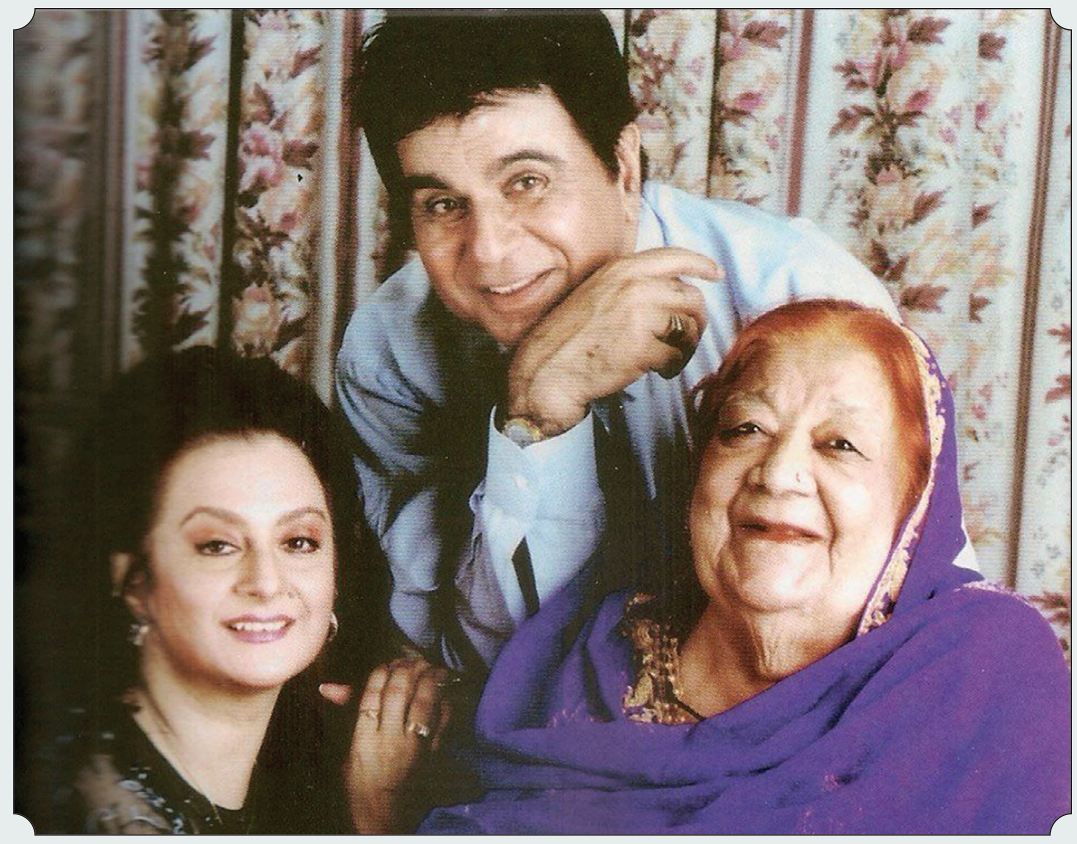

सायरा बानो अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां को देती हैं। अकसर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अम्मी की दास्तानें सुनाती हैं। उन्होंने बताया , मैंने जो भी सफलता हासिल की, वह उनकी मेहनत और बलिदानों का नतीजा है।

सायरा बताती हैं, वह सिर्फ एक मां नहीं थीं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत थीं, जिन्होंने मुझे जीवन में आगे बढ़ने का उद्देश्य दिया और असीम प्यार लुटाया।

नसीम की निजी जिंदगी भी प्रेरणादायक थी। उन्होंने अपने बचपन के दोस्त, आर्किटेक्ट मियां एहसान-उल-हक से शादी की और ताज महल पिक्चर्स बैनर की शुरुआत की। उनके दो बच्चे, सायरा बानो और सुल्तान अहमद हुए। विभाजन के बाद उनके पति ने पाकिस्तान जाने का फैसला किया, लेकिन नसीम अपने बच्चों के साथ भारत में रहीं। उन्होंने सायरा और सुल्तान को लंदन में पढ़ाया, लेकिन उन्हें भारतीय संस्कृति और जड़ों से जोड़े रखा। हर गर्मी की छुट्टियां वे बॉम्बे या दिल्ली में बिताते, जहां बच्चे अपनी विरासत से जुड़ते गए।

नसीम का करियर 1950 के दशक तक चला। उन्होंने न केवल अपने अभिनय से बल्कि अपनी सादगी, मेहनत और नए प्रयोग से सिनेमा जगत को समृद्ध किया। 18 जून 2002 को 85 वर्ष की आयु में मुंबई में उनका निधन हो गया, लेकिन विरासत आज भी हिंदी सिनेमा के मुरीदों में जिंदा है।

ईशा कोप्पिकर ने शुरू की शूटिंग क्या है यह रहस्यमयी प्रोजेक्ट?

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर चर्चाओं का बाज़ार गर्म कर दिया है। उनका एक बीहाइंड-द-सीन वीडियो, जिसमें वह एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में नज़र आ रही हैं, सोशल मीडिया पर लीक हो गया है। इस वीडियो के वायरल होते ही फैंस और इंडस्ट्री के लोग कयास लगाने लगे हैं कि यह किस प्रोजेक्ट का हिस्सा है। वीडियो में ईशा लाल रंग की शाही साड़ी में दिखाई दे रही हैं, जिस पर सुनहरे ज़री का बारीक काम है। हाथ में एक पारंपरिक ढाल थामे, वह एक सच्ची योद्धा की तरह प्रतीत होती हैं। उनके गहनों से लेकर बालों की बारीकी से की गई स्टाइलिंग तक हर पहलू यह जताता है कि यह कोई साधारण फोटोशूट नहीं, बल्कि एक भव्य और पीरियड-आधारित प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसमें ऐतिहासिक सटीकता और भव्यता ज़रूरी है।

इस दिलचस्प सेटअप ने प्रशंसकों और इंडस्ट्री के अंदरूनी लोगों को ईशा के अगले वेंचर के बारे में अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है। क्या वह ऐतिहासिक ड्रामा की दुनिया में कदम रख रही हैं, शायद भारतीय इतिहास की किसी महान रानी या योद्धा का किरदार निभा रही हैं? उनकी वेशभूषा और शूटिंग के पेशेवर सेटअप से स्पष्ट प्रोडक्शन वैल्यू एक बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा करती है, संभवतः एक वेब सीरीज़ या फीचर फिल्म जो इन दिनों बेहद लोकप्रिय हो रहे ऐतिहासिक नारी-केंद्रित विषयों पर आधारित है। इस पूरी कहानी को और भी दिलचस्प बनाता है ईशा कोप्पिकर का हाल के वर्षों में प्रोजेक्ट्स को लेकर चयनशील रवैया। वह अपने काम को लेकर हमेशा संजीदा रही हैं और किसी भी नई भूमिका को चुनने से पहले खूब सोच-विचार करती हैं। ऐसे में अगर वह किसी नए प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी हैं, तो यह निश्चित ही कोई साधारण काम नहीं है। चाहे वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक सीरीज हो, बॉलीवुड की कोई पीरियड ड्रामा हो या फिर किसी क्षेत्रीय भाषा की कहानी जो भारत की अनकही वीरांगनाओं को सामने लाती हो।

एक बात तो तय है - ईशा कोप्पिकर अपनी ढाल से कहीं ज़्यादा कुछ करने के लिए तैयार हैं। उनके पास एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो उनके करियर की दिशा को फिर से परिभाषित कर सकता है।

विक्रांत मैसी ने शनाया कपूर के साथ शेयर की तस्वीर

अभिनेता विक्रांत मैसी ने शनाया कपूर के साथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। 12वीं फेल अभिनेता विक्रांत मैसी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी और शनाया की फोटो शेयर की, जिसमें वे अपनी आगामी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां की शूटिंग के दौरान साइकिल चलाते हुए नजर आ रहे हैं।

तस्वीर के साथ मैसी ने लिखा, यह लीजिए, मैंने शनाया कपूर को थोड़ी मुसीबत में भी डाला और प्यार में भी। तस्वीर में मैसी खुशी से झूमते नजर आ रहे हैं, जबकि शनाया अपनी आंखों को कपड़े से ढंककर साइकिल चला रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह प्रोजेक्ट उनका पहला ऑनस्क्रीन है। निर्माताओं ने 5 जून को 'आंखों की गुस्ताखियां' का टीजर जारी किया था। वहीं फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

यह फिल्म संतोष सिंह द्वारा निर्देशित है और इसमें विक्रांत मैसी और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म मानसी और वरुण बागला द्वारा निर्मित है और संगीत

विशाल मिश्रा द्वारा दिया गया है। टीजर में दर्शकों को विक्रांत मैसी को एक दृष्टिहीन संगीतकार और शनाया कपूर को एक थिएटर कलाकार के रूप में दिखाया गया है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, शनाया ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए भावनात्मक यात्रा रही है। उन्होंने आगे कहा कि निर्देशक संतोष सर और विक्रांत के साथ काम करना इसे और भी खास बना देता है। 15 जून को शनाया कपूर ने 'आखों की गुस्ताखियां' के लिए वर्कशॉप के पहले दिन की एक झलक शेयर की थी, जिसमें उन्होंने सिनेमा की दुनिया में कदम रखने के अपने सफर की झलक दिखाई। शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन दिया, आंखों की गुस्ताखियां के लिए वर्कशॉप का पहला दिन सबसे बेहतरीन।इससे पहले प्रोड्यूसर मानसी बागला ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी।बागला ने खुलासा किया था कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था। स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया की स्वाभाविक प्रतिभा और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को चुन लिया।

गुजराती भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए गुजराती मुवी क्लब द्वारा मुशीराबाद स्थित सत्तवा मॉल मे आयोजित गुजराती पिक्चर भ्रम के विशेष शो मे उपस्थित अभिनेता मित्र गढवी, निदेशक पल्लव पारीख, साथ मे आयोजक धारा दोशी, किन्नरी सावला, वैशाली शाह, जया जागीरदार, धारीणी जागीरदार एवं अन्य। पिक्चर का करीब 700 लोगो ने एक साथ 3 स्क्रीन पर लुफ्त उठाया।

असल जिंदगी में मुझसे तू है आशिकी की 'नूर' बहुत अलग है : अमनदीप सिद्धू

अभिनेत्री अमनदीप सिद्धू का शो तू है आशिकी प्रीमियर के लिए तैयार है। शो में नूर का किरदार निभा रही अभिनेत्री ने बताया कि वह नूर के साथ पूरी तरह जुड़ नहीं पातीं। नूर एक साधारण, बिंदास, मैच्योर और परिवार से प्यार करने वाली कॉलेज स्टूडेंट है। वह असल जिंदगी में इससे अलग हैं।अमनदीप ने कहा, मैं नूर के परिवार से प्यार और उनकी राय को महत्व देने के तरीके से जुड़ सकती हूं, लेकिन, मैं उससे अलग हूं। उन्होंने बताया कि नूर अपनी खुशी के लिए ज्यादा कुछ नहीं करती, जबकि मैं हमेशा अपने दिल की सुनती हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां और परिवार की सलाह लेती हूं, लेकिन अंतिम फैसला मेरा होता है। इस तरह नूर और मैं अलग हैं। मैं अपनी जिंदगी की कमान खुद संभालती हूं।

अमनदीप खुद को बहुत रोमांटिक मानती हैं और शो का नाम उन्हें खासा पसंद है। उन्होंने कहा, मैं कर्क राशि की हूं और बहुत रोमांटिक हूं। शो का नाम प्यार से भरा है। 'पम्मा' और 'नूर' की प्रेम कहानी को जीना मेरे लिए नया और शानदार अनुभव था। यह एक फिल्मी रोमांस जैसा है, जिसे मैं जीना चाहती थी।अमनदीप ने शो के निर्माता रवि दुबे और सरगुन मेहता की तारीफ की। उन्होंने कहा, रवि और सरगुन कहानी से ज्यादा किरदारों पर ध्यान देते हैं। अगर किरदार मजबूत हो तो दर्शक उससे जुड़ते हैं और कहानी खुद-ब-खुद चल पड़ती है।

उन्होंने बताया कि 'पम्मा' का किरदार इतना दमदार है कि हर कोई उससे और नूर से प्यार करेगा। अभिनेत्री को यकीन है कि दर्शकों को यह साधारण और रिलेटेबल कहानी पसंद आएगी।उन्होंने कहा, आज लोग साधारण, वास्तविक कहानियां और किरदार पसंद करते हैं। इस कहानी को भी दर्शकों का खूब प्यार मिलेगा।'लवली लोला' और 'दिल को रफू कर ले' के बाद, कपल सरगुन मेहता और रवि दुबे ने हाल ही में 'तू आशिकी है' के लॉन्च की घोषणा की थी। उन्होंने 'हाल-ए-दिल' टाइटल से एक अन्य शो की भी घोषणा की।

काशी में भोले की भक्ति में डूबीं अक्षरा सिंह, गले में माला, माथे पर चंदन

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वो सिर से लेकर गले तक फूलों की माला से लिपटी नजर आ रही हैं। माथे पर चंदन का तिलक है और लबों पर शिव का नाम है। शिव की नगरी काशी में वो नाव पर सवार होकर गंगा नदी में भक्ति में रम गईं। उनका वीडियो वायरल हो रहा है और फैंस उनके कायल हो रहे हैं।

अक्षरा सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'ये काशी है... यहां हर गीत में शिव बसते हैं। पहली बार नई कोशिश, एक अलग रूप में शिव को महसूस करके गीत अर्पण कर रही हूं।' इस वीडियो में अक्षरा नाव पर बैठी हैं। गले में ढेर सारी माला है।

सिर पर माला का मुकुट जैसा पहना है। माथे पर चंदन का तिलक लगा है। वो गंगा नदी में नाव पर बैठकर अलग-अलग घाटों को खूबसूरती को देख रही हैं। पर फैंस उनकी खूबसूरती के कायल हो गए हैं। भले ही अक्षरा ने ये वीडियो अभी शेयर किया है, लेकिन वो काशी 18 मई को ही गई थीं।

क्योंकि उन्होंने तब भी ऐसा पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए थे और कैप्शन में लिखा था, 'फिल्म 'रुद्र शक्ति' का समापन और रुद्र की पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, वो भी हमारे प्रिय महाराज श्रीकांत जी के सानिध्य में रहकर पूजा करने का अनुभव ही कुछ और होता है।'

आज भद्र राजयोग का राजसी संयोग में सिंह सहित अन्य राशियों को मिलेगी गणेशजी की कृपा

आज यानी 18 जून बुधवार है और आज चंद्रमा का गोचर कुंभ उपरांत मीन राशि में होगा। आज बुधवार होने की वजह से बुध ग्रह का प्रभाव पूरे दिन रहेगा, इसके साथ ही आज बुध मिथुन राशि में सूर्य के साथ बुधादित्य योग बनाएंगे। और अपनी स्वराशि में होने की वजह से बुध आज भद्र राजयोग का शुभ संयोग का भी निर्माण करेंगे। और तो और आज मिथुन राशि में ही सूर्य, बुध और गुरु मिलकर त्रिग्रह योग बनाएंगे। इसके साथ ही आज गुरु और सूर्य मिलकर गुरु आदित्य योग भी बना रहे हैं। और आज के दिन पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के संयोग में प्रीति उपरांत आयुष्मान योग का भी संयोग बन रहा है। आज बुधवार का दिन गणेशजी को समर्पित होगा, इस वजह से आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी उपरांत अष्टमी तिथि का संयोग रहेगा। जिससे आज बुधवार का दिन सिंह सहित 5 राशियों के जातकों के लिए अत्यंत शुभ और लाभदायक रहेगा। आज इन राशियों को अपने-अपने क्षेत्र में भरपूर लाभ होगा। साथ ही इनके घर परिवार में सुख समृद्धि का वास होगा।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज आपकी सुख सुविधाओं में इजाफा होगा। कारोबार में मेहनत रंग लाएगी, सरकारी कार्यों के टेंडर हासिल हो सकते हैं जिससे आपकी आय में इजाफा होगा। कारोबार के सिलसिले में आपको लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके लिए शुभ और लाभदायक रह सकती है। आपके सामाजिक दायरे में बढ़ोतरी होगी। अध्यात्म की ओर आपका रुझान रहेगा। शासन और प्रशासन से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रह सकता है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा से जुड़ी आपके अड़चनें दूर हो सकती हैं। दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहेंगी, जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज बहते हुए पानी में खाली मटके को बहा दें। इसके साथ ही सुहागिन महिलाओं को हरी चूड़ियां दान करें। इससे आपके वैवाहिक जीवन में सुख शांति आएगी।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपको करियर से लेकर कारोबार तक में सभी का सहयोग मिलेगा। सहकर्मी आपकी मदद करेंगे जबकि अधीनस्थ कर्मचारी आपकी बातों का पालन करेंगे।

इससे आप जल्दी अपने लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब हो सकते हैं। इसके साथ ही आज साझेदारी में काम करने वालों को लाभ हो सकता है। आज आपको अपने पार्टनर के भाग्य का भी साथ मिलेगा। आप मिलकर कोई बड़ा सौदा हासिल कर सकते हैं जिससे आपके कारोबार की कायापलट हो सकती है। इसके साथ ही आज आप बडे.बदलावों को हरी झंडी दे सकते हैं, जो आपको भविष्य में लाभ देकर जा सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज जीवनसाथी से आपको तोहफा मिल सकता है।

उपाय : आज अपने पर्स में हरे कांच की गोलियां रखें और ऊं ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम: मंत्र का 108 बार जप करें। इससे आपके काम बनते चले जाएंगे।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन शुभ और लाभ दोनों लिए हुए है। आज आपके प्रयास सफल होंगे। आप अपने कार्यों को गंभीरता से लेंगे और आपको उनमें सफलता भी प्राप्त होगी। इसके साथ ही आज कारोबार के विस्तार के लिए आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। कहीं से आपको कर्ज लेने में अड़चनें आ रही थीं तो आज आपको आसानी से लोन मिल सकता है। अगर आप कोर्ट कचहरी के मामलों में फंसे हैं तो आज का दिन आपके लिए राहत भरा रह सकता है। इसके साथ ही आज आपको पार्टनरशिप में किए जाने वाले काम विशेष रूप से लाभ देकर जा सकते हैं। अगर कहीं निवेश करने की सोच रहे हैं तो जीवनसाथी के नाम पर धन लगाना आपके लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है।

उपाय : आज किन्नरों को दान दें और गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें। इससे आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन भरपूर लाभ कमाने का है। आज आपको साहसिक निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। कुछ कार्यों में आप जोखिम भी ले सकते हैं। आज कम्युनिकेशन के काम से जुडे. जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही आज आपके संचित धन में बढ़ोतरी होगी जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। इसके साथ ही आज कारोबार में छोटी दूरी की यात्रा आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। शोध, लेखन, प्रकाशन के काम में अतिरिक्त लाभ हो सकता है। आज वैवाहिक जीवन में खुशहाली रहेगी। अगर जीवनसाथी के साथ कोई विवाद चल रहा था तो आज आपकी सुलह हो सकती है। इसके साथ ही आज आपको संतान की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

उपाय : आज गाय को हरा चारा खिलाएं और गणेश चालीसा का पाठ करें। इससे आपके कार्यों में आ रहीं विघ्न बाधाएं दूर होंगी।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभदायक रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में अलग ही तेज होगा। आपका प्रभुत्व बढ़ेगा और किसी कार्यक्रम में आपको सम्मानित किया जा सकता है। विदेश से जुड़ा काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभ दिलाने वाला हो सकता है।

आज आपके आत्मविश्वास में गजब की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही आज आप परिस्थितियों के अनुकूल फैसले लेंगे जिससे आज आपको अतिरिक्त लाभ हो सकता है। आपके बुद्धिमत्ता भरा फैसलों से विरोधी परास्त हो जाएंगे। आप आज का दिन पूरी सुख सुविधाओं के साथ जीएंगे। दांपत्य जीवन आज खुशहाल रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके तालमेल में इजाफा होगा।

उपाय : आज गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। और 108 बार ऊं गं गणपतये नम: मंत्र का जप करें। इससे भगवान गणेश आपसे प्रसन्न होंगे।

नमक से आजमाकर देखें ये आसान टोटके

गरीबी और नकारात्मकता घर से रहेगी कोसों दूर

जीवन में अक्सर समस्याएं आती जाती रहती हैं। लेकिन कई बार ये बाधाएं और समस्याएं इतनी ज्यादा बढ़ जाती हैं कि व्यक्ति परेशान होने लगता है। साथ ही, हमारी परिस्थितियां मानसिक संतुलन को भी खराब करने लगती है। शास्त्रों में इसके पीछे के कारण बताए गए हैं। जीवन में लगातार बाधाएं आना नजर दोष, वास्तु दोष, ग्रह दोष आदि के चलते हो सकता है। ऐसे में शास्त्रों में कुछ उपाय व टोटके भी बताए गए जिन्हें आजमाने से व्यक्ति को जीवन की समस्याओं और नकारात्मकता से निजात मिल सकती है। इनमें से आज हम आपको नमक के टोटके बताने जा रहे हैं, जिनमें से अगर आप एक भी कर लें तो इससे घर से नकारात्मकता मीलों दूर रहती है। साथ ही, कंगाली से भी निजात मिल सकती है।

बुरी नजर से सुरक्षा का टोटका

अगर आपके घर में किसी को बुरी नजर लग गई है और उसे बार-बार किसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है, तो इसके लिए नमक का एक टोटका आजमा सकते हैं। हाथ में थोड़ा सा समुद्री नमक लेकर इसे अपने या जिसे नजर लगी है उसके ऊपर से 7 बार उल्टा घुमाएं। अब नमक को बाहर या सिंक में डालकर बहा दें। यह आसान काम करने से बुरी नजर को दूर करने में सहायता मिलती है। साथ ही, यह नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर रखता है। इस टोटके को करने से आपके काम में ... आ रही बाधाएं और समस्याएं भी दूर हो सकती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा दूर रखने का टोटका

शास्त्रों में घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने के लिए कई टोटके बताए गए हैं। इन्हीं में से एक है नमक का टोटका, इसके लिए थोड़े समुद्री नमक को एक साफ वस्त्र में बांधकर पोटली बना लें। अब इसे अपने घर के मुख्य द्वार पर बांध दें। इस टोटके को करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर के आसपास से नकारात्मक शक्तियां भी दूर रहती हैं। माना जाता है कि नमक की पोटली मेन गेट पर बांधने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अगर आपके घर में छोटी-छोटी बात पर आए दिन झगड़े होते हैं, तो यह एक छोटा सा काम अवश्य करके देखें। ऐसा करने से आपको गृह क्लेश से मुक्ति मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच का प्रेम बढ़ता है।

घर से कंगाली दूर करने का टोटका

अगर आप पैसों की तंगी से परेशान हैं और मोटी कमाई होने के बावजूद घर में एक पैसा नहीं टिकता है, तो नमक ... जुड़ा एक टोटका कर सकते हैं। इसके लिए एक मुट्ठी समुद्री नमक लें और इसे घर के चारों कोनों में थोड़ा-थोड़ा रख दें। अब एक सप्ताह के बाद सारे स्थान से नमक को इकट्ठा कर लें और इसे किसी बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें या किसी पेड़ के नीचे रखकर आ जाएं। इस टोटके को करने से जातक को पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आने लगता है। माना जाता है कि यह टोटका कंगाली को दूर कर सकता है और इससे धन-दौलत में वृद्धि होने लगती है। इस टोटके को करने से घर में होने वाली फिजू-लखर्ची से भी आपको निजात मिल सकती है।

इस दिन सेंधा नमक से बनाएं खाना

हिंदू धर्म में बुधवार के दिन की विशेष मान्यता होती है। यह दिन भगवान गणेश को समर्पित माना जाता है। ऐसे में इस दिन गणपति बप्पा की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि बुधवार को घर में सेंधा नमक का प्रयोग करते हुए सात्विक भोजन बनाना चाहिए और उसे अपने देवी-देवताओं को भी भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में आने वाली समस्याओं से निजात मिल सकती है और भगवान की कृपा परिवार के सदस्यों पर बनी रहती है। माना जाता है कि बुधवार को नमक का यह टोटका करने से जीवन में खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

जून माह का आखिरी प्रदोष व्रत 23 को रखा जाएगा

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है, जो हर महीने की त्रयोदशी को मनाया जाता है। जून महीने का प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। हर महीने की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है। प्रदोष जून महीने के आखिरी प्रदोष व्रत जल्द ही आने वाला है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस व्रत को रखता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। इस बार प्रदोष व्रत पर लोगों को दोगुना लाभ मिलने वाला है।

इस बार 23 जून का प्रदोष व्रत किया जाएगा। सोमवार होने के कारण इसे सोम प्रदोष व्रत कहा जाएगा। 22 जून को मध्य रात्रि 1 बजकर 22 मिनट पर त्रयोदशी तिथि का आरंभ होगा और 23 जून को रात में 10 बजकर 9 मिनट तक त्रयोदशी तिथि रहेगी। प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि 23 जून को होने का कारण सोम प्रदोष व्रत 23 जून को किया जाएगा। इस बार व्रत करने वालों को दोगुना लाभ मिलने वाला है। इस बार प्रदोष व्रत का साथ मास शिवरात्रि व्रत का भी संयोग बना हुआ है।

प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करने का महत्व

बता दें कि प्रदोष व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। इस व्रत में प्रदोष काल में पूजा करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि प्रदोष काल में भगवान शिव कैलाश पर्वत पर रहते हैं और वहीं वह नृत्य करते हैं। साथ ही इस समय सभी देवी देवता भगवान शिव की उपासना करते हैं। इस समय जो भी व्यक्ति सच्चे दिल से भगवान शिव की उपासना करते हैं तो उनकी सारी इच्छा पूरी होती है।

प्रदोष व्रत पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करें इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करें और घी का दीपक जलाकर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा अर्चना करें और शिवलिंग का अभिषेक करें।

इसके बाद शाम के समय प्रदोष काल में शिवालय जाए और वहां शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग, शमी, चंदन, अक्षत मिठाई आदि चीजें अर्पित करें। इसके बाद भगवान शिव के मंत्र श्री शिवाय नमस्तुभ्यं मंत्र का जप करें। इसके बाद प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें और शिव चालीसा का पाठ करें। फिर महिलाएं मां पार्वती का श्रृंगार करें। अंत में भगवान शिव और माता पार्वती की आरती करें।

मंगला गौरी व्रत 15 जुलाई को

जानिए महत्व और लाभ

मंगला गौरी व्रत का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं मंगला गौरी व्रत रखती हैं। सावन मास में आने वाले मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। इसमें महिलाएं स्नान आदि के बाद मां गौरी की पूजा अर्चना करते हैं और शाम को चांद के दर्शन करने के बाद ही व्रत को खोला जाता है।

मंगला गौरी सावन मास में रखा जाता है। साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है और 9 अगस्त तक चलेगा। जिस प्रकार सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को समर्पित होता है और सावन के प्रत्येक सोमवार को भोलेबाबा का विशेष रूप से पूजा होती है, ठीक उसी तरह सावन का प्रत्येक मंगलवार मां गौरी की पूजा के लिए खास होता है। इस दिन मंगला गौरी व्रत रखा जाता है और मां का विशेष पूजन होता है। इस साल सावन में पहला मंगला गौरी व्रत 15 जुलाई को रखा जाएगा।

पहला मंगला गौरी व्रत – 15 जुलाई 2025
दूसरा मंगला गौरी व्रत – 22 जुलाई 2025
तीसरा मंगला गौरी व्रत – 29 जुलाई 2025
चौथा मंगला गौरी व्रत – 5 अगस्त 2025

मंगला गौरी व्रत का महत्व

मान्यता है कि मंगला गौरी व्रत हिंदू महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सौभाग्य के लिए रखती हैं। कथा कहती है कि मां पार्वती ने भगवान शिव का प्रेम और आशीर्वाद पाने के लिए यह व्रत किया था। मंगला गौरी व्रत रखने से वैवाहिक जीवन में खुशियां और सुख समृद्धि आती है। पति, बच्चों समेत पूरे परिवार की रक्षा होती है। मंगला गौरी व्रत रखने वाली महिलाएं इस दिन फल, दूध आदि का सेवन कर सकती हैं। और शाम को चंद्रमा के दर्शन और पूजन के बाद व्रत खोलती हैं।

रथ यात्रा से 15 दिन पहले भगवान जगन्नाथ के बीमार पड़ने का जानें रहस्य

जगन्नाथपुरी रथ यात्रा भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्ध है। रथयात्रा में शामिल होने के लिए भगवान जगन्नाथ के भक्त दुनिया भर से आते हैं। जगन्नाथ यात्रा शुरू होने से 15 दिन पहले भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा बीमार पड़ जाते हैं। ऐसा हर साल होता है। इस समय को एकांतवास का समय माना जाता है क्योंकि इस समय के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा एकांतवास में चले जाते हैं। जहां किसी भी भक्त को उनके पास जाने की अनुमति नहीं होती। इस अवधि को 'अनसर काल' भी कहा जाता है। जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी को 108 मटकों के सुगंधित जल से स्नान कराया जाता है। इस अनुष्ठान को 'स्नान पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है। कई भक्तों के मन में सवाल आता है कि आखिर हर साल भगवान जगन्नाथ बीमार क्यों पड़ते हैं। इसका जवाब माधवदास और भगवान जगन्नाथ की कहानी से जुड़ा मिलता है।

भगवान जगन्नाथ के परम भक्त और मित्र थे माधवदास

माधवदास एक बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। दुनियादारी से उन्हें कोई सरोकार नहीं था। एक साधारण परिवार में जन्में माधवदास के परिवार के सदस्य धीरे-धीरे उनका साथ छोड़ते गए। जब माधवदास की पत्नी भी एक बीमारी के कारण अपने अंतिम दिन गिन रही थी, तो माधवदास ने उनसे बहुत ही सरल स्वभाव से पूछा- तुम भी मुझे छोड़कर जा रही हो। अब मैं किसी भरोसे रहूंगा। कौन मुझसे प्रेम करेगा। मैं अब कहां सुरक्षित महसूस करूंगा? यह कहकर माधवदास रोने लगे। माधवदास की पत्नी भी भगवान जगन्नाथ की परम भक्त थी। मृत्यु के करीब आ चुकीं उनकी पत्नी ने माधवदास से कहा कि वे पुरी में भगवान जगन्नाथ की शरण में चले जाएं। उनसे ज्यादा उन्हें कोई भी प्रेम नहीं कर सकता।

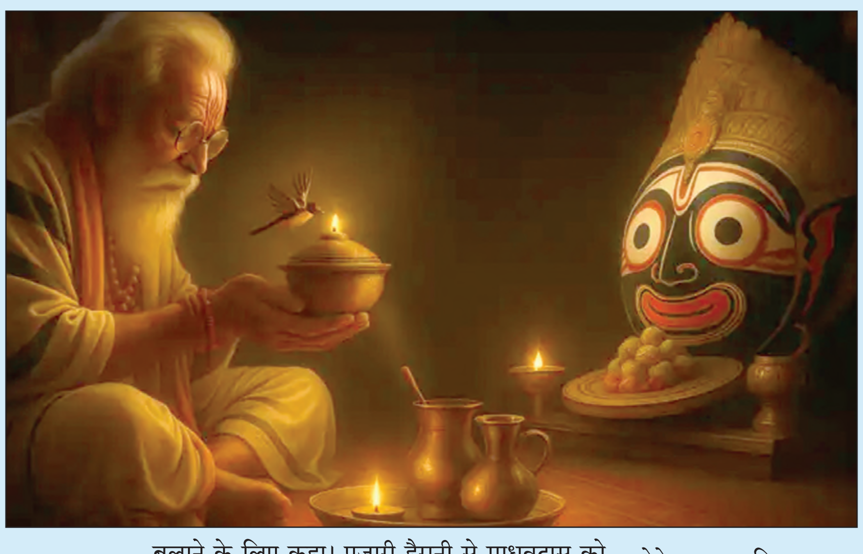

भगवान जगन्नाथ से मिलने पुरी पहुंचे माधवदास

माधवदास स्वभाव से बहुत सरल थे। उन्हें दुनियादारी की समझ नहीं थी। छल-कपट से दूर माधवदास बहुत ही सरल भाव से मंदिर के सामने लगे एक पेड़ की छांव के नीचे बैठ गए। जब मंदिर के पुजारी माधवदास को प्रसाद देने आए, तो माधवदास ने प्रसाद लेने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रभु भगवान जगन्नाथ के हाथों से ही प्रसाद ग्रहण करेंगे। माधवदास ने पुजारी से भगवान जगन्नाथ को बुलाने के लिए कहा। पुजारी हैरानी से माधवदास को देखते रहे। इस तरह भूखे-प्यासे रहकर माधवदास ने हठ कर लिया कि वे केवल भगवान जगन्नाथ के हाथों से ही अन्न ग्रहण करेंगे।

भक्त माधवदास की तपस्या देखकर भगवान जगन्नाथ को आना पड़ा

माधवदास जी की सरलता देखकर भगवान जगन्नाथ का मन पिघल गया और वे रूप बदलकर माधवदास के पास अन्न लेकर पहुंचे लेकिन माधवदास ने अन्न ग्रहण करने से मना कर दिया। माधवदास ने कहा कि उन्हें इस संसार में सबसे ज्यादा विश्वास भगवान जगन्नाथ पर है। वे केवल उनके हाथ से ही अन्न खाएंगे। यदि भगवान जगन्नाथ अभी तक उनसे मिलने नहीं आए, तो साफ है कि वे माधवदास को अपना मित्र नहीं बनाना चाहते। माधवदास जी ने रूप बदलकर आए भगवान जगन्नाथ को गले लगाकर रोते हुए पूछा कि तुम बताओ मित्र! जगन्नाथ जी उनके प्रेम को क्यों नहीं समझ पा रहे हैं। इतना सुनकर भगवान जगन्नाथ जी भावुक हो उठे और उन्होंने माधवदास को अपने वास्तविक रूप में दर्शन देकर अन्न ग्रहण कराया।

भगवान जगन्नाथ माधवदास की 15 दिनों की बीमारी अपने ऊपर ले ली

माधवदास कई वर्षों तक पुरी में रहकर भगवान जगन्नाथ जी की भक्ति करते रहे और हर रोज उनके दर्शन करते। दोनों मित्र बन गए। कई वर्षों बाद प्रकृति चक्र घूमा और माधवदास युवा अवस्था से वृद्धावस्था में प्रवेश करने लगे। इस समय के दौरान माधवदास जी बीमार पड़ गए। उनकी बीमारी में भगवान जगन्नाथ ने दिन-रात उनकी सेवा की। बीमारी से कमजोर हो चुके माधवदास ने एक दिन भगवान जगन्नाथ से कहा- प्रभु! आप तो जगत के स्वामी हैं, तो क्या आप मेरी बीमारी ठीक नहीं कर सकते? इसके जवाब में भगवान जगन्नाथ ने कहा- मित्र माधवदास! मैं तुम्हें मोक्ष देना चाहता हूं। पिछले जन्म के कर्म भोगने के बाद तुम पवित्र हो जाओगे। अभी तुम्हारी बीमारी के बस 15 दिन बचे हैं। प्रभु जगन्नाथ की बात सुनकर माधवदास ने कराहते हुए कहा-प्रभु! लेकिन मुझे अत्यंत पीड़ा हो रही है। यह सुनते ही प्रभु जगन्नाथ ने एक चमत्कार किया और माधवदास की 15 दिनों की बची हुई बीमारी की पीड़ा अपने ऊपर ले ली। इस दिन ज्येष्ठ पूर्णिमा थी। माधवदास ठीक हो गए लेकिन प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ गए। इस तरह कुछ समय बाद माधवदास जी को मोक्ष मिला और तब से प्रभु जगन्नाथ अपने परम भक्तों की 15 दिनों की बीमारी अपने ऊपर ले लेते हैं और हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन से अगले 15 दिनों के लिए बीमार पड़ते हैं और एकांतवास में चले जाते हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

परमाणु के खिलाफ युद्ध

इजरायल -ईरान युद्ध की परिणति क्या होगी? क्या यह महायुद्ध या विश्व युद्ध में तब्दील होगा? कौन गलत है और कौन सही है? इन सवालों के जवाब फिलहाल नहीं दिए जा सकते। इजरायल के सामने अस्तित्व का संकट है। ईरान 1950 से परमाणु कार्यक्रम में जुटा है। कभी अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम में शामिल था। अमरीका समेत सभी प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु करार थे, लेकिन तमाम करार रद्द करने पड़े, क्योंकि ईरान चोरी-छिपे यूरेनियम से बिजली नहीं, परमाणु बम बना रहा था। यह मिथ्या आरोप नहीं है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान अभी नहीं माना, तो आगे बुरा होगा। उसे बर्बाद कर दिया जाएगा। ईरान अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को चेतावनी दे रहा है। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया बैठक में 19 देशों ने ईरान की परमाणु नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। मई, 2025 में आईएईए की एक रपट में खुलासा किया गया है कि पांच माह में ईरान 22 परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर लेगा। उसने करीब 60 फीसदी यूरेनियम संवर्धन का काम कर लिया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम संबंधी अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का हनन कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत कई विश्व नेताओं की जानकारी है कि ईरान 9-10 परमाणु बम बना चुका है। ईरानी बम न केवल इजरायल के लिए भयानक खतरा है, बल्कि अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी सरीखे देशों के जहाज फारस की खाड़ी और लाल सागर में नष्ट कर सकता है। ईरानी परमाणु बम बनाए जाने से मध्य-पूर्व और पश्चिम एशिया के हालात भी अस्थिर, अशांत हो सकते हैं, लिहाजा इजरायल ने ईरान पर जो विध्वंसक हमले किए हैं, वे ईरान के परमाणु ठिकानों और कार्यक्रमों को 'मिट्टी' बनाने के मद्देनजर किए हैं। इजरायल ने करीब 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के विभिन्न इलाकों में हमले किए। ईरान के सेना प्रमुख, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के चीफ समेत 20 प्रमुख सैन्य जनरलों और 9 वरिष्ठ वैज्ञानिकों को मार दिया गया। उनमें 3 ऐसे परमाणु वैज्ञानिक थे, जो ईरान का परमाणु कार्यक्रम संचालित करने में विशेष योगदान दे रहे थे। ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों, मिसाइल लॉन्चर, नेचुरल गैस रिफाइनरी आदि को तबाह कर दिया गया। इजरायल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' को एक बार फिर शाबाश देनी पड़ेगी कि उसने यह ऑपरेशन करीब एक साल पहले तय किया था और करीब 2000 किमी. बसे देश ईरान के भीतर ही अपने बेस बना लिए थे। वहीं से ड्रोन हमले कर ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों के परखच्चे उड़ा दिए थे। मोसाद के करीब 1000 एजेंट्स ईरान में ही सक्रिय हैं। यही कारण है कि इजरायल के हमले सटीक निशाने पर लगे। बहरहाल ईरान ने भी 150 मिसाइलों की बारिश कर जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के पास ऐसी मिसाइलों का भंडार है, जो 2000 किमी. की दूरी पर मार करने में सक्षम हैं, लेकिन इजरायल के सुरक्षा-कवच भी अभेद्य हैं। अब हमले दोतरफा हो गए हैं। हमलों में अभी तक 141 लोग मारे जा चुके हैं। इजरायल में तो मात्र 3-4 मौतें ही हुई हैं, शेष मौतें ईरान के हिस्से की हैं। इमारतें जमींदोज हो रही हैं। ईरान ने 'आपातकाल' घोषित कर दिया है, तो इजरायल में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। अमरीका ने अपने सैनिकों के परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। भारतीय दूतावास ने भी 'परामर्श' जारी किए हैं, लेकिन एक ही हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम छिन्न-भिन्न हो जाएगा अथवा तबाह हो चुका है, यह संभव नहीं है। ईरान यूरेनियम खदानों और भंडारण का देश है। पहाड़ों के नीचे परमाणु प्रयोग किए जा रहे हैं।

> ईरान 1950 से परमाणु कार्यक्रम में जुटा है। कभी अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम में शामिल था। अमरीका समेत सभी प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु करार थे, लेकिन तमाम करार रद्द करने पड़े, क्योंकि ईरान चोरी-छिपे यूरेनियम से बिजली नहीं, परमाणु बम बना रहा था। यह मिथ्या आरोप नहीं है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान अभी नहीं माना, तो आगे बुरा होगा। उसे बर्बाद कर दिया जाएगा। ईरान अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को चेतावनी दे रहा है। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया बैठक में 19 देशों ने ईरान की परमाणु नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। मई, 2025 में आईएईए की एक रपट में खुलासा किया गया है कि पांच माह में ईरान 22 परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर लेगा। उसने करीब 60 फीसदी यूरेनियम संवर्धन का काम कर लिया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम संबंधी अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का हनन कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत कई विश्व नेताओं की जानकारी है कि ईरान 9-10 परमाणु बम बना चुका है।

अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया

भारत-अमरीका अंतरिम व्यापार समझौते की संभावनाएं

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है। कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढ़ने की अनुमति देगा।

यकीनन इस समय भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है। कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढ़ने की अनुमति देगा। इसी तरह अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया है। इस फैसले से अमरीका अन्य देशों के खिलाफ खुद को बचाने के लिए शुल्क का उपयोग कर सकता है। अतएव ऐसे परिदृश्य में भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से ट्रंप के व्यापार यूटर्न पर रोक लग सकेगी। गौरतलब है कि हाल ही में अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि भारत और अमरीका के बीच आंतरिक व्यापार समझौता इसी जून महीने में पूरा होते हुए दिखाई दे सकेगा। इस तरह के समझौते को पूर्ण होने में दो या तीन साल लग जाते थे। विगत 29 मई को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मैनहैटन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत के द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क सहित अन्य विभिन्न शुल्कों को अवैध ठहराए जाने के बीच अमरीका के साथ भारत की व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ती रहेगी। वस्तुतः इस समय भारत-अमरीका कारोबार के बढ़ने के बारे में तीन बातें रेखांकित हो रही हैं। एक, भारत और अमरीका के बीच 25 जून, 2025 तक एक अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा हो सकती है। दो, भारत सरकार अपनी सरकारी खरीद बाजार का एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जा रही है तथा इसमें अमरीका की कंपनियां भी शामिल होंगी। भारत सरकार के खरीद अनुबंधों का केवल एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोला जाएगा। यह हिस्सा मुख्य रूप से केवल केंद्र सरकार की परियोजनाओं से जुड़ा होगा। तीन, अमरीकी कंपनियों के लिए भारत लाभ का बाजार बना हुआ है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के द्वारा आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक को अमरीका में बिकने वाले आईफोन भारत में बनाए जाने पर अमरीका में 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने की कड़ी चेतावनी के बाद भी एप्पल ने भारत में आईफोन विस्तार जारी रखने का

संकेत दिया है। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वाशिंगटन में अमरीकी वाणिज्य मंत्री हार्वर्ड लटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि पारस्परिक लाभ (रेसिप्रोकल) सुनिश्चित करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था को आकार दिए जाने की संभावना हैं। अमरीका ने विगत 2 अप्रैल को भारतीय सामान पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 9 जुलाई तक यानी कुल 90 दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया था। ऐसे में 8 जुलाई के पहले अमरीका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापारिक समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। इस संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमरीका के बाजार में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमरीका की कई वस्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है। अमरीका भारत के बाजार में कृषि उत्पादों का निर्यात करना चाहता है, लेकिन भारत सिर्फ गैर जेनिटिकली मोडिफायड (जीएम) कृषि उत्पादों को ही अपने बाजार में आने की अनुमति देगा। डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को भी शुल्क समझौते में शामिल करने की उम्मीद नहीं है। भारत अमरीका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमरीका में होने वाला निर्यात बढ़े, जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग व रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमरीका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ, वाइन, एथनाल, कई औद्योगिक आइटम व कुछ खाद्य आइटम के शुल्क में छूट चाहता है। इसके साथ अमरीका भारत के गुणवत्ता नियंत्रण नियम में भी छूट चाहता है। पिछले दिनों अमरीका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी वाशिंगटन में एक बैठक में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने है, जिसके साथ अमरीका का द्विपक्षीय-कारोबार समझौता (बीटीए) प्रारंभिक आकार लेने के करीब है। भारत-अमरीका के बीच बीटीए को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है। गौरतलब है कि विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दिए। दोनों देशों ने अमरीका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमरीकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत और अमरीका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही भारत और अमरीका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से ट्रंप के द्विपक्षीय व्यापार संबंधी कुछ अपरिपक्व बयानों के बाद भी अब इसी जून माह में अमरीका के साथ शीघ्र ही भारत के अंतरिम व्यापार समझौते और फिर दिसंबर 2025 तक बीटीए से भारत अमरीका कारोबार तेजी से बढ़ते हुए दिखाई देगा। हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार के नए आंकडों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। साथ ही दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह महत्त्वपूर्ण है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमरीका से आयात 7.44 प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमरीका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर था। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले दिनों ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का एफटीए अब अमरीका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ-साथ ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एक मिसाल के रूप काम कर रहा है। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा अमरीका के साथ इसी जून माह में संभावित मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।

आप का नजरिया

सिर्फ कहने से स्मार्ट सिटी नहीं

स्मार्ट सिटी परियोजना के आईने अब धर्मशाला और शिमला के शहरी विकास को आंखें दिखा रहे हैं। विभागीय कसरतों, सियासी ख्वाहिशों और विकास के मजमून में स्मार्ट सिटी परियोजनाएं केवल अधोसंरचना निर्माण तथा संसाधनों के आबंटन का मुलम्मा बन कर रह गईं। अब परियोजना समय के घाव लिए किसी तरह निर्माण के ढेर पर वक्त हासिल कर रही है। धर्मशाला के परिप्रेक्ष्य में योजनाओं की गुल्लक में फंसा अधूरा कार्य पुनः दरख्वास्त करने जा रहा है कि समय की छूट के अगले छह महीने मिल जाएं। स्मार्ट सिटी परियोजना की विडंबना केंद्र और राज्य के बीच त्रासदी की तरह राष्ट्रीय संसाधनों का मजाक बन चुकी है, क्योंकि इसकी परख सिर्फ रेत-सीमेंट और सरिया से होने लगी। मूल उद्देश्यों की निगरानी के बजाय यहां सिर्फ पैसा देखा गया और इसे विभिन्न विभागों की छतों पर चढ़ा दिया गया। शिमला की सडक़ो को चौड़ा करते-करते स्मार्ट सिटी अब कंक्रीट की दीवार सरीखी हो गई। धर्मशाला और शिमला सिटी परियोजना की पाकेट में एचआरटीसी को बैठा कर इलेक्ट्रिक बसें, टेम्पो ट्रेवलस, इनोवा के अलावा चार्जिंग स्टेशन बना दिए, तो इस व्यवस्था से शहर की कमाई को क्या मिला। आश्चर्य यह कि धर्मशाला के बस स्टाप में लगा धन शहरीकरण से बेमेल हो गया या अतिक्रमणकारी टैक्सी स्टैंड इनके ऊपर उभर आए। क्या इस पैसे से टैक्सी, वोल्वो या पर्यटक बस स्टैंड नहीं बनाए जा सकते थे। दोनों ही स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत स्मार्ट स्कूलों तथा सरकारी भवनों की छतों पर सोलर पैनल चढ़ा दिए गए, लेकिन किसी ने पीछे मुडक़र यह नहीं देखा कि कोई बल्ब जला या बिजली आपूर्ति में कितनी बचत हुई। अब विवेचन यह होना चाहिए कि ये दोनों शहर कहां स्मार्ट और कहां आत्मनिर्भर हुए। क्या योजनाओं के लक्ष्यों में जनता को कोई आश्वासन मिला या अब यह एहसास होने लगा कि कहीं तो बेहतर हुआ। शिमला को बतौर राजधानी यह परियोजना किस पांत में ले गई, अलबत्ता हुआ यह कि कुछ विभागीय कार्यों की फेहरिस्त स्मार्ट शहरों के बजट को चूस कर निकल गई। आज भी धर्मशाला की डंपिंग साइट में कूड़े का ढेर नागरिक नाक को बदबू ही दे रहा है। आज भी शहर का ट्रांसपोर्ट सिस्टम पुराने ढर्रे पर चल रहा है। पर्यटक सीजन में शिमला और धर्मशाला के ट्रैफिक जाम नसीहत दे रहे हैं, तो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की वकालत में अगर अगले पचास साल का खाका बन जाता, तो भी गनीमत होती। अगर सोचा होता कि इसके तहत शहरी व्यवस्था को स्वाभिमान, अनुशासन, पारदर्शी जवाबदेही और शहरी संस्कृति के स्तर को ग्लोबल पहचान में विकसित करना है, तो आज सारे मानदंड व कसौटियां बदल गई होतीं। उदाहरण के लिए अगर धर्मशाला के बस स्टैंड में स्मार्ट सिटी परियोजना मेहनत करती तो न केवल पर्यटन और मनोरंजन सुविधाओं में इजाफा होता, बल्कि निरंतर आय के स्रोत से भविष्य का बजट भी निर्धारित होता। इसी तरह शिमला व धर्मशाला में योजनाबद्ध तरीके से आधुनिक बाजार व बैंक स्केवर विकसित करते तो उपभोक्ताओं को सुविधा मिलने के साथ-साथ आय का एक बड़ा स्रोत शहर को मिलता। स्मार्ट परियोजनाओं से प्रकृति के रिश्ते और जंगल से भविष्य की कितनी तलाश हुई, यह भी देखना होगा। धर्मशाला की डल झील के अलावा जल प्रपात तथा खड्डों-नालों के तटीकरण के साथ वाटर स्पोर्ट्स व मनोरंजन पार्क विकसित किए जाते, तो यह अगली सदियों के विश्राम स्थल व कमाई के स्रोत साबित होते। विडंबना यह है कि स्मार्ट सिटी परियोजना को सियासी चश्मे से देखा गया और जिसके पीछे विभागीय असमर्थता, नालायकी व दूरदृष्टि के अभाव को छुपाने की कोशिश ही हुई। यह शहरीकरण की दिशा में उपलब्धि हो सकती थी, लेकिन अब समय समाप्ति की ओर अग्रसर यह प्रोजेक्ट हाथ मलते देखा जा सकता है। सरकार दोनो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का ऑडिट व सर्वेक्षण करवा कर पता तो लगाए कि शहरीकरण की अंततः कौन सी प्राथमिकताएं हैं और शहरी निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या-क्या करना होगा।

देश दुनिया से

मौन की भाषा से रची कालजयी कृतियां

शब्द सुंदर लगते हैं, जीवन को गति देते हैं, ध्वनि देते हैं। दो लोगों के बीच शब्द ही एक ऐसी दूरी है जो उनके बीच पुल का काम करती है। क्या होता है जब दो लोग एक-दूसरे की भाषा से परिचित नहीं होते। ऐसे में मौन उनकी भाषा बनता है। मौन अत्यंत सशक्त भाषा है। जो मौन की शक्ति और भाषा को पहचान जाता है, वह स्वयं को मानवीयता के श्रेष्ठ शिखर पर स्थापित कर लेता है। अनेक ऋषि-मुनि मौन व्रत रखते हैं। कई मौनी बाबा भी होते हैं जो मौन रहकर अपनी शक्ति से आम लोगों को परिचित कराते हैं। योग न केवल शरीर को निरोग रखता है, अपितु योग की अनेक प्रवृत्तियां व्यक्ति को सुख, शांति प्रदान करती हैं और उनकी छठी इंद्रिय को जाग्रत करती हैं। नाद योग के अंतर्गत ध्वनि को अत्यंत शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा जाता है। नाद योग में ध्वनि और कंपन के माध्यम से तन-मन, शरीर और आत्मा संतुलित होते हैं। विभिन्न ध्वनियां जिसमें मौन भी शामिल है, शरीर के ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्या आपने कभी मौन की भाषा को समझने का प्रयास किया है। कई बार जब दो लोग बातें करते-करते अनायास चुप हो जाते हैं, उनके बीच एक लंबी खामोशी पसर जाती है, एक विराम आ जाता है तो उस समय उस रिक्त स्थान पर मौन की उपस्थिति हो जाती है। यह अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। विश्व के सुप्रसिद्ध संगीतकार वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट कहते हैं कि, 'किसी बात के मध्य का मौन उस बात के जितना ही महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने इस उद्धरण को स्वयं के साथ महसूस किया था। उनके दांपत्य जीवन को जोड़ने में मौन की भूमिका बेहद सशक्त रही। इसलिए वे मौन की शक्ति से परिचित थे। संगीतकार होने के कारण भी वह और उनकी प्रेमिका मौन के महत्व को जानते थे।

मोजार्ट बचपन से ही प्रतिभा के धनी थे। मात्र तीन साल की उम्र में ही उन्हें संगीत की समझ हो गई थी। पांच साल की उम्र में उन्होंने संगीत की रचना करनी आरंभ कर दी थी। आठ साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली सिम्फनी लिखी थी। वर्ष 1781 की एक सर्द शाम में उनकी नज़र एक युवती कॉन्सटैंज़ वेबर पर पड़ी। वह 19 वर्ष की गायिका थी। उसके घर में संगीत का वातावरण था। वह छोटी उम्र से ही संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। कॉन्सटैंज़ को देखते ही मोजार्ट अपनी सुध-बुध खो बैठे। जब वह उनके सामने आई तो उनके मुख से शब्द ही नहीं निकले। एक मौन उन दोनों के बीच व्याप्त था। उस मौन की भाषा ने केवल उन्हें ही नहीं समझाया, अपितु उनके दिलों पर भी कब्जा कर लिया। जो बातें शब्द न कह पाए, वह मौन ने मुखर होकर कह दिया कि दोनों को एक-दूसरे से प्रेम हो गया है। प्रेम की स्वीकृति मिलने पर दोनों के मन में शोर मचने लगा। निःशब्द शोर। ऐसा शोर जो चुप रहकर अपना काम करता है और बहुत तेजी से करता है। कई बार दोनों घंटों साथ रहते, उनके बीच शब्दों का आदान-प्रदान कम होता और मौन की भाषा उनके दिलों को आपस में जोड़ती जाती। आखिर मौन की शक्ति ने काम किया और दोनों विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। दोनों का दांपत्य जीवन बेहद सुखद रहा। हालांकि, मोजार्ट की असमय मृत्यु से उनका दाम्पत्य जीवन लंबा नहीं रहा। मगर विवाह के बाद मोजार्ट ने अपने ओपेरा, 'द एबडक्शन फ्रॉम द सेराग्लियो' और 'द मैरिज ऑफ फिगारो' से पूरी दुनिया में धूम मचा दी। मौन के साथ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता कायम रहती है। जिन संबंधों में लोग मौन के साथ शब्दों का प्रयोग करते हैं, उनके संबंध अधिक सशक्त रहते हैं। जो व्यक्ति अपनी प्रभावशाली बातों से सबको मोहित कर लेता है, वह सब लोगों को अपने मोहपाश में जकड़ लेता है। वहीं कई बार ऐसे व्यक्ति जो बोलने के बजाय मौन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, वे प्रभावशाली बोलने वालों से अधिक योग्य और प्रतिभाशाली साबित होते हैं। मौन में ज्ञान निहित होता है। कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं। यह सदैव याद रखें कि सशरीर कोई व्यक्ति अमर नहीं होता। उनके शब्द, प्रतिभा और व्यक्तित्व मृत्यु के साथ मिट जाते हैं। अमिट रह जाती हैं तो वे कलाकृतियां, धुनें और रचनाएं जो मौन के साथ जन्म लेती हैं और सदा के लिए अमर हो जाती हैं। इसलिए यदि आपने अपने जीवन में अभी तक मौन का अभ्यास नहीं किया है, इसको नहीं समझा है तो समझिए क्योंकि यही मौन आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएगा। आपके जीवन को सफल बनाएगा। आपके मौन की गूंज से जन्म लेने वाली स्थितियां और परिस्थितियां आगे चलकर अमर हो जाएंगी।

कुछ अलग

शाम को ही मिलेंगे साहब

अब वह साहब हैं, तो मानना पड़ेगा कि साहब जैसा ही व्यवहार करेंगे। जनता उनसे मिलने सुबह-सुबह पहुंच जाए, तो साहब क्या करें। यहां साहब की मर्जी, सुबह मिलें या शाम को, व्रत के दिन मिलें या डिनर के साथ। यह साहब जरा अलग तरह के थे। लोगों से चाहे सुबह मिलें, लेकिन तब सलाह देते हैं कि शाम को मिलें। वैसे दफ्तर सुबह मिलने के काबिल होते भी कहां। सुबह तो लोग कंपनी गार्डन या सब्जी मंडी में मिलते हैं। अब तो मिलना भी व्याकरण का सवाल हो गया। जितने ऊंचे रहने के टावर, उतनी ही ऊंची मुलाकात। हैरानी यह कि लिफ्ट में लोग एक साथ चढ़ या उतर कर भी नहीं मिलते। सोशल मीडिया पर दोस्तों की संख्या के रिकार्ड, लेकिन दोस्ती की कोई मुलाकात नहीं। सडक़ पर घूमते फेसबुकिया फ्रेंड अब मुलाकात नहीं करते। मिलने और मुलाकात में भी अंतर आ गया। रोज कारपोरेट जगत में हजारों कर्मचारी मिलते जरूर, लेकिन मुलाकात नहीं करते। अब तो विवाह-शादियों में भी लोग मिलते, लेकिन मुलाकात नहीं करते। अब लोगबाग मिलने व मुलाकात के अंतर को समझने के लिए देश की विदेश नीति तक पहुंच गए हैं। पहले विदेश मंत्रालय अपने दूतावासों के जरिए मुलाकात करता था, इसलिए भारत से मिलकर दुनिया चलना चाहती थी। अब दुनिया चल-चल कर इतनी मिल ली कि मुलाकात का समय कम पड़ गया। कल एक कवि मिल गया, लेकिन उसने अपनी कविता से ऐसी मुलाकात करा दी कि साहित्य की उपयोगिता से मिलने तक का शक हो रहा है। उनका मानना था कि मिल-मिल के मोहब्बत होती है, जबकि मुलाकात तो दुश्मनों से भी हो सकती है। कवि के विचारों ने देश की कूटनीति को प्रभावित कर दिया। सोच यह रहा कि 'मिलें या मुलाकात करें।' मिलने के रिकार्ड हैं। कोई बड़ा नेता एक ही रैली या रोड शो में हजारों से मिल लेता है, लेकिन मुलाकात तो वह चुनावी घोषणापत्र से भी नहीं कर पाता। मिलने और मुलाकात में नक्षत्रों का भी फर्क होता है। अच्छे हों तो ट्रंप हमारे पड़ोसी पाकिस्तान से बिना मिले एतबार कर लेता और अब तो मिलने के बावजूद, मुलाकातें बुरी होने लगी हैं। जनता को दूर से सभी नेता, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री अच्छे लगे, लेकिन मुलाकात तो किसी पटवारी से भी महंगी पड़ती है। अब साहब ने कहा है कि शाम को मिलो, तो यकीनन यह मुलाकात नहीं होगी। वैसे कौनसा नागरिक आज तक सरकारी दफ्तर के साहबों से मिल पाया। नागरिक को कानूनन मिलता है इतना दस्तावेजी काम। सरकार की योजना से मिलने वाले लाभ का नाम ही नागरिक को काम देना है। कभी संभव हो तो अपना ही जीवित प्रमाणपत्र बनवा लेना। आप जिंदा हैं, इसे साबित करना मुश्किल है या आपके मां-बाप मर चुके हैं, इसे प्रमाणित करना अधिक कठिन है, यह मिलने और मुलाकात के बीच का अंतर है।

दृष्टि कोण

संयुक्त परिवारों का टूटना भाईचारे के लिए घातक

बीती शताब्दी के पांचवें-छठे दशक से पहले तक लोग संयुक्त परिवारों में रहना पसंद करते थे। परिवार में दो-तीन या इससे अधिक सगे भाई परिवार सहित एक ही छत के नीचे इकट्ठे रहते थे। मुखिया का आदेश सब के लिए सर्वोपरि था। सुख-दुख सबका साझा होता था। परिजनों का एक दूसरे के प्रति बहुत मान-सम्मान था। उस समय समाज में भी अटूट भाईचारा था। लोग परस्पर एक-दूसरे का सहयोग करते थे। इससे उनका अपना काम भी हो जाता था तथा दूसरे को भी सहयोग हो जाता था। उस समय यह कहावत प्रचलित थी कि 'टब्बर नी देखना कमान्दा तां कल्हा नी देखना खांदा।' अर्थात बड़ा परिवार एकजुट होकर किसी काम को हाथ डालता, तब मुश्किल काम भी आसान हो जाता। अकेला आदमी थोड़ी देर काम करेगा तथा फिर खाना बनाने में काफी समय व्यतीत हो जाता। कई बार बड़े परिवार के सदस्य जब काम में बहुत व्यस्त होते या खेती की बुआई का समय होता। घर के एक-दो सदस्य खाना बनाते तथा खेतों में ही भेज देते। ज्यादा लोगों के लिए बना खाना वैसे भी स्वदिष्ट तथा पौष्टिक होता। कड़ी मेहनत करने के बाद खाया गया खाना भी बहुत अच्छा लगता। उसमें तेल व मसालों की मात्रा कम रहती है। ऐसा खाना सुपाच्य व स्वास्थ्यवद्र्धक होता था। अकेला आदमी यदि खाना बनाते हुए कम तेल व मसाले आदि डालेगा, तब भी एक या दो लोगों के लिए ज्यादा होंगे। पहले बड़े परिवार के मुखिया को भग्यवान माना जाता था। उसके साथ दो-तीन पीढियों के परिजन इक_ रहते थे। इसलिए परिवार के सदस्यों की संख्या के अनुसार काम भी ज्यादा होता था। बड़े परिवार में पुरुषों व महिलाओं की संख्या में ज्यादा अंतर नहीं होता था। गांव में जब किसी अन्य परिवार के घर कोई कारज होता, उस समय हर परिवार में से एक

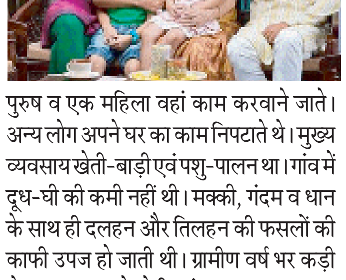

पुरुष व एक महिला वहां काम करवाने जाते। अन्य लोग अपने घर का काम निपटाते थे। मुख्य व्यवसाय खेती-बाड़ी एवं पशु-पालन था। गांव में दूध-घी की कमी नहीं थी। मक्की, गंदम व धान के साथ ही दलहन और तिलहन की फसलों की काफी उपज हो जाती थी। ग्रामीण वर्ष भर कड़ी मेहनत व लग्न से खेती एवं पशुपालन का काम करते थे। काम के साथ आराम के लिए भी समय निर्धारित था। परिवार के हर आयु वर्ग के सदस्य की दैनिक कार्यक्रम की एक निर्धारित समय सारिणी होती थी। महिलाओं के जिम्मे भोजन, साफ सफाई, पशु-पालन व खेती का छिटपुट कार्य था। पुरुष वर्ग के कंधों पर खेती-बाड़ी के अलावा वितीय प्रबंधन, परिजनों के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करना व ग्रामीणों के साथ भाईचारा बनाए रखना आदि कार्य होता था। बुजुर्ग महिलाएं रोजाना चरखा चलती थीं। बुनकर उसे खड्डी पर बुनते थे। करीब एक शताब्दी पहले तो पहनने के लिए पूरे परिवार के पास सूती कपड़े होते थे। जिन्हें चरखे पर काता जाता था। उस कपड़े का रंग सफेद ही होता था। महिलाएं उनको अपनी मनपसंद का रंग देती थी। रंग जल्दी-जल्दी ही फीका न पड़े इसलिए उसे बरतन में खूब काढ़ा जाता था। ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादातर कपड़ों की हाथ से ही सिलाई की जाती थी। दर्जी दूर शहर में ही होते थे। सिलाई भी बहुत महंगी होती थी। इसलिए महिलाएं सूई-धागे से ही सादे कपड़ों की सिलाई करती थी। परिवार के पुरुषों के पास सफेद रंग का कुर्ता व जंगिया होता था। पुरुष पाजामा तो किसी विशेष अवसर पर ही पहनते थे। सिर पर टोपी जरूर होती थी। युवक भी नंगे सिर नहीं रहते थे। कंधे पर सूती पटका भी जरूर होता था। बुजुर्ग पुरुष घर का हल्का-फुलका काम करते थे तथा 'बाण' बाटते थे। बाण, बिहुला पेड़ व शन पौधों के रेशे का बनता था। लंबे मोटे रस्से, पशुओं को बांधने वाले रस्सों के अलावा चारपाई को बुनने वाली पतली रस्सियां सब हाथ से बाटी जाती थी। किसी भी कार्य को अंजाम देने के लिए सारा परिवार एक मत होता था। मुखिया की बात कोई नहीं टालता था। प्रतिदिन सवेरे चार-पांच बजे से ही परिजनों की दिनचर्य शुरू हो जाती थी। ज्यादा आयु-वर्ग की महिलाएं रसोई में चौका देकर चूल्हे में आग जलाती तथा दहीं बिलोरने के काम में लग जाती। जबकि दूसरी महिला दाल-सब्जी बनाने में व्यस्त हो जाती थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता–पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन–साथी की ला–परवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जी–वनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 जून 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 01:37 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद रात्रि 12:23 तक
योग : प्रीति प्रातः 07:39 तक
करण : बव दोपहर 01:37 तक
चन्द्र राशि : कुंभ सायं 06:36 तक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राइजिंग राजस्थान समिट के एमओयू की प्रगति के साक्षी बनेंगे देश-विदेश के निवेशक : भजनलाल

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट की अहम भूमिका है। पिछले वर्ष हुए इस आयोजन ने निवेश के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ और राजस्थान प्रमुख निवेश केन्द्र के रूप में उभरा है। इसी कड़ी में जयपुर में 11 व 12 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव–2025 प्रदेश की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश साझेदारी को और मजबूत करेगी।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव–2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉन्क्लेव में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट–2024 के दौरान हुए एमओयू की क्रियान्विति से प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों के बारे में निवेशकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कान्क्लेव में सिटी टू सिटी, स्टेट टू स्टेट और इन्डस्ट्री टू इन्डस्ट्री के आधार पर राजस्थान एवं अन्य राज्यों तथा देशों के मध्य निवेश साझेदारी विकसित की जाए, जिससे प्रदेश के विकास को नए आयाम मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कॉन्क्लेव निवेश की नई संभावनाओं के अवसर तलाशने और उन पर कार्य करने की विशेष रणनीति के अन्तर्गत मील का पत्थर साबित होगी। इस दौरान निवेश योग्य परियोजनाओं की रूपरेखा पर प्रभावी रूप से कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव का प्रमुख लक्ष्य राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हस्ताक्षरित हुए एमओयू की प्रगति का विवरण पेश करने के साथ ही, वर्ष 2026 के प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट को लेकर हमारे विजन को प्रस्तुत करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कॉन्क्लेव की तैयारी के संबंध में समयबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के मध्य पारस्परिक समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से वरिष्ठ अधिकारी की समन्वयक के रूप में नियुक्ति की जाए। साथ ही, उन्होंने राइजिंग राजस्थान समिट के अन्तर्गत हस्ताक्षरित एमओयू की नवंबर, 2025 तक प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग के कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट विभागवार तैयार करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव से पूर्व राज्य सरकार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रनअप कार्यक्रमों के साथ ही, थीमेटिक विभागीय कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी।

सीएम भजनलाल ने लिखा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को पत्र

तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का किया आग्रह

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान को बड़ी राहत मिल सकती है । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को एक अहम पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चिनाब नदी बेसिन से जुड़ी तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया है।

इन प्रस्तावों से चिनाब जैसी हिमालय से निकलने वाली नदियों का अतिरिक्त पानी अब ब्यास, रावी और उझ जैसी पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में लाया जा सकेगा। इससे उत्तर भारत के कई राज्यों के साथ–साथ राजस्थान को भी बड़ा फायदा होगा।

मुख्यमंत्री ने लिखा– राजस्थान को करीब 1.0 एमएएफ (मिलियन एकड़ फीट) पीने के पानी के लिए, 1.0 एमएएफ सिंचाई के लिए और 0.2 एमएएफ औद्योगिक जरूरतों के लिए पानी की जरूरत है। साथ ही, राजस्थान के पास पहले से मौजूद प्राकृतिक झीलों और जलाशयों में 1.0 एमएएफ पानी जमा करने की भी क्षमता है।

इन तीन मुख्य योजनाओं से राजस्थान को यह फायदा होगा। ब्यास और सतलुज नदी में अतिरिक्त पानी पहुंचेगा, जिससे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली के साथ–साथ राजस्थान को भी फायदा मिलेगा।इंदिरा गांधी नहर को और ज्यादा पानी मिल सकेगा, जिससे पश्चिमी राजस्थान की बड़ी आबादी को सिंचाई और पीने के लिए राहत मिलेगी।औद्योगिक क्षेत्रों को जल आपूर्ति आसान होगी, जिससे नए निवेश और रोजगार के रास्ते खुलेंगे।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इन योजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया और कहा कि यह कदम राजस्थान के भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा

रिश्वतखोरी के आरोप में सफाई निरीक्षक को एसीबी ने रंगे हाथ पकड़ा

बारां, 17 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को बारां जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर पालिका छबड़ा के सहायक कर्मचारी व सफाई निरीक्षक युसुफ खान को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने परिवादी से उसके पानी के केम्परों के बिल पास कराने एवं धरोहर राशि लौटाने के एवज में कुल 9400 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी ने 7 मई 2025 को एसीबी चौकी बारां में शिकायत दी थी कि आरोपी 9400 रुपये की रिश्वत मांग रहा है। इस पर एसीबी ने सत्यापन कराया, जिसमें आरोपी ने 3000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ में आ गया। शेष 6400 रुपये की रिश्वत लेने के लिए आरोपी ने ट्रैप कार्रवाई के दौरान सावधानी बरती और यह राशि 'फोन पे' के माध्यम से अपने बेटे के खाते में डलवाने की बात कही। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ और उसके आवास की तलाशी की जा रही है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश : राजस्थान के चार मृतकों की अब भी नहीं हुई पहचान

उदयपुर में हुआ तीन का अंतिम संस्कार

उदयपुर/बांसवाड़ा/बीकानेर/कोटा, 17 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे में जान गंवाने वाले राजस्थान के 14 लोगों में से अब तक सात का अंतिम संस्कार हो चुका है। इनमें उदयपुर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के बेटे शुभ और बेटी शगुन का सोमवार शाम उदयपुर में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान शहरवासियों ने 100 फीट रोड पर श्रद्धांजलि दी। दोनों भाई–बहन की याद में परिजनों और समाजजनों ने पौधे भी वितरित किए।

इसी हादसे में मारे गए रोहिड़ा गांव (उदयपुर) के रहने वाले प्रकाश मेनारिया का शव मंगलवार सुबह गांव लाया गया, जहां अंतिम संस्कार की रस्में निभाई गईं। प्रकाश लंदन में शेफ के तौर पर काम करते थे। सोमवार रात को ही शव परिजनों को सौंपा गया था, जिसके बाद मंगलवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बेटा लोकेश समेत परिवार के अन्य सदस्य गांव पहुंचे।

सोमवार को उदयपुर में आयोजित शोकसभा में कलेक्टर नमित मेहता, यूडीए कमिश्नर राहुल जैन, शहर विधायक ताराचंद जैन, पाली व अन्य स्थानों से आए समाज के लोग, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा समाजसेवी भी मौजूद रहे। इस मौके पर शहरवासियों ने संजीव मोदी के बेटे–बेटी की याद में पौधे वितरित किए।

हादसे के चार दिन बाद भी राजस्थान के चार मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। इनमें उदयपुर की पायल खटीक का शव अब तक परिजनों को नहीं मिल सका है। बांसवाड़ा के डॉक्टर दंपती की भी शिनाख्त नहीं हो सकी है, हालांकि उनके तीन बच्चों का अंतिम संस्कार हो चुका है। बीकानेर के अभिनव परिहार का शव भी नहीं मिल पाया है। परिजन पिछले चार दिनों से अहमदाबाद में शव मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार अभिनव अपनी पत्नी शिवानी और बेटे विहान को लंदन से वापस लाने जा रहे थे, तभी विमान हादसे का शिकार हो गए। परिवार ने निर्णय लिया है कि अभिनव का अंतिम संस्कार अहमदाबाद में ही किया जाएगा।

जिम से निकलते ही रियल स्टेट व्यापारी को मारी गोली

श्रीगंगानगर, 17 जून (एजेंसियां)। शहर में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक जिम से निकल रहे रियल स्टेट व्यापारी आशीष गुप्ता पर दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में व्यापारी के पैर में गोली लगी है। उन्हें तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना जस्सा सिंह मार्ग पर सुबह करीब सवा 10 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, आशीष गुप्ता रोज की तरह जिम में एक्सरसाइज करने गए थे। जिम से बाहर निकलते ही बाइक पर सवार दो युवक पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई इस वारदात से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जान बचाने के लिए व्यापारी भागकर जिम के चैनल गेट के अंदर घुस गए। बदमाश उन्हें अंदर जाते देख मौके से फरार हो गए। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों ने एक के बाद एक कई गोलियां चलाईं, जिनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी पृथ्वीपाल सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ खाली कारतूस भी बरामद किए हैं।

अपराधियों पर हाई ऑक्टेन अभियान चलाने के निर्देश

कानून–व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति और आबकारी नीलामी की प्रगति की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान अपराधियों के खिलाफ 'हाई ऑक्टेन अभियान' चलाने और हरियाणा में पुलिस की प्रभावी व उत्तरदायी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है

कुरुक्षेत्र में एक आबकारी लाइसेंसधारी की हत्या की रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों को धमकी या फिरौती संबंधी कॉल मिल रही हैं, उन्हें त्वरित सुरक्षा प्रदान की जाए। इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर जारी कर उसे इमरजेंसी सेवा '112' से लिंक करने के निर्देश दिए गए।मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आबकारी नीलामी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने और राज्य को मिलने वाले राजस्व को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आबकारी नीलामी में, अब तक विभाग 934 आबकारी जोन की नीलामी के साथ अधिकांश आबकारी जोन की नीलामी करने में सक्षम रहा है और पिछले वर्ष के 5037 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 11,054 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। नीलामी के दौरान अब तक अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस बल को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि धरातल पर पुलिस की उपस्थिति ऐसी होनी चाहिए जिससे जनता सुरक्षित महसूस करे और गलत काम करने वालों व असामाजिक तत्वों के बीच कानून का डर पैदा हो, जिससे नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गंभीर मामलों की नियमित और सख्त निगरानी उच्चतम स्तर पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्टेट टास्क फोर्स (एसटीएफ) को और अधिक मैनपावर और संसाधन प्रदान करने के निर्देश दिए ताकि लंबित मामलों का शीघ्र समाधान हो सके और कोई भी गैंगस्टर या अपराधी कानून से बच न सके।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक कायाकल्प हुआ : अश्विनी वैष्णव

मनेसर (हरियाणा), 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दशकों तक रेलवे उपेक्षा का शिकार रहा, जहां मात्र 25–30 हजार करोड़ का वार्षिक निवेश होता था। लेकिन अब यह निवेश बढ़कर 2.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास को रफ्तार दे रहा है।

श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे में वर्षों से जमा हुई लेगेसी समस्याएं अब एक–एक कर समाप्त हो रही हैं। स्टेशन, ट्रेन, शौचालय, ट्रैक, सफाई, तकनीक–हर क्षेत्र में व्यापक सुधार किया गया है। यात्रियों को नई सुविधाएं दी जा रही हैं और इंडस्ट्री के साथ मिलकर एकीकृत विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

श्री वैष्णव ने हरियाणा के मानेसर में मारुति प्लांट में रेलवे साइडिंग सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां गिनायी।

100 नई मेन लाइन ईएमयू गाड़ियां

पैसेंजर गाड़ियों को अपग्रेड करने के लिए अब 16 और 20 कोच की मेन लाइन ईएमयू गाड़ियां बनाई जाएंगी। अब तक 8 या 12 कोच की ईएमयू बनती थीं। यह परियोजना तेलंगाना के काजीपेट में शुरू हो रही एक नई फैक्ट्री में क्रियान्वित की जाएगी। इससे शॉर्ट डिस्टेंस ट्रैवल को बड़ी राहत मिलेगी।

50 नई 'नमो भारत' एसी पैसेंजर गाड़ियां

नमो भारत गाड़ियों को यात्रियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अब 50 नई एसीपैसेंजर ट्रेनें जोड़ी जाएंगी। इससे पहले अहमदाबाद–भुज और पटना–जयनगर के बीच दो गाड़ियां शुरू की गई थीं। कुल मिलाकर 150 नई पैसेंजर गाड़ियां सेवा में आएंगी।

1200 से अधिक नए जनरल को

बीते वर्ष में रेलवे ने यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए 1200 से अधिक जनरल कोच जोड़े हैं। यह अभियान पिछले 2.5 वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना

अब तक 1300 अमृत भारत स्टेशन का काम स्वीकृत किया गया है। इनमें से 103 स्टेशन हाल ही में बनकर तैयार हुए हैं और प्रधानमंत्री ने बीकानेर से इसका लोकार्पण किया। दिसंबर 2025 तक 100 और स्टेशन तथा वर्ष 2026 तक 500 और स्टेशन पूरे किए जाएंगे।

टिकटिंग प्रणाली में सुधार

तत्काल टिकट बुकिंग में बॉट्स के दुरुपयोग को रोकने के लिए 1 जुलाई से केवल केवाईसी सत्यापित यात्रियों को ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा मिलेगी। विंडो बुकिंग पर भी आईडी अनिवार्य होगी।

चार्ट पब्लिशिंग में नवाचार

बीकानेर डिवीजन ने एक अभिनव पहल के तहत चार्ट को 24 घंटे पहले प्रकाशित करना शुरू किया है (पहले 4 घंटे पूर्व होता था)। इससे यात्रियों में अनिश्चितता कम हुई है और उन्हें बेहतर योजना बनाने में सुविधा हो रही है।

वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों का विस्तार

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या जल्द ही 6 और बढ़ेगी। 50 और ट्रेनों का निर्माण जारी है। वंदे भारत ट्रेनों को भी लगातार नए रूट्स पर बढ़ाया जा रहा है।

फ्रेट कॉरिडोर और मालवाहक सेवाएं

भारत अब विश्व में माल ढुलाई और यात्री परिवहन–दोनों में दूसरे स्थान पर है। पिछले साल 720 करोड़ यात्रियों ने रेलवे से सफर किया और 1617 मिलियन टन माल ढोया गया। फ्रेट कॉरिडोर अब पूरी तरह क्रियाशील है और प्रतिदिन लगभग 400 मालगाड़ियां इस पर चल रही हैं।

हरियाणा में रेलवे का बुनियादी कायाकल्प

श्री वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा को मात्र 315 करोड़ का आवंटन मिलता था, जो अब बढ़कर 3416 करोड़ हो गया है। हरियाणा में:

–823 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गईं–यह यूएई की कुल रेल नेटवर्क से अधिक है।
–100% रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण
–34 स्टेशन: अमृत भारत योजना के तहत पुनर्विकसित किए जा रहे हैं।
–540 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए जा चुके हैं।
–सोनीपत के रेलवे कारखाने का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।
–11,800 करोड़ रुपए का निवेश रेलवे की ओर से हरियाणा में किया जा रहा है।

गति शक्ति मल्टी–मॉडल टर्मिनल्स

प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप मल्टी–मॉडल लॉजिस्टिक्स को सशक्त करने के लिए 2021 में रेलवे ने बड़े रिफॉर्म्स किए, जिसके परिणामस्वरूप 108 मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल्स अल्प समय में बनकर तैयार हो गए हैं। हरियाणा में स्थित टर्मिनल, जहां यह घोषणा की गई, वह 45 एकड़ में फैला है और इसकी माल वहन क्षमता 4.5 लाख कारों तक की है।श्री वैष्णव ने अंत में कहा, भारतीय रेलवे की परिवर्तन यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में, नए युग की रेलवे बना रही है–तेज, स्वच्छ, आधुनिक और जन–हितैषी। आने वाले वर्षों में हम इसे और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आजमगढ़ के मुस्लिम बहुल गांव में 40 दलित परिवार संकट में

जय श्रीराम बोलने पर कट्टरपंथी मुस्लिमों ने मचाया तांडव

आजमगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के छोटा पुरा के मुस्लिम बहुल इलाके में लगभग 40 हिंदू दलित परिवारों ने अपने घरों पर घर बिकाऊ है के पोस्टर लगा दिए हैं। इनलोगों ने मुस्लिम समुदाय द्वारा लगातार उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और रेप की धमकी देने का आरोप लगाया है। यूपी के आजमगढ़ के मुस्लिम बहुल छोटा पुरा में करीब 40 दलित परिवारों ने अपने मकानों पर घर बिकाऊ है के बोर्ड लगा दिए हैं। इन लोगों ने खुद को असुरक्षित बताया है। बार-बार हो रहे उत्पीड़न, रेप की धमकी से ये लोग परेशान हैं और पुलिस पर उदासीनता का आरोप लगा रहे हैं। 3 जून को स्थानीय मुस्लिम युवकों ने एक शादी समारोह के दौरान महिलाओं को परेशान किया था। इस दौरान मुस्लिम और दलित समुदाय के बीच मारपीट हुई है। इससे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

दरअसल 3 जून 2025 को बम्हौर गांव के युवक राकेश कन्नौजिया की शादी थी। इस मौके पर दलित समुदाय की महिलाएं और लड़कियां पारंपरिक विवाह-पूर्व की रस्में निभा रही थीं। उत्सव का माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब मुस्लिम समुदाय के कई युवक वहां पहुंच गए और महिलाओं की सहमति के बिना उनका वीडियो बनाने लगे। इस पर आपत्ति जताने पर मुस्लिम युवकों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए महिलाओं से छेड़छाड़ किया। घबराकर महिलाओं ने मदद के लिए शोर मचाया, जिससे पुरुष रिश्तेदारों को बीच-बचाव करना पड़ा। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई, जिसमें करीब 20 लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

गांव के राकेश कन्नौजिया, बृजेश गोंड और रामअवध समेत कई दलित परिवारों का आरोप है कि मुस्लिम समुदाय के लोग घूम-घूमकर धमकी दे रहे हैं। उन्होंने दावा है कि 3 जून की झड़प कोई अकेली घटना नहीं थी, बल्कि उत्पीड़न का सिलसिला बहुत दिनों से जारी है। दलित परिवारों का आरोप है कि महीनों से उन्हें भक्ति गीत बजाने, शादियों में डीजे बजाने या सांस्कृतिक उत्सवों में भाग लेने पर दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि जय श्रीराम के नारे लगाने और त्योहार मनाने में भी इन्हें दिक्कतों ता सामना करना पड़ता है।

दलित परिवारों का कहना है कि महिलाएं और लड़कियां घर से बाहर नहीं निकल पाती हैं। उनके साथ छेड़छाड़ की जाती है और धमकियां दी जाती है। उन्होने चेतावनी दी है कि अगर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई तो वे लोग पलायन कर जाएंगे। एक दलित व्यक्ति ने कहा, हमारी बेटियां और पत्नियां घर से बाहर नहीं निकल पाती हैं। त्यौहार खुशियों के बजाय तनावपूर्ण हो गए हैं। और जब हम शिकायत करते हैं, तो कुछ नहीं होता। एक अन्य दलित व्यक्ति ने कहा, हम कई बार पुलिस के पास गए। हमने बेहतर सुरक्षा और सख्त कार्रवाई का अनुरोध किया, लेकिन कुछ नहीं बदला। इसलिए हमने अपने घर बेचने का फैसला किया है। कम से कम हम कहीं और शांति से रह सकते हैं।

आजमगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) मधुबन कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस ऐसे परिवारों से सम्पर्क कर उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दे रही है। उन्होंने कहा, हमने ऐसी रिपोर्ट देखी है कि कुछ परिवार पलायन करने की योजना बना रहे हैं। हम उनसे सम्पर्क कर रहे हैं और उन्हें सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दे रहे हैं। मुबारकपुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी निहान नंदन ने भी कहा कि शांति बहाल करने के लिए 3 जून की घटना के बाद इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है। हालांकि पुलिस के आश्वासन के बावजूद अधिकांश परिवार आश्वस्त नहीं दिखते। दलित परिवारों का कहना है कि पहले यह सुरक्षा कहां थी? प्रशासन को जागने के लिए सुर्खियों और विरोध प्रदर्शनों की क्या जरूरत है?

75 जिलों में मूंग और 15 जिलों में मूंगफली खरीद शुरू

02 सितंबर तक खरीदी जाएगी मूंग, 29 अगस्त तक मूंगफली

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए जायद सीजन में मूंग और मूंगफली की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू कर दी गई है। यह खरीद सभी 75 जिलों में मूंग और 15 जिलों में मूंगफली के लिए की जा रही है, जिससे प्रदेश के लाखों किसानों को मुनाफा होगा। योगी सरकार मूंग की खरीद 02 सितंबर तक और मूंगफली की खरीद 29 अगस्त तक करेगी। खरीद मूल्य के रूप में मूंग के लिए 8,682 रुपए प्रति क्विंटल और मूंगफली के लिए 6,783 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है।

सरकार ने 34,720 मीट्रिक टन मूंग और 50,750 मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत किसानों को क्रय केंद्रों पर अपनी उपज लाकर समर्थन मूल्य का लाभ मिलेगा। नैफेड और एनसी-सीएफ को खरीद की जिम्मेदारी दी गई है। जो राज्य एजेंसियां यूपीपीसीयू, यूपीपीसीएफ, जैफेड, यूपीएसएस द्वारा खरीद करेंगी। नैफेड 24,304 मीट्रिक टन मूंग और 35,525 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदेगा। वहीं एनसी-सीएफ 10,416 मीट्रिक टन मूंग और 15,225 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदेगा।

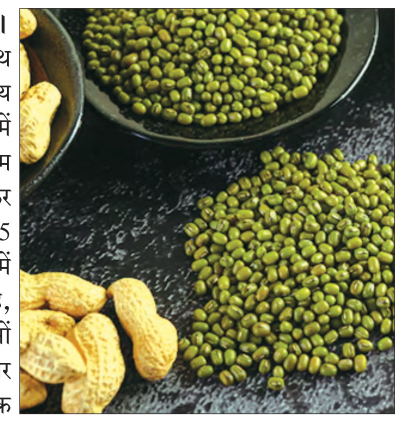

योगी सरकार ने मूंग और मूंगफली की खरीद के लिए जिलावार क्रय केंद्रों का निर्धारण कर नैफेड और एनसीसीएफ को जिम्मेदारी सौंपी है। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्पष्ट दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं। नैफेड उत्तर प्रदेश के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। यह अभियान किसानों को प्रोत्साहित करेगा और उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाएगा। जिन जिलों में नैफेड मूंग खरीदेगा उनमें मथुरा, अलीगढ़, जालौन, आगरा, औरैया, ललितपुर, हाथरस, मैनपुरी, एटा, कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर, झांसी, बांदा, उन्नाव, गाजीपुर, अयोध्या, महोबा, हरदोई, अमेठी, आजमगढ़, सम्भल, मऊ, जौनपुर, चित्रकूट, वाराणसी, बहराइच, संत रविदास नगर, पीलीभीत, मीरजापुर, बागपत, लखीमपुर खीरी, सोनभद्र, अम्बेडकर नगर, रामपुर, कुशीनगर, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, महाराजगंज, गोंडा, देवरिया, गोरखपुर, श्रावस्ती, बस्ती, सिद्धार्थनगर, शामली, मेरठ, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, संत कबीर नगर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बलरामपुर, सहारनपुर और बिजनौर शामिल हैं। नैफेड जिन जिलों में मूंगफली खरीदेगा उनमें मैनपुरी, हरदोई और इटावा शामिल हैं। इसके अलावा, कानपुर देहात, इटावा, फतेहपुर, प्रयागराज, फिरोजाबाद, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, हमीरपुर, कन्नौज, बुलंदशहर, कासगंज, शाहजहांपुर, चंदौली, सुल्तानपुर, बदायूं, रायबरेली, बलिया, हापुड़ और फर्रुखाबाद जिलों में एनसी-सीएफ मूंग और फर्रुखाबाद, कन्नौज, अलीगढ़, कासगंज, औरैया, कानपुर देहात, बदायूं, एटा, उन्नाव, लखनऊ, कानपुर नगर और श्रावस्ती जिले में मूंगफली खरीदेगा।

एक्सप्रेस-वे की कनेक्टिविटी से दक्षिणांचल का होगा कायाकल्प

गोरखपुर, 17 जून (एजेंसियां)। जनपद के जिस दक्षिणांचल को सबसे पिछड़ा क्षेत्र मान लिया गया था, अब वह आगामी सालों में विकास और नई औद्योगिक पहचान की आभा से चहक उठेगा। दक्षिणांचल के कायाकल्प का आधार बनेगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों 20 जून को लोकार्पित होने जा रहा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे। लिंक एक्सप्रेस-वे की शानदार रोड कनेक्टिविटी के चलते योगी सरकार दक्षिणांचल के धुरियापार में नए इंडस्ट्रियल टाउनशिप की परिकल्पना को साकार कर रही है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और देश की नामी कंपनियों को यहां उद्योग के लिए जमीन भी पसंद आने लगी है। अडानी सहित कई औद्योगिक घराने यहां निवेश के लिए तैयार हैं।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे गोरखपुर को केंद्रित कर पूर्वी यूपी की औद्योगिक प्रगति की इबारत लिखने के लिए सुनहरा पन्ना बन रहा है। खासकर गोरखपुर के दक्षिणी हिस्से के लिए। गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित है धुरियापार क्षेत्र। इस इलाके की जो जमीन ऊसर थी, जिसपर कोई फसल मुश्किल से उगती थी, वहां योगी सरकार उद्योगों की फसल लगवाने को तत्पर है। इसके लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) द्वारा 5500 एकड़ में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को मूर्त रूप दिया जा रहा है। करीब डेढ़ दर्जन गांवों की अनुपजाऊ जमीनों के अधिग्रहण के सिलसिले में अब तक 600 एकड़ जमीन गीडा द्वारा अधिग्रहित की जा चुकी है। यह इंडस्ट्रियल टाउनशिप पूर्वांचल के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल लैंड बैंक वाली होगी। योगी सरकार की मंशा यहां बड़े उद्योगों का संजाल विकसित करने के साथ इसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर के रूप में विकसित कर करने की है। इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे बैक बोन का काम करेगा।

ऊसर धरती पर उद्योगों के जरिये रोजगार की भरपूर छांव मिले, योगी सरकार इसी फॉर्मूले के तहत ग्रेटर गीडा के रूप में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप का विकास कर रही है। मूर्त रूप में आने के बाद यह इंडस्ट्रियल टाउनशिप धुरियापार समेत समूचे गोरखपुर दक्षिणांचल के लिए गेम चेंजर साबित होगी। धुरियापार की पहचान अति पिछड़े क्षेत्र के रूप में रही लेकिन आने वाले दिनों में इसकी ख्याति गोरखपुर के नए औद्योगिक क्षेत्र के गेटवे के रूप में होगी। बीते आठ सालों में देश-दुनिया के कई निवेशकों का रुझान गोरखपुर की तरफ देखते हुए सरकार धुरियापार क्षेत्र को ग्रेटर गीडा बनाने की तैयारी कर रही है। औद्योगिक विकास के साथ ही यहां रोजगार की बहार भी बहेगी।

गोरखपुर के दक्षिणांचल के औद्योगिक विकास को लेकर योगी सरकार काफी संजीदा है। धुरियापार में बनने के बाद से ही बंद पड़ी चीनी मिल के कुछ हिस्से में इंडियन ऑयल की तरफ से कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट लगाया जा चुका है। इस प्लांट के बाद धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप के मूर्त रूप में आने के बाद इस क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा। इंडस्ट्रियल टाउनशिप में लगने वाले उद्योगों से करीब 10,000 से अधिक लोगों को रोजगार सुलभ होगा। धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए निवेश प्रस्ताव आने शुरू भी हो गए हैं। अडानी समूह ने एसीसी ब्रांड के सीमेंट प्लांट के लिए जमीन की मांग की है। श्री सीमेंट और केयान डिस्टिलरी ने भी नया प्लांट लगाने के लिए जमीन की मांग की है। इसके अलावा कई अन्य औद्योगिक समूह यहां निवेश में रुचि दिखाई है।

यूपी में 13 रुपए प्रति यूनिट हो सकती है बिजली

40 से 45 फीसदी बढ़ोतरी का दिया गया प्रस्ताव

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। यूपी में बिजली उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगने वाला है। पावर कारपोरेशन ने संशोधन का जो प्रस्ताव भेजा है उसमें बिजली महंगी होने जा रही है। पावर कारपोरेशन की ओर से विद्युत नियामक आयोग में दाखिल बिजली दरों में 40-45 फीसदी बढ़ोतरी का संशोधित प्रस्ताव स्वीकार होता है तो उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगेगा। संशोधित प्रस्ताव के आधार पर ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अधिकतम फिक्स चार्ज 8 और शहरी के लिए 9 रुपए प्रति प्रति यूनिट हो जाएगा। उन्हें अधिकतम फिक्स चार्ज के साथ प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज, विद्युत कर और दूसरे शुल्क जोड़कर प्रति यूनिट 12 से 13 रुपए चुकाने होंगे।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया है कि पावर कारपोरेशन ने फिक्स चार्ज में बड़ा खेल किया है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को पावर कारपोरेशन की ओर से दिए प्रस्ताव के विरोध में सोमवार को नियामक आयोग में लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल किया। नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय सिंह से मुलाकात कर प्रस्ताव को असांविधानिक करार देते हुए खारिज करने की मांग की।

वर्मा ने बताया कि भाजपा के संकल्प पत्र में गरीबों को 100 यूनिट तक तीन रुपए प्रति यूनिट देने की बात कही गई है। उसे भी चार रुपए प्रति यूनिट कर दिया है। पहले बिजली दरों के चार स्लैब थे, जिन्हें तीन कर दिया गया है। कुछ स्लैब में बिजली दरों में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है। इसे लौटाने पर कोई बात नहीं हो रही है। वर्मा ने बताया कि नए प्रस्ताव में फिक्स चार्ज भी बढ़ाया गया है। शहरी फिक्स चार्ज को 110 रुपए से बढ़ाकर 190 रुपए प्रति किलोवाट करने का प्रस्ताव दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में फिक्स चार्ज 90 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोवाट प्रस्तावित किया है।

बिजली के निजीकरण की चर्चा के बीच ही यूपी सरकार बिजली की दरें बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पावर कारपोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। प्रदेश में ग्रामीण उपभोक्ताओं की बिजली दर 45 फीसदी और शहरी उपभोक्ताओं की 40 फीसदी बढ़ाने की तैयारी है। इसके लिए पावर कार्पोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। जबकि सात जुलाई से बिजली दर निर्धारण के लिए सुनवाई की तिथि तय है। ऐसे में विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रस्ताव को असंवैधानिक बताया है। साथ ही नियामक आयोग से इस प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की है।

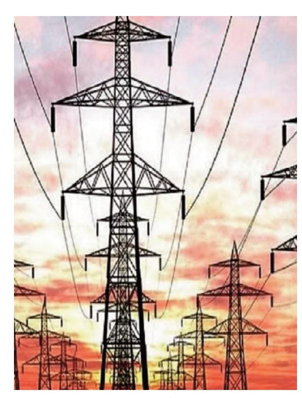

पावर कारपोरेशन ने बिजली कंपनियों की ओर से मई माह के पहले सप्ताह में वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) दाखिल किया। 19 मई को बिजली कंपनियों का घाटा 9200 से बढ़ाकर 19600 करोड़ दिखाते हुए 30 फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया। अब एक बार फिर शुक्रवार को गुपचुप तरीके से पावर कारपोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल किया है।

प्रस्ताव में श्रेणीवार दरें बढ़ाने की मांग की गई है, जिसमें ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में 40 से 45 फीसदी वृद्धि और घरेलू शहरी उपभोक्ताओं की दरों में 35 से 40 फीसदी वृद्धि प्रस्तावित की गई है। इसी तरह अन्य श्रेणी में भी बिजली दरों में वृद्धि की प्रस्ताव दिया गया है। पावर कारपोरेशन के प्रस्ताव को नियामक आयोग ने स्वीकार किया तो उपभोक्ताओं की जेब कटनी तय है।

पावर कारपोरेशन ने नए उपभोक्ताओं की कनेक्शन की दरों के लिए कॉस्ट डाटा बुक को भी नियामक आयोग में दाखिल किया है। ऐसे में नया कनेक्शन लेना भी महंगा हो गया है। नए कनेक्शन की दर में करीब 25 से 30 फीसदी की बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है। इसी तरह नए कनेक्शन लेने पर विभिन्न तरह की सामग्री पर भी अतिरिक्त चार्ज लगाया गया है। अभी तक नया कनेक्शन लेने पर पोल से 40 मीटर के दायरे में औसतन 10 हजार रुपया तक खर्च होता है। पावर कारप-रेशन ने नियामक आयोग में गुप-चुप तरीके से निजीकरण के मसौदे पर सलाह लेने संबंधी प्रस्ताव भी पांच कॉपी में दाखिल कर दिया गया है। वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्ताव संग्रह क्षमता का आंकड़ा देते हुए घाटा करीब 19644 करोड़ दिखाया है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि कार्पोरेशन वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) दाखिल कर चुका है। इसके सभी आंकड़े समाचार पत्रों में प्रकाशित हो गए हैं। उपभोक्ताओं से आपत्तियां भी मांग ली गई है। सात जुलाई से बिजली दर की सुनवाई शुरू हो रही है। इस बीच अचानक श्रेणीवार बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव स्वीकार करना असंवैधानिक है। नियामक आयोग द्वारा बिजली दर की सुनवाई शुरू करने के बीच कोई भी नया प्रस्ताव नहीं दाखिल किया जा सकता है। नियामक आयोग को यह प्रस्ताव खारिज करना चाहिए। क्योंकि करीब पांच साल पहले भी इस तरह का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे विद्युत उपभोक्ता परिषद के विरोध के बाद विद्युत नियामक अयोग ने खारिज कर दिया था।

प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर करीब 33122 करोड़ रुपया (सरप्लस) निकलने का मामला लगातार उठाया जा रहा है। इसे लेकर नियामक आयोग में याचिका भी लगाई गई है। विद्युत उपभोक्ता परिषद की मांग है कि नोएडा पावर कंपनी की तरह ही उपभोक्ताओं के बकाया को बिजली दर में कमी करके लौटाया जा सकता है।

इस बीच पावर कारपोरेशन ने नियामक आयोग में संशोधित प्रस्ताव दाखिल करके बिजली दरें बढ़ाने की मांग कर ली है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षा का होगा मुकम्मल इंतजाम

20 जून को मुख्यमंत्री योगी करेंगे लोकार्पण

गोरखपुर, 17 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में प्रमुखता से शुमार गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे सिर्फ रफ्तार के साथ आवागमन सुगमता का ही माध्यम नहीं बनेगा बल्कि इस एक्सप्रेस-वे पर सड़क व यात्री सुरक्षा का भी मुकम्मल इंतजाम रहेगा। यात्री सुरक्षा के लिहाज से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण के दिन 20 जून को मुख्यमंत्री सुरक्षा फ्लीट को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जबकि आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा के लिए यहां लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर एटीएमएस (एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) भी लागू किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा बनवाए गए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर यात्री सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री जिस सुरक्षा फ्लीट का शुभारंभ

करेंगे उसमें 5 इनोवा, 5 कैम्पर, 4 एम्बुलेंस, 2 क्रेन और 1 हाइड्रा वाहन शामिल हैं। यूपीडा के नोडल सिक्योरिटी ऑफिसर राजेश पांडेय बताते हैं कि यूपीडा के इनोवा वाहन की पैट्रोलिंग 8-8 घंटे के शिफ्ट में लगातार होती रहेगी। हर वाहन में चार सेवानिवृत्त सैनिकों की ड्यूटी रहेगी। कैम्पर वाहन पीछे से खुले रहते हैं और इसमें ट्रैफिक कोन, रस्सी, रेडियम स्ट्रिप आदि की उपलब्धता रहती है। किसी स्थान पर किसी वाहन के खराब होने पर या दुर्घटना होने पर ये वाहन तुरंत जाकर ट्रैफिक कोन, रस्सी और रेडियम स्ट्रिप से कवर कर देंगे ताकि अन्य वाहनों को कोई दिक्कत न हो।

इसके अलावा 91 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे पर हर 45 किमी पर मार्ग के दोनों तरफ एक-एक एम्बुलेंस की तैनाती रहेगी ताकि आकस्मिक चिकित्सकीय जरूरत यात्रियों को तत्परता से अस्पताल भेजा जा सके। किसी वाहन में अचानक खराबी आने पर उसे सड़क से हटाने के लिए हर 45 किमी पर क्रेन और पूरे एक्सप्रेस-वे के लिए 1 हाइड्रा वाहन को तैनात किया जाएगा। यात्री और मध्यम मालवाहक वाहनों को क्रेन से और बड़े मालवाहक वाहनों को सड़क से नजदीक के चैनेज से उतार दिया जाएगा क्योंकि नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के दिशानिर्देश के मुताबिक एक्सप्रेस-वे पर खराब वाहनों को खड़ा नहीं किया जा सकता।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर आने वाले समय में एटीएमएस भी लागू करने की तैयारी है। इस सिस्टम के तहत एक्सप्रेस-वे पर हर पांच किमी पर सीसी कैमरे लगाए जाते हैं। इसकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाती है। इसके अलावा एटीएमएस में रफ्तार सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर नजर रखने के स्पीड कैमरे और एनपीआर (नम्बर प्लेट रीडर) की व्यवस्था भी होती है। एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों की तत्काल जानकारी संबंधित जिले के एआरटीओ के पास चली जाती है।

हिंदुस्तान जिंक बोर्ड ने 12,000 करोड़ के निवेश के साथ क्षमता दोगुनी करने के पहले चरण को दी मंजूरी

उदयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना करने की महत्वाकांक्षी योजना के पहले चरण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कंपनी करीब 12,000 करोड़ का निवेश करेगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है, जिसके तहत अगले 5 से 10 वर्षों में भारत में जिंक की बढ़ती मांग को देखते हुए उत्पादन क्षमता बढ़ाई जाएगी।

कंपनी अपनी परिष्कृत धातु उत्पादन क्षमता को 250 केटीपीए (किलोटन प्रति वर्ष) तक बढ़ाएगी। इसके साथ ही विभिन्न स्थलों पर खनन और मिलिंग क्षमताओं में भी आनुपातिक वृद्धि की जाएगी। यह विस्तार अंतरराष्ट्रीय जिंक एसोसिएशन के उन अनुमानों के आधार पर किया जा रहा है जिसमें कहा गया है कि भारत में आधारभूत संरचना और इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में भारी निवेश होने जा रहा है, जिससे जिंक की मांग तेज़ी से बढ़ेगी।

हिंदुस्तान जिंक की रणनीतिक योजना के तहत अगले पांच वर्षों में धातु और चांदी दोनों का उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे परिष्कृत धातु क्षमता 2,000 केटीपीए से अधिक तथा चांदी का वार्षिक उत्पादन 1,500 टन तक पहुंचने की संभावना है।

इसके तहत उदयपुर जिले के देबारी में 250 केटीपीए क्षमता का एक नया एकीकृत स्मेल्टर स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना कंपनी की अन्य खदानों और मिलों के विस्तार के साथ पूरी होगी। फिलहाल हिंदुस्तान जिंक का कुल धातु उत्पादन 1.1 मिलियन टन है। अनुमान है कि 12,000 करोड़ की लागत वाली यह परियोजना अगले 36 महीनों में पूरी कर ली जाएगी।

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने इस अवसर पर कहा, हम इस परिवर्तनकारी 2द विकास परियोजना का अनावरण करते हुए बेहद उत्साहित हैं, जो जिंक, सीसा और चांदी के हमारे उत्पादन को दोगुना करेगी। यह पहल देश की बढ़ती घरेलू मांग और जिंक में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाती है। हम सभी हितधारकों को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।बताते चलें कि 2002 में सरकार के विनिवेश और वेदांता समूह द्वारा अधिग्रहण के बाद से हिंदुस्तान जिंक का उत्पादन चार गुना तक बढ़ चुका है। वैश्विक स्तर पर जिंक की आपूर्ति में कमी के इस दौर में कंपनी का यह कदम रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत से ईरान में चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप, ड्राई फ्रूट्स मार्केट में भी अफरा-तफरी

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि भारत से ईरान में चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। चावल कारोबारियों के मुताबिक, ईरान में भारत के चावल की सप्लाई ठप होने से प्रति किलो चावल के भाव में 10 रुपये की गिरावट आई है। उधर, ड्राई फ्रूट्स के दामों में उछाल आया है। जानकारी के मुताबिक भारत से बासमती सेला चावल की सबसे ज्यादा सप्लाई ईरान में होती है। लेकिन इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के चलते बीते चार दिनों से भारत से चावल की सप्लाई ठप हो गई है। जिससे चावल कारोबारियों में खलबली मच गई है। नया बाजार के एक चावल कारोबारी ने बताया कि चावल इंडस्ट्री में डर का माहौल है। शुक्रवार को शुरू हुए इस युद्ध के बाद ईरान में बासमती सेला की सप्लाई ठप हो गई है। हजारों टन चावल बीच रास्तों में फंस गए हैं। कुछ टन माल वापस हो गया है। जिससे कारोबारी परेशान हैं। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले बासमती सेला चावल का थोक दाम लगभग 70 रुपये था, लेकिन बीते चार दिनों में प्रति किलो दाम में 10 रुपये की गिरावट आई है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में चावल का दाम और कम हो जाएगा, जिससे कारोबारियों को करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ेगा।

रॉबर्ट वाड्रा ईडी के समन पर पेश नहीं हुए विदेश से लौटने के बाद होंगे जांच में शामिल

नई दिल्ली। कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ब्रिटेन के भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। रॉबर्ट वाड्रा अपनी बेटी के ग्रेजुएशन समारोह में भाग लेने के लिए विदेश दौरे पर हैं। अब वे विदेश यात्रा से लौटने के बाद जांच में शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इससे पहले 10 जून को भी ईडी के जारी समन में वे फ्लू जैसे लक्षण का हवाला देकर उपस्थित नहीं हुए थे। इसलिए केंद्रीय जांच एजेंसी ने 17 जून को पेश होने के लिए नया समन जारी किया था, जिस पर खबर आई थी कि रॉबर्ट वाड्रा मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश होंगे। रॉबर्ट वाड्रा के वकील ने बताया कि 56 वर्षीय व्यवसायी अपनी बेटी के ग्रेजुएशन समारोह में भाग लेने के लिए विदेश यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि वाड्रा ने पहले ही अदालत को इस बारे में सूचित कर दिया है। वाड्रा के वकील ने कहा कि वे विदेश यात्रा से वापस लौटने के बाद जांच में शामिल होंगे।
ईडी रॉबर्ट वाड्रा और लंदन की दो संपत्तियों के बीच कथित संबंधों की जांच कर रहा है। इसमें एक 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर और दूसरी ग्रोसवेनर हिल कोर्ट, 13 बोर्डन स्ट्रीट पर है।

नथिंग फोन 3 के भारत में निर्माण की घोषणा

नई दिल्ली। नथिंग कंपनी के पहले ट्रू फ्लैगशिप स्मार्टफोन नथिंग फोन 3 के भारत में निर्माण की घोषणा की है। कंपनी का यह निर्णय भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह स्मार्टफोन 1 जुलाई को भारत और वैश्विक बाजारों में लॉन्च किया जाएगा। फोन (3) का निर्माण चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में होगा, जहां वर्तमान में 500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 95 प्रतिशत महिलाएं हैं। नथिंग पहले से ही फोन 2 और किफायती फोन 3ए सीरीज का निर्माण भारत में कर रही है। स्थानीय स्तर पर निर्माण बढ़ाकर कंपनी का लक्ष्य उत्पादन कुशलता बढ़ाने, डिलीवरी में देरी कम करने और बाजार की मांग का तेजी से जवाब देने का है। कंपनी के को-फाउंडर और इंडिया प्रेसिडेंट अकीस इवेंजेलिडिस ने कहा कि भारत नथिंग के लिए शुरुआत से ही अहम बाजार रहा है। उन्होंने बताया कि फोन (3) भारत में बना तीसरा स्मार्टफोन होगा और यह 'मेक इन इंडिया' विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। यह नथिंग का पहला ट्रू फ्लैगशिप फोन होगा, जो ब्रांड की सबसे बेहतरीन तकनीक का प्रतीक है। इसके अलावा, फोन में एक सर्कुलर मॉड्यूल में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप देखा गया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त बनाने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,033.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 270.74 अंक यानी 1.40 प्रतिशत उछल कर 19,677.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 124.84 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,390.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,875.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.74 प्रतिशत उछल कर 7,742.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 182.89 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,699.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,929 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,018.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत टूट कर 3,382.14 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,163.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 134.75 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 22184.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में भी मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 222.80 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,534.13 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत उछल कर 3,924.63 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,955.51 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,116.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ किएः रिपोर्ट

मुंबई। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए ।तेल और वसा पर खर्च में गिरावटष्टस्थ्रश्च के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24: चॉकलेट, जेम, चीनी: 6.60 लाख करोड़ सब्जियां: 5.95 लाख करोड़तेल वसा: 2.45 लाख करोड, 2022-23: चॉकलेट, जेम, चीनी: 5.51 लाख करोड़सब्जियां: 5.28 लाख करोड़तेल वसा: 3.05 लाख करोड़ 2021-22: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.71 लाख करोड़, सब्जियां: 5.06 लाख करोड़तेल वसा: 2.76 लाख करोड़ 2020-21: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.46 लाख करोड़, सब्जियां: 4.79 लाख करोड़, तेल वसा: 2.01 लाख करोड़स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75 फीसदी की बढ़त हुई है। वहीं कुल उपभोक्ता खर्च 9.72प्रतिशत बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है ।

आयात घटने से व्यापार घाटा हुआ कम, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

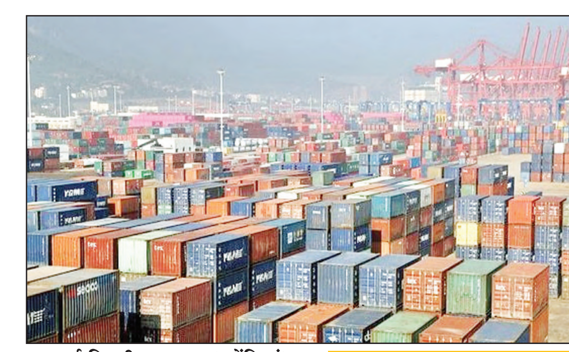

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां) ।

देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया। उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया।

पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया

यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा ।वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया ।इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई।

चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया ।हालांकि, आयात में 5.76 फीसदी की गिरावट रही।

नई इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी जल्द होगी लॉन्च

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नई इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी को लॉन्च करने की तैयारी में है। टाटा सिएरा ईवी चालू वित्त वर्ष के अंत तक बाजार में उपलब्ध हो सकती है। डिजाइन के मामले में यह एसयूवी एकदम अलग पहचान के साथ आएगी। इसमें ब्लैक-फिनिश्ड रूफलाइन, रैपराउंड ग्लास इफेक्ट, फ्लोटिंग रूफ और क्लैमशेल-स्टाइल टेलगेट जैसे एलिमेंट्स शामिल हैं, जो इसे एक प्रीमियम और फ्यूचरिस्टिक लुक देते हैं। इसके अलावा, इसमें पैनोरमिक सनरूफ और मॉडर्न डिजाइन लैंग्वेज का उपयोग किया गया है। फीचर्स के लिहाज से टाटा सिएरा ईवी में वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग, अडास और 360 डिग्री कैमरा जैसे हाई-एंड फीचर्स मिलने की संभावना है। बैटरी और परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें दो बैटरी पैक ऑप्शन दिए जा सकते हैं। कंपनी इसे सिंगल चार्ज में 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज के साथ पेश कर सकती है। हालांकि लॉन्च से जुड़ी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इसकी कीमत लगभग 25 से 30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच हो सकती है।

कोयला मंत्रालय ने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए

मरवाटोला ब्लॉक सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया

नई दिल्ली,17 जून (एजेंसियां) ।

कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए हैं, जो भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांति लाने और राष्ट्रीय ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। मरवाटोला कोयला ब्लॉक के लिए ऐतिहासिक आवंटन आदेश सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी किया गया है।

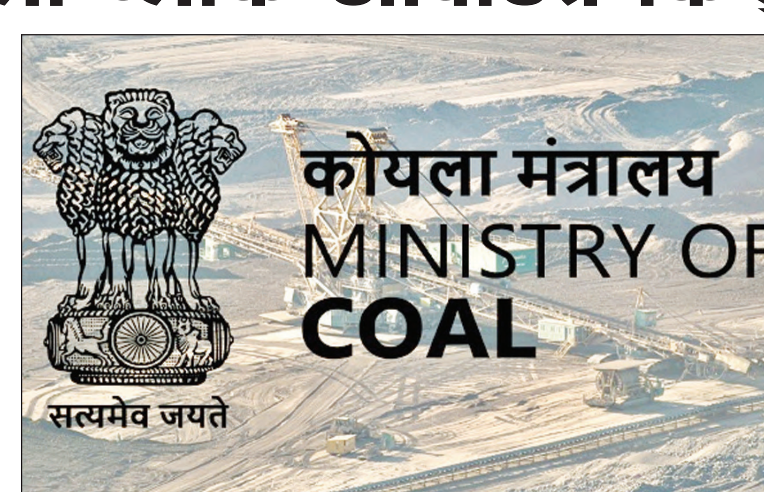

कोयला मंत्रालय के मुताबिक मध्य प्रदेश में सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को मारवाटोला कोयला ब्लॉक का आवंटन क्षेत्रीय सुधारों, निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और कोयला उत्पादन में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। पिछले कई वर्षों में मंत्रालय ने वाणिज्यिक कोयला खनन के आगमन और एकल-खिड़की निकासी प्रणाली की शुरुआत से लेकर डिजिटल निगरानी और शासन उपकरणों को अपनाने तक कई परिवर्तनकारी सुधार किए हैं। इन उपायों ने सामूहिक रूप से कोयला क्षेत्र के परिचालन परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। निजी उद्यम के लिए नए अवसर खोले हैं और संसाधन विकास के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा भविष्य के लिए तैयार ढांचा सुनिश्चित किया है।

सड़कों पर आ रही हाइड्रोजन क्रांति अशोक लीलैंड, टाटा मोटर्स और अन्य कंपनियां कर रही पहल

नई दिल्ली,17 जून (एजेंसियां) ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर इकाई से लेकर लेह के ठंडे इलाकों अथवा नई दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों तक भारत का वाणिज्यिक वाहन उद्योग हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के जरिये ईंधन में बदलाव को रफ्तार दे रहा है। ईंधन में बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व अशोक लीलैंड और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन कंपनियां कर रही हैं।

कई उद्योग के दिग्गज भी इस ओर छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विस्तार हैं, लेकिन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) भी भविष्य के लिए रणनीतिक तौर पर कदम बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए अशोक लीलैंड ने 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से साझेदारी के तहत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक उतारा था। फिलहाल 20 से अधिक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और दो साल में ही इन वाहनों ने करीब 2.5 लाख किलोमीटर नाप लिए हैं। हाइड्रोजन से चलने वाले ये वाहन दक्षता के मामले में भी डीजल वाहनों के बराबर हैं। इतना ही नहीं, कंपनी ने दिल्ली, लेह एवं लद्दाख में हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाली बसें तैनात करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन के साथ करार भी किया है। टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल वाले दो ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण मार्च में शुरू हुआ था जो अगले 24 महीनों तक चलेगा।

इसमें विभिन्न भार क्षमता वाले 16 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को शामिल किया जाएगा। इन ट्रकों का परीक्षण प्रमुख मार्गों पर किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली एनसीआर, सूरत, वडोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। टाटा मोटर्स के ग्रुप सीएफओ पीबी बालाजी ने हाल में कहा था, 'हमने अपने पहले हाइड्रोजन ट्रकों की शिपिंग भी शुरू कर दी है।

मलेशिया की सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह को दिए 15 लाख पाम बीज

किनाबाटांगन। मलेशिया की एक सरकारी एजेंसी ने भारतीय उपभोक्ता सामान कंपनी पतंजलि समूह को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की आपूर्ति की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह के साथ पांच साल का अनुबंध किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी। मलेशिया, भारत को पाम तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। इस अनुबंध पर सावित किनाबालु समूह की बीज से जुड़ी अनुषंगी कंपनी ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुषंगी कंपनी हर वर्ष पाम के एक करोड़ बीजों को संसाधित करती है।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना की धमाकेदार वापसी, बनीं नंबर वन

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)।

भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है। 28 वर्षीय मंधाना ने एक स्थान की छलांग लगाते हुए यह मुकाम दोबारा हासिल किया है। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंची हैं।

इस बार मंधाना के 727 रेटिंग अंक हैं, जबकि दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से मौजूद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट और इंग्लैंड की नई कप्तान नैट सिवर-ब्रंट के पास 719 अंक हैं। वोल्वार्ड्ट को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मैचों में केवल 27 और 28 रन बनाने का खामियाजा उठाना पड़ा, जिससे वह शीर्ष स्थान से फिसल गईं। वह पिछले छह महीनों से अधिक समय से नंबर 1 पर काबिज थीं।

वोल्वार्ड्ट की टीम की खिलाड़ी टैज़मिन ब्रिट्स ने पहले वनडे में अर्धशतक जमाकर रैंकिंग में 5 स्थान की छलांग लगाई है और अब वह 27वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शुरुआती मुकाबला चार विकेट से गंवाने के बाद दूसरे मैच में 40 रनों से जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका की ही पूर्व कप्तान सुने लूस ने दूसरे मैच में 76 रन की शानदार पारी खेली और बल्लेबाजों की सूची में 7 स्थान की छलांग लगाकर 42वें स्थान पर पहुंच गईं। साथ ही, उन्होंने गेंदबाजों की सूची में भी 7 स्थान की बढ़त हासिल कर 42वें नंबर पर जगह बनाई।

वेस्टइंडीज की ओपनर किआना जोसेफ ने पहले मैच में 60 रन की पारी खेली और वह रैंकिंग में 12 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 67वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज की स्पिनर एफी फ्लेचर और दक्षिण अफ्रीका की नोंकुलुलेको म्लाबा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों ने दूसरे वनडे में 4-4 विकेट चटकाए और क्रमशः 4 और 6 स्थान की छलांग लगाकर 19वें और 23वें स्थान पर पहुंच गईं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ईरान के...

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अब पहले से कहीं अधिक अकेले नजर आ रहे हैं। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इजराइली हवाई हमलों में खामनेई के कई प्रमुख सैन्य और सुरक्षा सलाहकारों की मौत हो चुकी है, जिससे उनकी आंतरिक सलाहकार टीम में लोगों भारी कमी है, जिसके असर नेतृत्व पर भी देखने को मिल रहा है। इन लोगों के मारे जाने के बाद रणनीतिक गलतियों की आशंका बढ़ गई है।

पिछले शुक्रवार से अब तक कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की हत्या कर दी गई है। जिनमें रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (ईरान की प्रतिष्ठित सैन्य इकाई) के कमांडर हुसैन सलामी, बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के प्रमुख और एयरस्पेस चीफ अमीर अली हाजीजादेह, और खुफिया प्रमुख मोहम्मद काजमी शामिल हैं। ये सभी खामनेई के करीब 15-20 लोगों की उस आंतरिक सलाहकार टीम का हिस्सा थे जो समय-समय पर महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए खामनेई के साथ बैठक करते थे। इस सलाहकार मंडल में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के वरिष्ठ अधिकारी, धार्मिक नेता और राजनेता शामिल होते हैं। इनकी खामनेई तथा ईरानी इस्लामी विचारधारा के प्रति अटूट निष्ठा होती है। खामनेई को जब कोई बड़ा फैसला लेना होता है, तो खामनेई का कार्यालय संबंधित सलाहकारों को तेहरान स्थित उनके परिसर में बुलाता है। ईरानी संविधान के अनुसार खामनेई के पास सेना की सर्वोच्च कमान, युद्ध की घोषणा करने का अधिकार, और वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति या बर्खास्तगी का पूर्ण अधिकार है। हालांकि अंतिम निर्णय उन्हीं का होता है, पर वे अपने सलाहकारों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और निर्णय से पहले अतिरिक्त जानकारी लेना पसंद करते हैं।शासन की स्थिरता बनाए रखने के लिए खामनेई ने बार-बार रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और उसकी बसीज मिलिशिया को 1999, 2009 और 2022 के राष्ट्रीय प्रदर्शनों को कुचलने के लिए तैनात किया है। हालांकि ये बल अब तक हर विरोध प्रदर्शन को दबाने में सफल रहे हैं, लेकिन वर्षों से चले आ रहे पश्चिमी प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आर्थिक संकट भविष्य में व्यापक जन असंतोष और आंतरिक अस्थिरता का कारण बन सकता है।

ईरान के ध्वस्त...

ईरान में भय का माहौल है, इजराइल की ओर से बरसती मिसाइलों के बीच अफरातफरी में नागरिक दबे-छुपे बैठे हैं। बहुत से लोग तो टनलों में जाकर, इजराइल के हमलों को समर्थन दे रहे हैं। ईरान और इजराइल के बीच करीब पांच दिन से जारी संघर्ष में दोनों देशों के बीच सैन्य हमले और जवाबी कार्रवाइयां तेज हो गई हैं। इस संघर्ष का प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि वहां रह रहे अन्य देशों के नागरिकों, विशेषकर छात्रों, पर भी पड़ा है। ईरान के कई शहरों में बम धमाकों और मिसाइल हमलों की खबरें लगातार आ रही हैं, जिससे स्थानीय और विदेशी नागरिकों में भय का माहौल है।

एक आकलन के अनुसार, ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में भारतीय छात्र वहां के मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं। उनमें भी अधिकांश छात्र जम्मू-कश्मीर से हैं। रिपोर्ट है कि तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के हॉस्टल के पास हुए हमले में दो कश्मीरी छात्र घायल भी हुए हैं। इस वातावरण से भयभीत छात्रों ने भारतीय दूतावास से अपील की कि उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए, क्योंकि वे लगातार बम धमाकों की आवाज़ों के बीच बेसमेंट में छिपे हुए हैं।

भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए त्वरित कार्रवाई की है। विदेश मंत्रालय और तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने मिलकर छात्रों को ईरान के भीतर ही सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त, भारत ने ईरान सरकार से औपचारिक रूप से छात्रों की सुरक्षित निकासी की अनुमति मांगी थी, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया है। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद किया हुआ है, जिससे हवाई मार्ग से छात्रों की निकासी संभव नहीं है। इसके चलते भारत सरकार अब सड़क मार्ग से निकासी की योजना बना रही है। ईरान ने अफगानिस्तान, अजरबैजान और तुर्कमेनिस्तान की सीमाओं को भारतीय नागरिकों के लिए खोल दिया है, जिससे छात्रों को इन देशों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला जा सकेगा।

ईरान-इजराइल की लड़ाई ने कच्चे तेल की सप्लाई पर चिंता बढ़ा दी है। लेकिन भारत ने 50 लाख टन से अधिक कच्चे तेल का रिजर्व तैयार कर रखा है। एथेनॉल को भी वैकल्पिक ऊर्जा के रूप में तेजी से विकसित किया जा रहा है। संभावना है कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष पैदा होने से कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ेंगी और किल्लत भी बढ़ेगी। भारत सहित दुनिया में कई देश हैं जो कच्चे तेल के आयात के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हैं। हालांकि, भारत इससे निपटने के लिए पहले से तैयार है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) की कुल क्षमता 5.33 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कच्चे तेल की है। इनका भंडारण विशाखा-पत्तनम, मंगलुरु और पादुर में स्थित है। कच्चे तेल के अधिकतम भंडार के मामले में पादुर 2.5 मिलियन मीट्रिक टन, मंगलुरू 1.5 और विशाखापत्तनम 1.3 मिलियन मीट्रिक टन का भंडारण करता है। इन भंडारों के निर्माण का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर होने वाले राजनीतिक उथल-पुथल के समय ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। इनका प्रयोग आपूर्ति में व्यवधान या बाजार में कीमतों के उछाल की स्थिति में कच्चे तेल की मांग को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। ये भंडार-गृह आमतौर पर जमीन के अन्दर गुफाओं में बनाए जाते हैं। इन्हें हाइड्रोकार्बन के भंडारण के लिए सबसे सुरक्षित तरीकों में से एक माना जाता है। इसके माध्यम से भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर गहराए संकट से निजात दिलाने में काफी मदद मिलेगी।

मोदी सरकार के आने के बाद स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) के विस्तार पर जोर दिया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा जुलाई 2021 में दो और एसपीआर के निर्माण को मंजूरी दी गई थी ताकि भंडार में 6.5 एमएमटी की वृद्धि हो सके। इसका उद्देश्य बाहरी झटकों का सामना करने के लिए भारत की क्षमता को बढ़ाना है। इतना ही नहीं सरकार भविष्य के भंडारों के लिए नई जगहों की पहचान करने में लगी है। मोदी सरकार ने आयात स्रोतों को बढ़ाने का भी कार्य किया है। किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता के जोखिम के खतरे को कम करने के लिए सरकार ने आयात स्रोतों को भी बढ़ाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूएई में लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) के आयात पर हस्ताक्षर किए हैं।

कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए भारत ने जैव ईंधन और गैस आधारित ऊर्जा के विकास पर भी काफी जोर दिया है। इससे इथेनॉल उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। इथेनॉल उद्योग के निर्माण से कार्बन उत्सर्जन में 1 करोड़ (10 मिलियन) टन की कमी आएगी और कच्चे तेल के आयात पर सालाना 40,000 करोड़ रुपए तक की बचत होगी। सरकार बायो गैस, बायोडीजल, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बढ़ावा दे रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि संकट की स्थिति में भी भारत के पास अपने एसपीआर को हफ्तों या महीनों तक इस्तेमाल करने की क्षमता है। मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा और खनिज के क्षेत्र में इतना सशक्त बना लिया है कि उसे वैश्विक संकट के इस दौर में भी किसी की तरफ देखने की कोई जरूरत नहीं है।

उधर, ईरान के खिलाफ लड़ाई में जी-7 के देशों ने इजराइल को अपना पूर्ण समर्थन दिया है। जी-7 देशों का कहना है कि इजराइल को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। जी-7 बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंचे और जल्दी ही वापस लौट गए। दरअसल, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष तेज होने की वजह से ट्रंप ने यह कदम उठाया। यह पहले से ही तय था। रवाना होने से पहले उन्होंने यह भी कहा कि तेहरान को तुरंत खाली कर दिया जाना चाहिए। जी-7 देशों ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में इजराइल का खुलकर समर्थन कर दिया है। सोमवार को देर रात जारी एक बयान में जी-7 देशों ने इजराइल के प्रति समर्थन व्यक्त किया और उसके प्रतिद्वंद्वी ईरान को पश्चिम एशिया में अस्थिरता का मूल कारण बताया। इस बयान में इलाके में शांति और स्थिरता का आह्वान किया गया। ईरान और इजराइल के बीच हवाई युद्ध बीते शुक्रवार को शुरू हुआ था, जब इजराइल ने ईरान पर हवाई हमले किए थे। जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए थे। इससे इलाके में तनाव और चिंता बढ़ गई है। यहां अक्टूबर 2023 में गाजा पर इजराइल के सैन्य हमले की शुरुआत के बाद से ही तनाव था। जी-7 देशों के नेता वैश्विक दबाव से जुड़े कई मामलों पर चर्चा करने और उनका समाधान निकालने के लिए कनाडा में एकत्र हुए थे। हालांकि, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर टकराव की वजह से कार्यक्रम पूरी तरह से बाधित हो गया। इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब और भी खतरनाक और अनियंत्रित होता दिखाई दे रहा है। दोनों देश चार दिन से एक-दूसरे पर बम बरसा रहे हैं।

जी-7 के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने शिखर सम्मेलन में चेतावनी दी कि तेहरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को रोकने की जरूरत है, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। उन्होंने कहा कि ईरानी नेता बातचीत करना चाहेंगे, लेकिन उनके पास अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर एक समझौते पर पहुंचने के लिए पहले से ही 60 दिन थे। इजराइली हवाई हमले शुरू होने से पहले वे ऐसा करने में विफल रहे। उन्हें समझौता करना होगा।

यह पूछे जाने पर कि अमेरिका को सैन्य रूप से संघर्ष में शामिल होने के लिए क्या करना होगा? ट्रंप ने कहा, मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। साथ ही ट्रंप ने यह चेतावनी भी दी कि सभी को फौरन तेहरान खाली कर देना चाहिए। ट्रंप ने जी-7 नेताओं के साथ समूह तस्वीर के लिए शामिल हुए और कहा, मुझे वापस जाना बहुत जरूरी है। मेजबान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, मैं राष्ट्रपति की उपस्थिति के लिए बहुत आभारी हूं और मैं उनकी बात को पूरी तरह समझता हूं।

अब तक इजराइल ने कई ईरानी परमाणु कार्यक्रम स्थलों को निशाना बनाया है, लेकिन वह ईरान की फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा को नष्ट नहीं कर पाया है। यह सुविधा बहुत गहराई में स्थित है। इसे नष्ट करने के लिए इजराइल को 30,000 पाउंड (14,000 किलोग्राम) के जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डिनेंस पेनिट्रेटर की आवश्यकता पड़ सकती है। यह अमेरिकी बंकर-बस्टिंग बम है, जो अपने वजन और गतिज बल का उपयोग करके गहरे दबे हुए लक्ष्यों तक पहुंचता है। इजराइल के पास इसे पहुंचाने के लिए आवश्यक गोला-बारूद या बमवर्षक नहीं है। पेनिट्रेटर को वर्तमान में बी-2 स्टील्थ बॉम्बर द्वारा पहुंचाया जाता है।

भारत जी-7 देशों का हिस्सा नहीं है, लेकिन कनाडा के पीएम मार्क कोनी के निमंत्रण पर वह सम्मेलन में आउटरीच पार्टनर के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी सम्मेलन में आने वाले देशों के नेताओं से मुलाकात और कुछ बैठकों का हिस्सा बने। कनानास्किस में हो रहे जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा के कैलगरी पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। यह लगातार छठा साल है जब प्रधानमंत्री मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रतिभाग कर रहे हैं। भारत जी-7 देशों का हिस्सा नहीं है, लेकिन कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के निमंत्रण पर वह सम्मेलन में आउटरीच पार्टनर के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। भारत के साथ मेक्सिको और यूक्रेन भी इस फेहरिस्त में शामिल है। इस दौरान पीएम मोदी सम्मेलन में आने वाले देशों के नेताओं से मुलाकात की कुछ द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लिया।

जी-7 दुनिया की 7 उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। रूस भी पहले इस समूह का हिस्सा था, लेकिन क्रीमिया देश पर कब्जा करने के बाद समूह से उसे निष्कासित कर दिया गया। गौरतलब है कि ईरान और इजराइल के बीच लगातार युद्ध की स्थिति बदतर होती जा रही है तो वहीं पश्चिम एशिया के देशों में भी तनाव बढ़ रहा है। वहीं पश्चिम एशिया के देशों में भी तनाव बढ़ रहा है। इसके अलावा जी-7 के इस समय होने के पीछे एक कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीतियां भी हैं। भारत और कनाडा के रिश्तों में पिछले साल तब तल्खी आई थी, जब खालिस्तानी समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में अक्टूबर 2024 में ओटावा ने भारत के पांच डिप्लोमेट को जोड़ने का प्रयास किया था। इस कड़ी में भारत ने देश से कनाडा के राजनयिकों को निष्कासित कर कनाडा से भी अपने उच्चायुक्त और अन्य डिप्लोमेट को वापस बुला लिया था।

मार्च में कनाडा के नए प्रधानमंत्री बने कार्नी ने एक बार फिर भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिहाज से पीएम मोदी को इस सम्मेलन के लिए निमंत्रित किया है। भारत के लिए कनाडा पोटाश, लकड़ी, कागज और अन्य खनन उत्पादों को आयात करता है। इसी तरह भारत की ओर से कनाडा को कपड़े, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स और रत्न निर्यात किया जाता है। इसके अलावा कनाडा में भारतीय छात्रों की भी एक बड़ी संख्या रहती है।

खामनेई के खात्मे...

उन्होंने कहा कि परमाणु आपदा को रोकने के लिए सावधानी बरती जा रही है। अधिकारी ने कहा, ईरान ने अब तक 400 बैलिस्टिक मिसाइलें और सैकड़ों ड्रोन दागे लेकिन इजराइल ने अधिकतम मिसाइलों और ड्रोन को आसमान में ही नष्ट कर दिया। यही वजह है कि ईरान पर इजराइल के हमले तेज हुए हैं, लेकिन ईरान के जवाबी हमले में काफी कमी और ढिलाई आई है।

बाकू में एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इजराइल द्वारा ईरान पर हमला शुरू करने के बाद से 600 से अधिक विदेशी नागरिकों को ईरान के पड़ोसी देश अजरबैजान के रास्ते से निकाला गया है। इजराइल ने ईरान के खिलाफ साइबर हमला भी जारी रखा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को एक साइबर हमले में इजराइल ने ईरान के एक प्रमुख सरकारी वित्तीय संस्थान, सेपाह बैंक के संचालन को बाधित कर दिया। हमले ने बैंक के डिजिटल बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया, जिससे इसकी ऑनलाइन सेवाओं में रुकावट आ गई। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को तड़के ईरानी मिसाइल हमलों के कारण मध्य इजराइल और हाइफा में बहुत नुकसान हुआ। इसकी वजह से 2,000 लोगों को सुरक्षित जगहों की तरफ भागना पड़ा। ईरान के सबसे बड़े परमाणु सयंत्र नतांज को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले में नतांज में मौजूद लगभग 15000 सेंट्रीफ्यूज नष्ट हो गए।

भारत ने एहतियात...

लाल सागर मार्ग से दुनिया के 30 फीसदी कंटेनर गुजरते हैं, जबकि 12 फीसदी वैश्विक व्यापार इसी रास्ते हो होता है। विश्लेषकों का कहना है कि यह युद्धअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उच्च टैरिफ की घोषणा के बाद वैश्विक व्यापार पर पड़ने वाले दबाव को और बढ़ाता है। टैरिफ के असर को देखते हुएविश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) पहले ही आशंका जता चुका है कि 2025 में वैश्विक व्यापार में 0.2 फीसदी की गिरावट आएगी।इससे पहले 2.7 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया था।

ईरान और इजराइल एक-दूसरे पर जबरदस्त हवाई हमले कर रहे हैं। इसके चलते दोनों ही देशों ने अपने हवाई क्षेत्रों को यात्री विमानों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया है। इसका असर दुनियाभर के साथ भारत के उड्डयन क्षेत्र में सबसे ज्यादा पड़ सकता है। उदाहरण के तौर पर भारत के नई दिल्ली से ब्रिटेन के लंदन जाने वाली फ्लाइट को अभी ईरान के एयरस्पेस से उड़ान भरते हुए जाना होता है, जो कि सबसे सीधा और आसान रास्ता है। हालांकि, रूट बदलने से न सिर्फ यात्रियों के लिए यात्रा का समय बदलता है, बल्कि एयरलाइन कंपनियों को अपना किराया भी बढ़ाना पड़ता है, क्योंकि लंबे रूट्स पर ईंधन का खर्च भी ज्यादा होता है और क्रू के सदस्यों के काम की समयसीमा भी ज्यादा होती है।

हालांकि, मौजूदा स्थिति में भारत की एयरलाइन कंपनियों को तुर्कमेनिस्तान या सऊदी अरब का रूट लेना पड़ रहा है, जिसके चलते नए रूट से फ्लाइट्स को गंतव्य तक पहुंचने में 45 से 90 मिनट तक ज्यादा लग रहे हैं। इसे लेकर भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा है कि खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति के चलते यात्रा के समय में बढ़ोतरी होगी। इसी तरह एयर इंडिया ने भी एडवाइजरी में कहा कि ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में स्थितियों को देखते हुए फिलहाल फ्लाइट्स लंबे और वैकल्पिक रूट पर चल रही हैं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ईरान में फंसे छात्रों को निकालने में भारत को बड़ी सफलता मिली। करीब 110 छात्र ईरान के जमीनी बॉर्डर से आर्मेनिया पहुंचे, जहां से उन्हें विमानों के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। इस बीच भारत ने तेहरान में रह रहे अपने लोगों से शहर से बाहर जाने और सुरक्षित ठिकाना ढूंढ़ने की अपील की। साथ ही भारतीय दूतावास से लगातार सम्पर्क में रहने को भी कहा गया। इसके लिए दूतावास की तरफ से आपात हेल्पलाइन जारी की गई है।

अंडमान सागर ...

कंपनी ने 2023-24 में रिकॉर्ड ड्रिलिंग और उत्पादन हासिल किया, और अब अंडमान में ड्रिलिंग शुरू करने की तैयारी है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 4 मिलियन मेट्रिक टन कच्चा तेल और 5 बिलियन क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन करना है।

कहीं ईरान ने...

अगर होरमुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह से रुकावट आती है या इसे अस्थायी रूप से बंद किया जाता है, तो इससे वैश्विक तेल बाजार में झटके लग सकते हैं। अगर आंकड़ों की बात करें तो इस जलडमरूमध्य से 2024 में प्रतिदिन 2 करोड़ बैरल तेल का आवागमन हुआ था। ये आंकड़ा वैश्विक पेट्रोलियम खपत का लगभग 20 प्रतिशत के बराबर था। वहीं 2025 के शुरुआती तीन महीनों में पेट्रोल का कारोबार 2024 की अपेक्षा स्थिर ही रहा। 2024 और 2025 के आंकड़ों में होरमुज से होकर जाने वाले तेल वैश्विक तेल व्यापार का एक चौथाई से अधिक और पेट्रोलियम उत्पाद और तेल के खपत का लगभग 5वां हिस्सा होगा।

सऊदी अरब होरमुज जलडमरूमध्य से किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक कच्चा तेल और कंडेनसेट का आवागमन करता है। 2024 में सऊदी अरब से कच्चे तेल और कंडेनसेट का निर्यात पूरे कारोबार का 38 प्रतिशत था। अगर ईरान होरमुज जलडमरूमध्य को बंद करने की कार्रवाई करता है तो सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नुकसान पहुंचेगा। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए सऊदी और यूएई ने इस रास्ते को बाईपास करने का एक बुनियादी ढांचा तैयार कर रखा है। इसके तहत पाइपलाइनें बिछाई गई हैं जो इस रास्ते में आने वाले अड़ंगों को कुछ हद तक कम कर सकता है। हालांकि ये पाइपलाइनें पूरी तरह से संचालित नहीं होतीं, फिर भी किसी तरह के व्यवधान होने पर सऊदी अरब और यूएई होरमुज जलडमरूमध्य को बाईपास कर प्रतिदिन 260 लाख बैरल प्रतिदिन के आवागमन की क्षमता रखती है।

होरमुज जलडमरूमध्य में आठ प्रमुख द्वीप हैं। इनमें से सात पर ईरान का नियंत्रण है। अबू मूसा, ग्रेटर टुंब और लेसर टुंब द्वीपों को लेकर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच विवाद है। ये तीनों द्वीप रणनीतिक रूप से दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं। 1970 के दशक से, ईरान ने इन द्वीपों पर अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है। इसके अलावा, चाबहार, बंदर अब्बास और बुशहर में स्थित नौसैनिक अड्डों से ईरान की नौसेना सागर पर नियंत्रण करती है। इससे जलडमरूमध्य पर इसका मजबूत प्रभाव देखने को मिलता है। ईरान की खाड़ी के तट पर जलवायु अत्यधिक गर्म और शुष्क है। जुलाई और अगस्त के महीने इस क्षेत्र के लिए सबसे अधिक गर्म होते हैं। इसके चलते वहां रहना मुश्किल है। फिर भी तेल का क्षेत्र होने के कारण थोड़ा बहुत विकास किया गया है। जलडमरूमध्य के आसपास के क्षेत्रों में धूल, सुबह की धुंध और धुंधलापन होता है। इससे भी वहां की दृश्यता प्रभावित होती है।

होरमुज जलडमरूमध्य की रणनीतिक स्थिति इसे काफी अहम बना देती है। ओमान और ईरान के बीच होने के कारण ये कुवैत, सऊदी अरब, इराक, कतर, बहरीन और यूएई को अरब सागर और उससे आगे जोड़ता है। जैसे-जैसे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है, होरमुज जलडमरूमध्य का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। भारत के लिए यह संकट देश की रणनीतिक साझेदारी को बेहतर बनाने और नए ऊर्जा स्रोतों पर काम करने की जरूरत बता रहा है। इजराइल की ओर से ईरान पर हमले किए जाने के बाद शिया मुल्क के कई सैन्य ठिकाने और परमाणु कार्यक्रम तबाह हो गए हैं। बौखलाए ईरान ने जलडमरूमध्य बंद करने की धमकी दी है। हालांकि इस रास्ते को पूरी तरह से बंद करने की आशंका कुछ कम ही जताई जा रही है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन कारणों में ईरान के कुछ देशों के साथ बेहतर संबंध और आर्थिक स्थिरता समेत कई पहलू शामिल हैं। ईरान और चीन के संबंध काफी बेहतर हैं। चीन ईरान के तेल का तीन चौथाई हिस्से का आयात करता है जो कि सबसे अधिक है। ऐसे में जल डमरू मध्य का रास्ता बंद होने से चीन के लिए भी आपूर्ति बाधित होगी।

इसके अलावा इस रास्ते के बंद होने से ईरान के ओमान के साथ रिश्ते खराब हो सकते हैं। ओमान समुद्री रास्तों के जरिए कारोबार की आजादी का समर्थन करता रहा है। साथ ही होरमुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी हिस्से पर अपना नियंत्रण भी रखता है। इजराइल के साथ तनाव के चलते ईरान पहले से ही कई संघर्षों का सामना कर रहा है। ऐसे में अगर ये रास्ता बंद होता है तो ईरान को ही भारी कीमतों को ईरान को भी झेलना पड़ेगा। इससे ये मुल्क भी आर्थिक अस्थिरता के संकट से दो चार होगा। असल में दुनिया के ज्यादातर देश इस बात को जान चुके हैं कि होरमुज जल डमरू मध्य में कोई भी रुकावट वैश्विक संकट को जन्म दे सकता है। ऐसे में ईरान अपनी धमकी को मूर्त रूप में देने से पहले कई देशों के साथ अपने बचे खुचे रिश्तों से भी हाथ धो सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 18 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-04, हैदराबाद की बैठक दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय रेल निलयम में मंगलवार दि.17.06.2025 को अरुण कुमार जैन, अध्यक्ष/नराकास एवं महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में समिति के उपाध्यक्ष/नराकास, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी.खाडे, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4 के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधिगण, हिंदी शिक्षण योजना के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप निदेशक (कर्यान्वयन), बेंगलूरु, अनिर्बान विश्वास, कुछ अन्य कार्यालयों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की।

महाप्रबंधक महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस समिति की बैठकों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए हिंदी में कार्य किया जाए। उन्होंने राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह में राजभाषा से जुडे सभी कार्मिकों को भाग लेने के लिए कहा।

बैठक के आरंभ में उपाध्यक्ष/मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ने अध्यक्ष महोदय तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगजवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर –सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, भगतराम गोयल, रोहित अग्रवाल, गोपाल गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अत्तापुर में माथुर वैश्य इन्टरनेशनल क्लब की बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर महिलाओं को सपना गुप्ता द्वारा योगाभ्यास कराया गया। उपास्थित महिलाओं में- मंजू, कमलेश, पिया, प्रीति, मुन्नी देवी गुप्ता पुष्पा गुप्ता, सुमन गुप्ता, पूनम गुप्ता, कमलेश गुप्ता, संध्या गुप्ता, रागिनी गुप्ता, पायल गुप्ता, सरिता गुप्ता, प्राची गुप्ता, भावना गुप्ता व अन्य शामिल थीं।

श्रमण संघीय संबोधित कुशल प.पु.सुधाकवर जी म.सा. आदि ठाणा-5 ने 17 जून 2025 को महासतियाजी श्री बाबूलालजी मानकचंद मोहित पोकरणा के निवास स्थान रामनगर में जिनवानी एवं प्रवचन दिया।

ध्यान फाउण्डेशन, हैदराबाद द्वारा अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 1 जुलाई से

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ध्यान फाउण्डेशन, हैदराबाद द्वारा अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से ध्यान फाउण्डेशन गौशाला, पेद्दाशापुर, गोलुरु रोड तथा ध्यान फाउण्डेशन नंदीशाला, यादाद्री के सहायतार्थ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन आगामी 1 से 7 जुलाई तक एस.एन.सी. कन्वेंशन सेन्टर, पिल्लर नं. 268, अत्तापुर में किया जाएगा।विज्ञप्ति में ध्यान फाउण्डेशन, हैदराबाद के दीपक विजयवर्गीय द्वारा ने बताया कि इस अवसर पर राधाकृष्णजी महाराज भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करायेंगे। कथा दोपहर 3.30 से शाम 7 बजे तक आयोजित की जाएगी। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अन्तर्गत 1 जुलाई को सुबह 9.31 बजे गोवत्स राधाकृष्णजी महाराज के सान्निध्य में भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जायेगा। कलश यात्रा के अन्तर्गत 101 महिलाएँ कलश धारण कर बाजे-गाजे के साथ भजन-कीर्तन करते हुए कथा स्थल पहुँचेंगी।

कलश धारण करने की इच्छुक महिलाएँ सरिता विजयवर्गीय एवं सुप्रिया विजयवर्गीय से सम्पर्क कर नाम पंजीकृत करवा सकती हैं।

कथा के आयोजन के सन्दर्भ में अत्तापुर स्थित ध्यान फाउण्डेशन के कार्यालय में विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के आयोजन के सन्दर्भ में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अवसर पर अनिल अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, विजय राठी, महेन्दर अग्रवाल, प्रदीप कुमार, अनिल विजयवर्गीय, चेतन राठी, श्रीगोपाल डोडिया, अमित अग्रवाल, दीपक विजयवर्गीय, कमलेश कुमार विजयवर्गीय, सुरेश कुमार बंसल, महेन्दर खेतान, साकेत अग्रवाल, आशीष विजयवर्गीय, दीपक विजयवर्गीय, मीनाक्षी विजयवर्गीय, दामोदरदास विजयवर्गीय, अनिरुद्ध विजयवर्गीय, पवन विजयवर्गीय, प्रशांत विजयवर्गीय व अन्य उप-स्थित थे। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया गया।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक डॉ. बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य कार्यपालक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में भारत सरकार द्वारा हिंदी के प्रगामी प्रयोग लिए तैयार किए गए वार्षिक कार्यक्रम, एनएफडीबी के हिंदी में प्रवीणता प्राप्त कर्मचारियों को कार्यालय आदेश जारी करने, एनएफडीबी की हिंदी पत्रिका प्रकाशित करने आदि विषयों पर चर्चा की गई और निर्णय लिए गए।

मंगलवार को जामबाग डिविजन के नगरसेवक राकेश जयसवाल ने ओम नगर, जामबाग मंडल में आयोजित अम्मा माटा-आंगनबाड़ी बाटा कार्यक्रम अन्न प्रसादम एवं अक्षरा अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी शिक्षक श्रीमती मंजुला, पुष्पा, आशा, विजलक्ष्मी, प्रमोद, जनार्दन, रवि, अहमद एवं कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

तेरापंथ महिला मंडल की साधारण सभा में नमिता सिंघी अध्यक्ष मनोनित

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल निर्देशानुसार श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की साधारण सभा दिनांक 16/6/2025 को डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में दोपहर 2.00 बजे आयोजित की गई।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र गीतिका शांता बैद द्वारा की गई।

मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का मधुर सुसंगान किया गया। मंत्री सुशीला मोदी जी ने गत साधारण सदन कार्यवाही 2024 को पढ़कर सुनाया। अध्यक्ष कविता आच्छा ने पधारी हुई सभी बहनों, संरक्षिका , परामर्शक , मंडल पदाधिकारी गण, महिला मंडल सदस्य का स्वागत किया। परामर्शक बहन अर्पिता जी लोढ़ा ने संविधान बुक का वाचन किया। मंत्री सुशीला मोदी ने 2024 से लेकर 2025 तक के हुए सभी कार्यक्रमों के प्रतिवेदन का वाचन किया । कोषाध्यक्ष अल्पना दुगड़ ने पूरे साल भर का आय-व्यय का ब्यौरा दिया। कन्या मंडल सहप्रभारी रेखा संकलेचा ने कन्या मंडल प्रतिवेदन का वाचन किया। और सभी बहनों से बारंबार खमत कामना की । चंद्रा जी सुराणा द्वारा व विमलेश जी सिंघी द्वारा महिला मंडल द्वारा गत वर्ष में किए कार्यों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की ।अध्यक्ष कविता आच्छा ने अध्यक्ष पद व अपनी पूरी टीम का विसर्जन किया गया।

मुख्य चुनाव अधिकारी चांद जी जैन सहयोगी चुनाव अधिकारी प्रेमजी पारख व रीता जी सुराणा द्वारा नव अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंह जी के नाम की घोषणा की गई। पूरा तेरापंथ भवन ॐ अर्हम की ध्वनि से गुंजायमान हो गया। कविता आच्छा ने नई अध्यक्ष का तिलक लगाकर ,पचरंगी पट्टा पहनाकर और सुशीला मोदी ने माला द्वारा स्वागत किया और सभी ने मिलकर ढेर सारी शुभ कामनाएं दी। कार्यक्रम की अनीता गिडिया, शकुंतला बुचा,अंजू बैगानी, चंदन कोठारी ,गीतिका नाहटा, अंजू गोलछा, निशा दुगड़, पायल पारख, शीतल सांखला, मीनाक्षी सुराणा संयोजिका थी। साधारण सभा में लगभग 200 बहनों की सहभागिता रही।कार्यक्रम के पश्चात भोजन की व्यवस्था रखी गई।

तत्पश्चात तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की नवनिर्वाचित अध्यक्षा नमिता जी सिंघी ने एरा मंजिल में स्थित श्री अमराव सिंह जगत सिंह पारख के निवास स्थान पर साध्वी श्री डॉक्टर गवेषणा जी आदि ठाणा -4 से मंगल पाठ श्रवण कर भावी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं ग्रहण की।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,02,080/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,12,150/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,583.30
-212.85 -0.26% ↓
एनएसई :24,853.40
-93.10 (-0.37%) ↓

श्री कच्छी मित्र मंडल की 53वीं वार्षीक साधारण सभा एवं चुनाव सम्पन्न

हैदराबच, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में कच्छी समाज की प्रमुख संस्था श्री कच्छी मित्र मंडल की 53वीं वार्षीक साधारण सभा मंडल के अध्यक्ष सुशीलभाई कापडिया की अध्यक्षता में बडी संख्या में उपस्थित मंडल के सदस्यों के बीच सम्पन्न हुई।

आज यहां संस्था द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञाप्ति में श्री कच्छी मित्र मंडल के मंत्री पंकज सावला एवं प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि रविवार दि. 15 जून 2025 को प्रातः 10 बजे से साधारण सभा की शूरूआत मंगलाचरण से हुई, तत्पश्चात मंडल के अध्यक्ष ने पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं अपना संदेश दिया । मंडल के अध्यक्ष सुशील कापडीया ने इस अवसर पर कहा कि श्री कच्छी मित्र मंडल की स्थापना आज से लगभग 76 वर्ष पूर्व हुई थी । संघ की स्थापना से लेकर आज तक विभिन्न प्रकार के सामाजीक व धार्मिक कार्यामो का आयोजन करती आ रही है जिसमें शांति प्राईमरी स्कुल, आवस गृह, स्वास्थय केम्प, आई केम्प, शिक्षण सहायता, मेडीकल रिलिफ, आयुर्वेदीक, होमीयोपेथी एवं एल-ोपेथी सार्वजनीक दवाखाना चलाया जा रहा है।

अध्यक्षीय भाषण के पश्चात मंत्री पंकज सावला ने गत वर्ष की साधारण सभा की मीनीट्स का वांचन किया गया तथा कोषाध्यक्ष मनोज नागडा द्वारा प्रस्तुत वार्षिक आडीटेड हिसाब किताब को प्रस्तुत किया तथा उसे मंजूरी (पास) दी गई। मंडल के अंतर्गत स्थापित सभी समिति के रिपोर्ट संचालको का विवरण दिया गया। अवसर पर तीन नये डोनर ट्रस्टी राहुल केशवजी छेडा, राजीव खीमजी मामणिया, प्रताप जीलुभाई जाडेजा के नामो को मंजुरी दी गई। अंत में सहमंत्री लहेरचंद लोडाया ने आभार प्रकट के पश्चात सभा सम्पन्न हुई।

सभा में चुनाव अधिकारी दिपक गाला ने सभी प्रतियाशीयों का परिचय कराया । बडी संख्या में मंडल के सदस्यों ने चुनाव में भाग लिया। चुनाव अधिकारी ने ट्रस्ट मंडल के लिए वर्ष 2025-2029 (4वर्ष) तक के 5 सदस्यों 1) रतिलाल प्रेमजी छेडा 2) जयंत खीमजी गडा 3) प्रेमचंद केशवजी छेडा 4) शांतिलाल वालजी मारू 5) प्रदीप केशवलाल संघवी के विजयी होने की घोषणा की। वहीं वर्ष 2025-2027 (2वर्ष) कार्यकारीणी सदस्यों के लिए सम्पन्न चुनाव में 1) हेमांग मणीकांत मोमाया 2) पंकज हीरजी सावला 3) राजीव खीमजी मामणिया 4) लहेरचंद टोकरशी लोडाया, 5) पूनम निकेश देढिया, 6) सुशील धीरजलाल कापडिया 7) कीर्तिकुमार टोकरशी कापडिया 8) मनोज हंसराज नागडा 9) अंकीत नीतिन वोरा, 10) नीतिन शीवजी धरोड 11) दिनेश कल्याणजी गोसर, 12) पराग तलकशी मारू 13) केशवजी प्रेमजी छेडा 14) दिपेन दामजी सावला 15) रिद्धीश रमेश लोडाया को विजयी घोषीत किये गये।कार्याम में श्री कच्छी मित्र मंडल के मेनेजींग ट्रस्टी नीतिन धरोड, ट्रस्टीगण कल्पना सुशील कापडिया, अध्यक्ष सुशील कापडिया उपाध्यक्ष हेमांग मोमाया, मंत्री पंकज सावला, सहमंत्री लहेरचंद लोडाया, कोषाध्यक्ष मनोज नागडा, सहकोषाध्यक्ष पराग मारू, कार्यकारीणी सदस्यगण केशवजीभाई छेडा, दिनेश गोसर, राजीव मामणीया, रिद्धीश जागीरदार, अंकित वोरा, दिपेन सावला, पूनम देढिया, हितेन संगोई, ट्रस्टीगण शांतिलाल मामणिया, प्रदीप संघवी, विपुल निसर, रतिलाल छेडा, दिर्गेष निशर, निलेश छेडा, योगेश गोसर आदि पदाधिकारी तथा लिलमबेन धीरजलाल कापडिया, जया रमेश जागीरदार, कल्पना सुशील कापडिया, कंचन शांतिला मामणिया,पूनम प्रदीप संघवी, प्रीति पंकज सावला, प्रविणा पराग मारू, जया मनोज नागडा, प्रिती राजीव मामणिया, हंसा लोडाया, निशा नीतिन धरोड, हिना हितेन संगोई, राजुल दिर्गेश निसर, काजल विपुल निशर, लिना निलेश छेडा, इंदिरा दिनेश गोसर, वैशाली योगेश गोसर, दिपा दिपेन सावला, झेनी हेमांग मोमाया एवं समाज बंधुओ ने भाग लिया।

केप्शनः रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में श्री कच्छी मित्र मंडल द्वारा आयोजित वार्षिक सामान्य सभा में उपस्थित अध्यक्ष सुशील कापडिया, मेनेजींग ट्रस्टी नीतीन धरोड, मंत्री पंकज सावला, केशवजी छेडा, शांतिलाल मामणिया, प्रदीप संघवी, रतिलाल छेडा, दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, निलेश छेडा, दिर्गेश निशर, लहेरचंद लोडाया, मनोज नागडा, पराग मारू, राजीव मामणिया, दिपेन सावला, पूनम देढिया, ज्योति गाला, चुनाव अधिकारी दीपक गाला एवं अन्य।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हैदराबाद की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हैदराबाद की सभा सोमवार को जैन धर्म स्थानक डबीरपुरा में संघ अध्यक्ष दिलीपकुमार धारिवाल के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

यहां जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में संघ के मंत्री पारस डोसी व प्रसार प्रचार मंत्री मदनलाल संचेती ने बताया कि सर्वप्रथम संघ के महामंत्री सुरेशचंद बोहरा ने संघ के पदाधिकारियों संघ अध्यक्ष दिलीपकुमार धारीवाल, कार्याध्यक्ष पारसमल कटारिया, उपाध्यक्ष सुरेशचंद कटारिया, मंत्री पारस डोसी व कोषाध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी को मंचासीन करवाये. सभा का शुभारंभ त्रिशाला महिला मंडल के सदस्यों द्वारा नवकार महामंत्र के गुणगान से हुआ।महामंत्री सरेशचंद बोहरा ने सभा को आगे बढ़ाते हुवे पहले संघ अध्यक्ष दिलीपकुमार धारीवाल को स्वगात उद्धबोधन के लिए आमंत्रित किया एवं संघ अध्यक्ष ने पधारे हुवे सभी पदाधिकारियों व कार्यकारणी सदस्यों का स्वागत करते हुऐ उनका आभार व्यक्त किया. उन्होंने सभी से निवेदन किया कि आगामी चातुर्मास में सभी अपना अमूल्य समय व सेवा प्रदान करायें।कार्याध्यक्ष पारसमल कटारिया ने बताया कि इस वर्ष संघ के तत्वावधान में जैन धर्म स्थानक डबीरपुरा में हुक्मसंघ के नवम नक्षत्र ,संयम के सजग प्रहरी,परमागम रहस्यज्ञाता , व्यसन मुक्ति के प्रणेता, उत्क्रांति प्रदाता ,गुणशील सम्प्रेरक परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री 1008 श्री रामलाल जी म.सा ,बहुश्रुत वाचानाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी शासन दीपिका श्री करिश्मा श्री जी म.सा.,श्री अणिमा श्री जी म.सा.,श्री सर्वज्ञ श्री जी म.सा.आदि ठाणा: 3में का वर्ष 2025 का चातुर्मास रखे जाने वाले समस्त आगारों सहित हैदराबाद श्री संघ को प्राप्त हुवा है. स्थानक भवन के नवीकरण की भी सम्पूर्ण रूप रेखा रखते हुवे बताया कि भवन के फर्स्ट फ्लोर पर हॉल को एक नया रूप दिया जारहा है, स्टेज बनाया जा रहा है एवम 5 रूम फुल्ली फर्निश्ड भी तैयार हो रहे है. आगे बताया कि विगत 4 वर्षो से प्रति रविवारीय धर्म कक्षा निरंतर चल रही है उसके लिए सरेशचंद बोहरा की भूरी भूरी प्रसंसा की।

मंत्री पारस डोसी ने आगे बताया कि महामंत्री सुरेशचंद बोहरा ने गत बैठक का विवरण वचन किया जिससे सभा ने सर्वसमिति से पारित किया. तत्पश्चात महामंत्री ने आगामी चातुर्मास को यशवी व सफल बनाने हेतु विभिन समितियों के गठन हेतु चातुर्मास की रूप रेखा रखी. सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसमिति से प्रकाशचंद श्रीश्रीमाल व संजू तातेड़ को चातुर्मास संयोजक एवं मदनचंद पोकरणा व निधि श्रीश्रीमाल को सह-संयोजक के रूप में मनोनित किया. चातुर्मास काल के लिए धन संग्रह समिति में पारसमल कटारिया, गौतमचंद सिंघवी, अभयकुमार सिंघवी व दिलीप लोढ़ा, भोजन समिति में पदमचंद सिसोदिया, संतोष कटारिया, पुरसगरी समिति में पदमचंद तातेड़, धीरज लोढा, शांतिलाल भंसाली, दिव्या श्रीश्रीमाल, त्रिशला महिला मंडल, आवास-निवास समिति में किशोर कटारिया, संतोष कटारिया, ललित धारीवाल, वायवच समिति में गौतमचंद सिंघवी, विजय कटारिया, निधि श्रीश्रीमाल, धार्मिक कार्यक्रम समिति भावना सिसोदिया,स्नेहा कटारिया को चयन किया गया. आगे बताया कि चातुर्मास में प्रतिदिन प्रातः धार्मिक कक्षा एवं कक्षा के पश्चात अल्पाहार व प्रति रविवार प्रवचन पश्चात गौतमप्रसादी का आयोजन रहेगा।

स्थानक भवन के नवीकरण में विशेष संदीप कटारिया का पूर्ण सहयोग रहा ओर सभा में आभार व धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया. भवन में जेठमलजी भिखमचंदजी सिसोदिया परिवार द्वारा 100 कुर्सी व 2 टेबल भेंट दी गई. संघ के और से आभार व्यक्त किया गया।सभा में अन्य विषेय में महामंत्री ने वर्तमान पदाधिकारियों के कार्यकाल पूर्ण होने पर नए पदाधिकारियों के चयन हेतु बात रखी जिससे सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने इसी टीम को अगले एक और वर्ष के लिए मनोनित किया।उक्त बैठम में दिलीपकुमार धारीवाल, पारसमल कटारिया, सरेशचंद कटारिया, सरेशचंद बोहरा, पारस डोसी, गौतमचंद सिंघवी, प्रकाशचंद श्रीश्रीमाल, अभयकुमार सिंघवी, दिलीप लोढ़ा,किशोर कटारिया, पदमचंद तातेड़, मदनचंद पोकरणा, शांतिलाल भंसाली,कलेशचंद बम्ब, मदनलाल संचेती, सुभाष मुणोत, सुरेश गादिया, ललित धारीवाल, अमित बोहरा, विजय कटारिया, संतोष कटारिया, संदीप कटारिया, संगीता सिंघवी, दीपा श्रीश्रीमाल, अंजली बोहरा, स्नेहा कटारिया, विभा सिंघवी, निधि श्रीश्रीमाल व अन्य सदस्यों उपस्थित थे।अंत में मंत्री पारस डोसी ने पधारे हुवे सभी श्रावक-श्राविकाओं को निवेदन किया कि इस चातुर्मास में सब सह परिवार पधारे और जिनवाणी का लाभ लेवे व अपना पूर्ण सहयोग देने के लिए विनती रखते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कादम्बिनी क्लब की 395वीं गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में क्लब की 395वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से रचनाकार पुष्पा वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए डॉ अहिल्या मिश्र (क्लब अध्यक्ष) एवं मीना मुथा (कार्यकारी संयोजिका) ने आगे बताया कि प्रथम सत्र का आरंभ शुभ्रा महन्तो द्वारा सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति से हुआ।क्लब अध्यक्षा डॉ अहिल्या मिश्र ने पटल पर उपस्थित साहित्य सृजनाकारों का शब्द कुसुमों से स्वागत करते हुए कहा कि क्लब अपने 32 वें वर्ष की यात्रा में इस माह प्रवेश कर चुका है। सभी का साथ सहयोग इस दीर्घ यात्रा में मिला है, तभी साहित्य का कारवां आगे बढ़ पाया है। डॉ उमा मेहता (असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, आर्टस एण्ड साइंस, गवर्मेंट कॉलेज, अहमदाबाद) वीरेंद्र जैन के उपन्यासों में युगचेतना विषय पर अपने विचार रखेंगी और

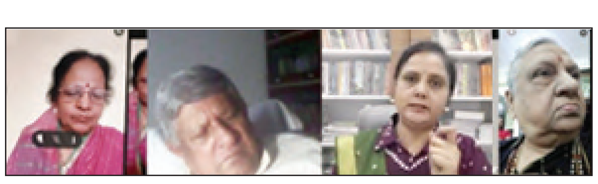

रचनाकार वीरेंद्र के साहित्य संसार से हम परिचित होंगे।

संगोष्ठी सत्र संयोजक अवधेशकुमार सिन्हा ने विषय प्रवेश कराते हुए लेखक परिचय में कहा कि वीरेंद्र जैन, एक साहित्यकार, पत्रकार, संपादक, उपन्यासकार का जीवन इतनी विषम परिस्थितियों से गुजरा है यह जानकर मैं खुद स्तब्ध हूँ। छोटे से छोटा काम किया, किशोरावस्था से ही परिवार की जिम्मदारी का बोझ कंधे पर आ गया। जानी मानी पत्रिकाओं से वे जुड़े। विभिन्न पड़ावों से वीरेंद्र जी का जीवन गुजरा है, लेकिन विकट परिस्थितियों में भी उनका लेखन गतिशील रही।

डॉ उमा मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि वीरेन्द्र जैन के उपन्यास हमारे सामने समाज की जो वास्तविकता है उसका कच्चा चिट्ठा खोलकर रख देता है। तीव्र संवेदना उनके लेखन की विशेषता रही है। स्वतंत्रता के बाद का भारत, आम आदमी, परिस्थितियों से घिरा कृषक आदि का वास्तविक चित्रण हम पढ़ते हैं। लेखन में वास्तविकता कल्पना के घोड़े दौड़ाने से नहीं आते बल्कि अनुभवों का निचोड़ लेखन में उतरता है तभी सशक्त कृति साकार होती है। शोषित नारी, उत्पीड़न, बलात्कार, दहेजप्रथा, अनाथ बच्चों की दुर्दशा, कृषकों के हक का छीना जाना आदि मायनों को वे गहन अवलोकन के साथ कटु सच्चाई को उजागर करते हैं। कटु यथार्थ, समाज की पीडा, दर्द आदि का सटीक चित्रण वीरेन्द्र जैन के उपन्यासों में नजर आता है। शब्दबद्ध, रुका हुआ फैसला, शुभस्य शीघ्रम, पंचनामा आदि कृतियों का उल्लेख भी डॉ उमा ने किया।अवधेश कुमार सिन्हा की शंकाओं का निदान करते हुए डॉ उमा ने कहा कि रामायण, रामचरितमानस, साकेत में राम न मात्र परमेश्वर हैं, बल्कि हमारे बीच के ही व्यक्ति हैं।

सरिता सुराणा ने कहा कि किसानों की समस्याएं कभी खत्म नहीं होगी। राज बदल जाता है और समस्या वहीं की वहीं रहती है।पुष्पा वर्मा ने अध्यक्षीय टिप्पणी में कहा कि उमा मेहता ने अपने व्याख्यान में उपन्यास 'डूब' का जिक्र करते हुए बांध के बंधने से खुशी और दुखों के सागर में डूबने की त्रासदी को सारगर्भित तरीके से हमारे समक्ष रखा है। वे बधाई की पात्र हैं।

डॉ अहिल्या मिश्र ने कहा कि डॉ उमा मेहता ने सीमित समय में बहुत ही सुंदर संबोधन दिया और वीरेन्द्र जैन को हम सभी अवश्य पढ़ें, उन्हें गुने, यह प्रेरणा दी है।

सत्र का आभार व्यक्त करते हुए अवधेशकुमार सिन्हा ने कहा कि जटिल स्थितियों में भी लेखन में सफलता पाने का दुर्लभ उदाहरण आज हमने वीरेंद्र जैन के रूप में देखा है।

दूसरे सत्र में चंद्र प्रकाश दायमा की अध्यक्षता में कवि गोष्ठी हुई। इसमें प्रियंका वाजपेयी पाँडे, निशिकुमारी, वर्षा शर्मा, आर्या झा, डॉ आशा मिश्रा मुक्ता, सुनीता लुल्ला, पुष्पा वर्मा, दर्शन सिंह, विनोद गिरी अनोखा, मीरा ठाकुर, तृप्ति मिश्रा, शिल्पी भटनागर, मीना मुथा ने काव्य पाठ किया। डॉ मदनदेवी पोकरणा, उषा शर्मा, सुखमोहन अग्रवाल ने संस्था को साधुवाद दिया। यशोधरा भटनागर और मधु भटनागर की उपस्थिति रही। चंद्रप्रकाश दायमा ने अध्यक्षीय काव्यपाठ में हड्डियाँ भी अब चरमराने लगी हैं, अब जिंदगी मुझसे उकताने लगी है सुंदर पंक्तियों के साथ सभी स्चनाकारों को साधुवाद दिया।

आंतिम चरण में अहमदाबाद में घटित दुःखद घटना विमान हादसे में मृत सभी नागरिकों को क्लब की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शिल्पी भटनागर ने तकनीकी व्यवस्थाओं में सहयोग देते हुए सत्र का धन्यवाद ज्ञापन किया। मीना मुथा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और देवास से भी रचनाकारों ने भाग लिया।

मानवाधिकार आयोग ने तेलंगाना में बिजली से होने वाली मौतों का संज्ञान लिया

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने मंगलवार, 17 जून को राज्य में हाल ही में बिजली के झटके से हुई मौतों का स्वतः संज्ञान लिया।रिपोर्ट के अनुसार बिजली के तारों के संपर्क में आने से करंट लगने की अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना 15 जून को हुई जब 32 वर्षीय अलवाला विनोद और आठ अन्य लोग जगतियाल के कोरुतला में निर्माण केंद्र से गणेश प्रतिमा को दूसरी जगह ले जा रहे थे।चूंकि नई बनी मूर्ति गीली थी, इसलिए 33 किलोवाट के तार के संपर्क में आने से उसमें आग लग गई। सभी मजदूर करंट की चपेट में आकर जमीन पर गिर पड़े। राहगीरों ने लाठी-डंडों से तार हटाकर मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया।विनोद और वी. साईकुमार (28) की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि तीन घायलों को गंभीर रूप से घायल होने के कारण वारंगल के महात्मा गांधी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया।हैदराबाद के एलबी नगर में 15 जून को फुटपाथ पर सो रहे एक जोड़े की जलकर मौत हो गई। यह हादसा एलबी नगर के चिंतलकुंटा इलाके के पास सागर रिंग रोड पर हुआ।

सिखवाल ब्राह्मण समाज गांव धाकड़ी की बाबा रामदेवजी के जागरण हेतु बैठक आयोजित

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज धाकड़ी पट्टी के पाठ खेड़ा गांव धाकड़ी में युवा समिति द्वारा पिछले तीन वर्षों से श्री बाबा रामदेव जी महाराज का जागरण एवं प्रसादी का आयोजन भव्यता से संपन्न हो रहा है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह जागरण दिनांक सोमवार, दि. 01 सितंबर 2025 को होने जा रहा है।इसी संदर्भ में मंगलवार को एक बैठक हैदराबाद में चौधरी श्यामसुंदर उपाध्याय की अध्यक्षता में श्रृंग ऋषि भवन में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्रृंग ऋषि वंदना के पश्चात रामदेव नागला ने कहा कि गांव के सभी युवाओं पर गर्व है जो स्थानीय गांव के समाज को एकजुट करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि सभी की भावनाएं अपनी जन्मस्थली से जुड़ी रहे। जिस तरह से कोलर, बागाना, कुरना में हर वर्ष स्थानीय लोग धूमधाम से अपने कुलदेवी का आयोजन कर रहे हैं, उसी प्रकार धाकड़ी गांव में भी युवा समिति बाबा रामदेवजी के जागरण को भव्यता देने के लिए हर वर्ष कड़ी मेहनत से आयोजन कर रही है। आज धाकड़ी गांव में लगभग सिखवाल ब्राह्मण समाज के 165 परिवार हैं, जिसमें अधिकांश लगभग 135 परिवार हैदराबाद सिकंदराबाद में निवासरत हैं। उक्त बैठक में मुख्य सूत्रधार किशोर ख़ड़तावत ने हर घर तक इसका निमंत्रण पहुंचाने का प्रस्ताव रखा जिस पर सभी ने एक स्वर में सहमति प्रदान की और 11 सदस्यों की कमेटी को इसकी जिम्मेदारी सुपुर्द की गई। विज्ञप्ति में बताया गया कि पिछले 3 वर्षों से पुरुषोत्तम नागला, किशोर उपाध्याय, पुरुषोत्तम व्यास के साथ साथ मुकेश उपाध्याय, कालूराम उपाध्याय, जगदीश तूकार एवं पवन तिवाड़ी के आपसी सहयोग से इसकी रूपरेखा बन रही है। जिसमें युवा समिति सदस्य मुकेश व्यास, राधेश्याम व्यास, जुगलकिशोर उपाध्याय, अभिषेक नागला, आशीष व्यास एवं साथीगणों की के नेतृत्व में सफल आयोजन हुए। धाकड़ी गांव के हर क्षेत्र के युवाओं को साथ लेने का प्रयास निरंतर जारी है! आज की बैठक में श्यामसुंदर ख़ड़तावत, रामदेव नागला, श्रीनिवास व्यास, रूपचंद व्यास, रमेशचंद नागला, गजानंद व्यास, पुरुषोत्तम लखावत, किशोर ख़ड़तावत, जुगलकिशोर खड़तावत, नरेश नागला, शुभम नागला, आशीष व्यास, बन्टूभाई व्यास, राधेश्याम व्यास उपस्थित रहे।बैठक के समापन पर मुकेश व्यास ने आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक परिवारजनों को पधारने की अपील की एवं धन्यवाद दिया।

गोदावरी-बांकाचारला परियोजना पर तेलंगाना सरकार आज सर्वदलीय सांसदों से मुलाकात करेगी

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित विवादास्पद गोदावरी-बांकाचारला परियोजना पर चर्चा के लिए बुधवार को राज्य के सभी दलों के सांसदों के साथ बैठक कर रही है।मंगलवार को यहां जारी विज्ञप्ति में राज्य के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि 18 जून को शाम 4 बजे राज्य सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में होने वाली बैठक में सभी सांसदों (लोकसभा और राज्यसभा दोनों) के विचार/सुझाव लेने का प्रस्ताव है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में बैठक में शामिल होंगे।उत्तम ने कहा कि हम केंद्रीय कोयला मंत्री और राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी और गृह राज्य मंत्री बंदी संजय को भी बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर रहे हैं और परियोजना पर उनके सुझाव मांग रहे हैं।आंध्र प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव रखा है और जल शक्ति मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय को प्रस्ताव सौंप दिया है। उत्तम ने कहा कि प्रारंभिक अध्ययन के अनुसार, यह परियोजना गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण के 1980 के फैसले तथा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 का 'उल्लंघन' करती प्रतीत होती है। इस परियोजना के बारे में जो कहा गया है, उससे तेलंगाना के लोगों के जल अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य भाजपा प्रमुख तथा केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि केंद्र ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गोदावरी तथा कृष्णा नदियों के जल को जोड़ने वाली प्रस्तावित बनकाचेरला परियोजना पर कोई रुख नहीं अपनाया है, लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ बातचीत करने की पहल कर सकते हैं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15154236K Hav R CHANDRA SEKARAN, permanent resident of 1650, Melatheru, Vill:Sanganthidal, Post:Koviloor, Teh:Karaikudi, Dist:Sivagangai, Tamilnadu-630307 hereby declare that my daughter name is to be changed from C JEEVITHA to JEEVITHA C vide Affidavit dated:17-6-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15154236K Hav R CHANDRA SEKARAN, permanent resident of 1650, Melatheru, Vill:Sanganthidal, Post:Koviloor, Teh:Karaikudi, Dist:Sivagangai, Tamilnadu-630307 hereby declare that my son name is to be changed from C ARAVINDHAN to ARAVINDHAN C vide Affidavit dated:17-6-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, THAMBAI M Mother of Service No. 2165996Y Nk VAISAKH M, R/o.Thadiyankovval Street, Vill and PO:Udinur, Dist:Kasaragod, Kerala-671310 have changed my name from M.THAMBAI to THAMBAI M vide Affidavit dated:17-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, DIVYA K spouse of Service No.JC 314333W Nb Sub KARTHIKEYAN S, R/o. Door No.15, Indra Street, Vill:Bedhaniyapuram, PO:Arasaradi, Teh:Madurai West, Dist:Madurai, Tamilnadu-625016 have changed my name from DIVYA K to DIVYA M vide affidavit dt:17-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, RAMAKRISHNAN V V Father of Service No. 2165996Y Nk VAISAKH M, R/o.Thadiyankovval Street, Vill and PO:Udinur, Dist:Kasaragod, Kerala-671310 have changed my name from V V RAMAKRISHNAN to RAMAKRISHNAN V V vide Affidavit dated:17-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, AMMINI PAILY Mother of Service No JC 442343L Sub ELDHO PAUL, R/o.HouseName:Nediyanikuzhiyil, Post:KarakkodePiravom, Dist:Ernakulam, Kerala-686664 have changed my name and DOB from AMMINI, DOB:19-01-1954 to AMMINI PAILY, DOB:02-08-1956 vide affidavit dt:17-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Usha R/o H.No. 12/2, Vill:Morsu Patti, P.O: Bhota, Teh:Barsar, Dist:Hamirpur, State:Himachal Pradesh, Pin :176041, have changed my name from USHA to USHA DEVI vide affidavit dt :17-06-2025 before Judicial Magistrate Court, Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, Swathi R/o h. No. 2-88, Vill:Dignoor, P.O:Rampur, Tha:Bazar Hathnoor, Dist: Adilabad, State:Telangana, pin:504307 have changed my name from SWATHI to KENDRE SWATHI vide affidavit dt:17-06-2025 before Judicial Magistrate Court, Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, B PUJA is legally Wedded Wife of Service No. 14653574F, Rank: NK, name:B. MURALI KRISHNA, unit : MCEME(CTW), SECUNDERABAD, residing at vill : BAXIPALLI, post:BAXIPALLI, Teh:BRAHMA PUR, Dist: GANJAM, State: ODISHA, Pin: 761002, I have Changed my name from B PUJA to BOIRI POOJA, That my date of birth 01-10-1987, Affidavit P DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 17/06/2025

सरकारी शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही : धोत्रे

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि सरकारी शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। मंगलवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में कलेक्टर के कक्ष में तेलंगाना समाज कल्याण गुरुकुल महिला डिग्री कॉलेज-मंचिरयाल में प्रवेश से संबंधित दीवार प्रतियों का अनावरण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार ने मंचिरयाल जिला केंद्र में इस क्षेत्र की लड़कियों के लिए नव स्थापित तेलंगाना समाज कल्याण महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि इस गुरुकुल कॉलेज में गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा, स्वादिष्ट भोजन, अध्ययन के लिए आवश्यक सभी प्रकार की सुविधाएं, रोजगार पाने के लिए इंटर्नशिप, प्लेसमेंट सेल और उच्च शिक्षा के लिए निः शुल्क प्रशिक्षण कक्षाएं प्रदान की जाएंगी। वर्ष 2025 में इंटरमीडिएट पूरा करने वाली लड़कियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और प्रवेश लेना चाहिए। विस्तृत जानकारी के लिए उन्हें 7995010674 पर संपर्क करना चाहिए।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. जी. अनुषा और फैकल्टी के सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

एसआई तहसीनुद्दीन ने किया स्कूल बसों का निरीक्षण

मंचेरियाल,17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानीय एसआई तहसीनुद्दीन की देखरेख में पुलिस ने मंगलवार को मंचेरियल जिले के दांडेपल्ली मंडल के मेदारीपेट कन्नेपल्ली और दांडेपल्ली गांवों में कई निजी शिक्षण संस्थानों की बसों की जांच की वाहनों से संबंधित रिकॉर्ड जैसे फिटनेस, प्रदूषण ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन बीमा आदि की जांच की गईड्राइवर और हेल्पर की जानकारी ली गई। स्कूल का संपर्क नंबर, खिड़कियां, प्राथमिक उपचार किट, अग्नि सुरक्षा किट, आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और बसों में लगे चालान की जांच की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्कूल बस चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए स्कूल प्रबंधन को कुशल ड्राइवर रखने चाहिए बस चालक शराब पीकर और मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाएं उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

केंद्र सरकार की उपलब्धियों और विकास पर प्रदर्शनी

मंचेरियाल,17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । देश के प्रधानमंत्री के रूप में 11 वर्ष भाजपा जिला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर अगौड़ ने कहा कि सुशासन से देश ने काफी विकास किया है और गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को ऊपर लाने का श्रेय नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने स्थानीय भाजपा जिला कार्यालय में नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों और विकास पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने कहा कि सरकार देश के लोगों की रक्षा और सभी समुदायों को न्याय दिलाने के लिए है। पूर्व जिला अध्यक्ष रघुनाथ वेराबेली, राज्य कार्यकारी सदस्य कोय्याला एमाजी, जिला महासचिव पट्टी वेंकटकृष्णा, दुर्गम अशोक, पुरुषोत्तम जाजू-पेद्दापल्ली पुरुषोत्तम, एनागंडुला कृष्णमूर्ति, राकेश श्रीनिवास अकुला अशोक वर्धन और वेंकटेश्वरलू ने भाग लिया।

आदिवासी लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कदम उठाए जाएंगे : तिवारी

कुमरमभीम/आसिफाबाद ,17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने कहा कि जिले में आदिवासी और जनजाति लोगों तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मंगलवार को उन्होंने जिले के जैनूर मंडल के आशा पल्ली गांव में लगाए गए प्रधानमंत्री जन जाति उन्नत ग्राम अभियान (पी.एम. जुगा) शिविर का औचक निरीक्षण किया और शिविर में दी जा रही सेवाओं और लाभार्थियों को दिए जा रहे लाभों की जानकारी ली। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि जिले में आदिवासी और जनजाति लोगों तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों के साथ समन्वय कर कदम उठाए जाएंगे। बाद में उन्होंने लेंटिगुड़ा गांव का दौरा किया और प्रधानमंत्री जन जाति आदिवासी न्याय अभियान (पी.एम. जन मन) मोबाइल मेडिकल वाहन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस वाहन के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जानी चाहिए तथा आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने विवाह एवं मरीजों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण जानने के बाद अधिकारियों को कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी कल्याण विभाग के तत्वावधान में चिकित्सा वाहन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के आदिवासियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना सराहनीय है तथा अधिकारियों को सलाह दी कि जहां भी आवश्यकता हो बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए उचित कदम उठाएं। इस कार्यक्रम में जिला आदिवासी कल्याण विभाग के अधिकारी, संबंधित अधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

सरकारी विकास कार्यों की खरीद टीजीएमडीसी के माध्यम से की जाएगी : वेंकटेश

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि जिले में सरकार द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों में उपयोग की जाने वाली रेत टीजीएमडीसी के माध्यम से खरीदी जानी चाहिए।

मंगलवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन सम्मेलन हॉल में खनिज और खान विभाग, सिंचाई विभाग, सड़क और भवन विभाग, पंचायत राज और आदिवासी कल्याण विभाग के इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ सरकार द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों के लिए तेलंगाना खनिज विकास निगम के माध्यम से रेत की खरीद पर समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में सरकार द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों, जिसमें सिंचाई विभाग की परियोजनाएं, भवन निर्माण, पुल, नहर, सड़क, सिंगरेनी और आदिवासी कल्याण विभागों के तत्वावधान में किए जाने वाले विकास कार्य शामिल हैं, के लिए उपयोग की जाने वाली रेत तेलंगाना खनिज विकास निगम के माध्यम से एकत्र की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के तत्वावधान में किए जाने वाले कार्यों के लिए आवश्यक रेत के लिए ऑनलाइन मांगपत्र प्रस्तुत किए जाएं, खदानों से धातु की ढुलाई जीरो परमिट के माध्यम से की जाए तथा जिले में विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में लोगों को किसी प्रकार की परे-शानी न हो, इसके लिए कदम उठाए जाएं। इस कार्यक्रम में खनन ए.डी. गंगाधर राव, (टी.जी.एम.डी.सी.) पी.ओ. रविंदर, सड़क एवं भवन विभाग अधिकारी सुरेन्द्र, पंचायत राज ई.ई. प्रभाकर, सिंचाई विभाग ई.ई. गुणवंत राव, प्रभाकर, आदिवासी कल्याण विभाग के इंजीनियरिंग अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बीज और खाद सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही बेचे जाएं : कलेक्टर

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित बीज और खाद किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही बेचे जाएं। मंगलवार को जिले के वानकीडी मंडल केंद्र में श्री वेंकटेश्वर बीज और खाद दुकान का औचक निरीक्षण किया गया और स्टॉक, रसीद बुक, रजिस्टर और खाद गोदाम का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही खाद बेची जाए और अधिक मूल्य पर बेचने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दुकान के सामने मूल्य सूची और स्टॉक का विवरण प्रदर्शित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को बेचते समय रसीद जारी की जानी चाहिए।

ऑटो चालकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए जेएसी की मांग

मंचेरियाल,17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिला बेल्लमपल्ली ऑटो चालक एवं श्रमिक संघ ने अपनी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया है यूनियन मंचेरियल जिला जेएसी अध्यक्ष कट्टा रामकुमार ने कहा वे रविवार को स्थानीय स्तर पर आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि कांटा स्क्वायर में सिंगरेनी एक्सप्लोरेशन डिवीजन प्रहरी से सटी जमीन ऑटो यूनियन को आवंटित की जानी चाहिए उन्होंने ऑटो चालकों के लिए भोजनालय और मीटिंग हॉल बनाने के लिए मौजूदा ऑटो स्टैंड की जमीन आवंटित करने की अनुमति मांगी उन्होंने कहा कि शहर में कई ऑटो स्टैंड की जमीनों पर अतिक्रमण हो चुका है और कलेक्टर को भविष्य में उन जमीनों पर और अतिक्रमण रोकने के लिए पहल करनी चाहिए उन्होंने बताया कि वे 30 साल से ऑटो पर निर्भर है उन्होंने चिंता जताई कि यदि अतिक्रमण नहीं रोका गया तो यह सड़क पर आ सकता है उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग गांव के बस स्टैंड के पीछे मौजूदा ऑटो स्टैंड पर अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहे है उन्होंने मांग की कि ऑटो यूनियन को जमीन दी जाए।

ट्रेनें रद्द.. यात्रा प्रतिबंध! यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है !

मंचेरियाल,17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । ट्रेनें रद्द.. यात्रा प्रतिबंध! यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि कागजनगर और मंचेरियाल के बीच चलने वाली नियमित यात्री ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। ऐसा काजीपेट बल्लारशा मार्ग पर रेचिनी- बेल्लमपल्ली में तीसरी लाइन के निर्माण के कारण किया गया है। ट्रेन रद्द होने के कारण कागजनगर रेलवे स्टेशन खाली है। कागजनगर, कागजनगर मंचेरियाल के बीच चलने वाली नियमित यात्री ट्रेनें रद्द होने से यात्रिय को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। काजीपेट-बल्लारशा मार्ग पर रेचिनी-बेल्लमपल्ली में तीसरी लाइन के काम के कारण ट्रेनें रोक दी गई हैं। तीसरी लाइन पर इंटरलॉकिंग कार्य के कारण सिकंदराबाद से कागजनगर आने वाली ट्रेनों को मंचिरयाल तक ही चलाया जा रहा है। कागजनगर से मंचेरियल और यहां से सिकंदराबाद तक सैकड़ों लोग ट्रेन से यात्रा करते हैं। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने और स्कूल-कॉलेज खुलने के साथ ही उन इलाकों में जाने वाले और कागजनगर से मंचेरियल जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करनापड़ रहा है। वे विकल्प के तौर पर बसों का सहारा ले रहे हैं। अगर आप रेल से जाते हैं तो बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकते हैं। हालांकि महिलाएं बसों न मुफ्त यात्रा कर सकती हैं, लेकिन पुरुषों और लड़कों को टिकट खरीदना पड़ता है। इसके अलावा बसों में पहले से ही भीड़भाड़ है और ट्रेनें भी रद्द हैं. इसलिए वे यात्रा करने से डर रहे हैं। वे बेवजह यात्रा कर रहे हैं। अन्य निजी वाहनों का सहारा ले रहे हैं। अगर आपको कागजनगर से रेचिनी, बेल्लमपल्ली, मंदामरी और मंचेरियाल जाना है तो रेल मार्ग सबसे सुविधाजनक है हैदराबाद जाना एक झंझट है.. ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को कागजनगर से हैदराबाद जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आमतौर पर वे कागजनगर सुपरफार एक्सप्रेस, भाग्यनगर और इंटरसिटी ट्रेनों से हैदराबाद आते-जाते हैं। सुपरफास्ट एक्सप्रेस चलने के बावजूद भी उसमें रिजर्वेशन नहीं है और जनरल कोच में भीड़ है। रिजर्वेशन न होने की वजह से कई लोग उसमें सवार होने पर विचार कर रहे हैं। चूंकि कागजनगर से रात में लग्जरी बसें चलती हैं, इसलिए ज्यादा लोग रिजर्वेशन करा रहे हैं। इसके अलावा, टोल मंचेरियल तक चलाया जा रहा है। मंचेरियल तक चलने वाली ट्रेनें इस महीने की 20 तारीख तक चलती रहेंगी। उसके बाद वे कागजनगर वे रास्ते अपने गंतव्यों के लिए रवाना होंगी। इस महीने की 20 तारीख तक ट्रेनें रद्द रामगिरी एक्सप्रेस बल्लारशा एक्सप्रेस कागजनगर सुपर फास्ट एक्सप्रेसएक्सप्रेस नागपुर एक्सप्रेस सिंगरेनी (काजीपेट तक) भाग्यनगर एक्-सप्रेस (मंचिर्याल तक) इंटरसिटी (मंचिर्याल तक) ।

सिंगरेनी को तुरंत अपना वास्तविक लाभ घोषित करना चाहिए : मिरयाला राजिरेड्डी

मंचेरियाल,17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना कोयला खदान मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष मिरयाला राजिरेड्डी ने मांग की है कि सिंगरेनी द्वारा अर्जित वास्तविक लाभ को तुरंत घोषित किया जाए और लाभ का 35 प्रतिशत श्रमिकों को दिया जाए रविवार को नासपुर में मंचेरियल बीआरएस जिला पार्टी कार्यालय में श्रीरामपुर क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं की एक बैठक संघ के राज्य महासचिव केथिरेड्डी सुरेंदर रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मिरयाला राजीरेड्डी, कार्यकारी अध्यक्ष मा दासू राममूर्ति, केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष नूने कोमुरैया, संयुक्त सचिव पानुगंती सत्ताय्या, मुख्य संगठन सचिव पोगाकू रमेश और संगठन सचिव अन्वेश रेड्डी ने भाग लिया। मिरयाला राज-ीरेड्डी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद सिंगरेनी में जो राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ गया है उसे कम किया जाना चाहिए उन्होंने मांग की कि तत्काल मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाए सिंगरेनी श्रमिकों और सेवानिवृत्त श्रमिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कंपनी के सभी सिंगरेनी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध कराई जाए श्रमिकों के लिए रेफरल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए प्रबंधन को वित्तीय वर्ष 2024-25 के मुनाफे की तत्काल घोषणा करनी चाहिए उन्होंने कहा कि इस बीच जो ट्रांसफर सर्कुलर आया है, वह कर्मचारियों को स्वीकार्य नहीं है और इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए बैठक में श्रीरामपुर क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं, सभी खदान खदानों और सहायक सचिवों ने भाग लिया और बंडी रमेश का समर्थन किया बाद में अब तक श्रीरामपुर क्षेत्र के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले पेट्टम लक्ष्मण को शॉल और मालाओं से सम्मानित किया गया नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बंडी रामेव को उनके चुनाव पर बधाई दी बैठक में बीआरएस पार्टी के जिला कार्यालय प्रभारी गोगुला रविंदर रेड्डी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

ग्राम पंचायत के कार्यकर्ता प्रभाकर पर हमला करने वाले आरोपियों को कड़ी सजा की मांग पर विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल,17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिला कोंडापुर ग्राम पंचायत के बहुउद्देशीय कार्यकर्ता प्रभाकर पर हमला करने वाले भरतराप लिंगैया और कुमारस्वामी को कड़ी सजा देने की मांग ग्रामीणों ने की है। इसी उद्देश्य से रविवार को दांडेपल्ली मंडल केंद्र के सबस्टेशन के मुख्य मार्ग पर चक्का जाम किया गया गांव के मुखिया के बेटे लिंगैया और कुमारस्वामी का जमीन के मामले को लेकर एक महिला से झगड़ा हो गया महिला ने जीपी बहुउद्देशीय कार्यकर्ता प्रभाकर को वहां बुलाया जब प्रभाकर मौके पर पहुंचा तो पिता-पुत्र ने उसकी पिटाई की और उसकी बांह टूट गई। पिता-पुत्र ने उसकी विकलांगता को नहीं देखा वह गंभीर रूप से घायल हो गया उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया ग्रामीणों का आरोप है कि थाने में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद एसआई उसे रिमांड पर नहीं ले रहा है जब एसआई तहसीनुद्दीन प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और उनसे बात करने की कोशिश की तो ग्रामीणों और एसआई के बीच बहस हो गई उन्होंने इस बात पर अपना गुस्सा जाहिर किया कि हमलावरों को रिमांड पर क्यों नहीं लिया जा रहा है करीब एक घंटे तक प्रदर्शन चला जिससे यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई जांच के बाद आरोपियों को रिमांड पर लेने का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीण शांत हुए जब गांव के बुजुर्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे तो उन्होंने लक्षेट्टीपेट सीआई रामनमूर्ति से बात की जो पहले ही वहां पहुंच चुके थे मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद उन्हें रिमांड पर लेने का आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया।

रायथु भरोसा के तहत निवेश सहायता प्रदान की जाएगी

मंचेरियाल (हाजीपुर),17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार रायथुनेस्तम के जरिए किसानों के और करीब होगी. सीएम ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्रियों, सांसदों और मुख्य सचिव रामकृष्ण राव के साथ हैदराबाद के राजेंद्रनगर में प्रोफेसर जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में वर्चुअल प्रारूप के माध्यम से रायथुनेस्तम-रायथुभरोसा कार्यक्रम का शुभारंभ किया. हाजीपुर मंडल के मुलकल्ला रायथुभरोसा में कलेक्टर कुमार दीपक, अधिकारी और किसान मौजूद थे. सीएम ने कहा कि किसानों की समस्याओं का पता लगाने और खेती पर सुझाव देने के लिए रायथुभरोर के माध्यम से हर मंगलवार को कार्यक्रम होंगे. उन्होंने कहा कि अगले नौ दिनों में रायथु भरोसा के तहत निवेश सहायता प्रदान की जाएगी. उन्होंने कहा कि अन-ाजखरीद, राशन कार्ड जारी करना और खराब गुणवत्ता वाले चावल के लिए बोनस लागू किया जाएगा. कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें कृषि वैज्ञानिकों से सलाह और खेती की तकनीक मिले. डीआरडीओ किशन, तहसीलदार श्रीनिवास राव देशपांडे, एओ कृष्णा, एईओ मौनिका और एटीएमए अध्यक्ष मुरली ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गौ रक्षा समिति गठित की

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार, 17 जून को एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए अधिकारियों को राज्य में गौ रक्षा के लिए एक व्यापक नीति बनाने का निर्देश दिया। यह निर्देश बकरीद के एक दिन बाद गौ रक्षकों द्वारा हिंसा की तीन लगातार घटनाओं के सामने आने के लगभग एक सप्ताह बाद आया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से तीन सदस्यीय विशेष समिति गठित करने और पहले चरण में चार स्थानों पर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त गौशालाएं स्थापित करने को कहा।

तीन सदस्यीय आधिकारिक गौ संरक्षण समिति में पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष, धर्मस्व विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामैयार और राज्य कृषि विभाग के सचिव रघुनंदन राव शामिल होंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि गौ संरक्षण समिति गौशालाओं की स्थापना पर गहन अध्ययन करेगी और गौ संरक्षण नीतियों का अध्ययन करने के लिए अन्य राज्यों का भी दौरा करेगी। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब नागरिक समाज के सदस्य और अन्य लोग गौरक्षकों को काम करने और व्यापारियों को परेशान करने की अनुमति देने के लिए तेलंगाना कांग्रेस सरकार की आलोचना कर रहे हैं।

इस साल भी ईद-उल-अज़हा से पहले हैदराबाद और उसके आसपास के इलाकों में मवेशी व्यापारियों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आईं। जलपल्ली में गौरक्षकों ने मवेशियों का मल ले जा रही एक डीसीएम को जला दिया, जबकि जानवरों को ले जा रहे एक व्यापारी पर हमला किया गया।

इसके अलावा, पिछले साल हैदराबाद में भी लगातार सांप्रदायिक घटनाएं हुई हैं, जिसमें मंदिरों को अपवित्र करना और धार्मिक स्थलों पर हमले शामिल हैं। इसके लिए कांग्रेस द्वारा संचालित राज्य सरकार की भी कड़ी आलोचना की गई है।

मंगलवार को हुई बैठक में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नई नीतियों में 'हमारी संस्कृति में गायों के महत्व और भक्तों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए' गौ संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने जगह की कमी और अन्य समस्याओं के कारण 'भक्तों द्वारा बड़ी संख्या में गौशालाओं को दान की गई गायों की मौत' की घटनाओं पर दुख व्यक्त किया।

बयान में कहा गया है, ये गौशालाएं पहले चरण में प्रसिद्ध मंदिर वेमुलावाड़ा में बड़े क्षेत्रों में स्थापित की जाएंगी, जहां भक्त कोडे मोक्कु अनुष्ठान के भाग के रूप में बछड़ों का दान करते हैं, हैदराबाद शहर के पास यदागिरिगुट्टा, येनकेपल्ली और पशुपालन विश्वविद्यालय में।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि दान में दिए गए बछड़ों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और अधिकारियों को वेमुलावाड़ा में 100 एकड़ से अधिक भूमि पर गौशाला स्थापित करने का निर्देश दिया। विज्ञप्ति में कहा गया, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार गौ संरक्षण के लिए उदारतापूर्वक खर्च करने के लिए तैयार है।

एक राजनीतिक विश्लेषक ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि गौ रक्षा समिति दक्षिणपंथी गौरक्षकों को कानून अपने हाथ में लेने से रोकेगी। उन्होंने कहा, यह भाजपा के हाथों में खेलना है। ऐसे समय में जब कांग्रेस एक पार्टी के रूप में विचारधारा के आधार पर भाजपा से लड़ रही है, यहां के मुख्यमंत्री इस तरह की कार्रवाइयों के माध्यम से उनके लिए कथानक को नियंत्रित करना आसान बना रहे हैं।

मंत्री जुपल्ली ने औचक निरीक्षण किया, टूरिज्म प्लाजा में भोजन की गुणवत्ता पर जोर दिया

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने मंगलवार को बेगमपेट में टूरिज्म प्लाजा होटल का औचक निरीक्षण किया, जिसमें सरकारी होटलों में साफ-सफाई और भोजन की गुण-वत्ता के मानकों का सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया गया।सुबह-सुबह अपने दौरे के दौरान मंत्री ने रेस्तरां, रसोई और परोसे जा रहे खाद्य पदार्थों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने नाश्ता कर रहे पर्यटकों और मेहमानों से बातचीत की और भोजन की गुण-वत्ता और स्वाद के बारे में व्यक्तिगत रूप से जानकारी ली। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री जुपल्ली ने कहा कि ग्रीन होटलों में सुविधाओं और भोजन के मानकों की नियमित निगरानी जारी रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि स्वच्छता या गुणवत्ता दिशानिर्देशों के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी होटल प्रबंधन की है।मंत्री ने कहा कि सरकार का राजस्व बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित है, लेकिन प्राथमिकता बेहतर सुविधाएं और स्वच्छ, अधिक सुखद वातावरण प्रदान करके पर्यटकों के लिए समग्र अनुभव को बेहतर बनाने पर भी है। उन्होंने आगंतुकों के लिए स्वागत योग्य स्थानों के रूप में हरित होटलों को विकसित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

ईरान-इज़रायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में हेल्पलाइन स्थापित की गई

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और सैन्य घटनाक्रम के मद्देनजर, तेलंगाना सरकार ने नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में एक समर्पित हेल्पलाइन स्थापित की है, ताकि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले या यात्रा करने वाले राज्य के निवासियों की सहायता की जा सके।विदेश मंत्रालय और विदेशों में भारतीय दूतावासों के नवीनतम अपडेट के अनुसार, तेलंगाना के किसी भी नागरिक के सीधे तौर पर प्रभावित होने की सूचना नहीं है। फिर भी, मार्गदर्शन प्रदान करने, जानकारी एकत्र करने और ज़रूरत पड़ने पर व्यक्तियों या परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए हेल्पलाइन शुरू की गई है।नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में तैनात वरिष्ठ अधिकारी, उभरते हालात पर नजर रखने के लिए विदेश मंत्रालय, दूतावास के कर्मचारियों और अन्य संबंधित केंद्रीय प्राधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए हैं।

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक सरकारी सलाह का पालन करें और सोशल मीडिया या मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से असत्यापित या संवेदनशील जानकारी प्रसारित करने से बचें।

सहायता के लिए तेलंगाना निवासी निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:

-वंधना, रेजिडेंट कमिश्नर के निजी सचिव - +91 98719 99044-जी. रक्षित नाइक, संपर्क अधिकारी - +91 96437 23157-जावेद हुसैन, संपर्क अधिकारी - +91 99100 14749-सीएच चक्रवर्ती, जनसंपर्क अधिकारी - +91 99493 51270

राज्यपाल ने भारत सेवाश्रम संघ द्वारा वार्षिक निःशुल्क नोटबुक वितरण अभियान का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भारत सेवाश्रम संघ की वार्षिक निःशुल्क नोटबुक वितरण पहल का उद्घाटन किया और निस्वार्थ सेवा के माध्यम से शिक्षा का समर्थन करने में संगठन के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर, देव वर्मा ने राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, हैदराबाद आश्रम के सचिव स्वामी मुनीश्वरानंदजी महाराज और स्वामी वेंकटेश्वरानंदजी महाराज के साथ मिलकर मंगलवार को राजभवन हाई स्कूल के छात्रों को 4,000 लंबी नोटबुक और 1,600 छोटी नोटबुक वितरित कीं।

इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने स्कूल के उल्लेखनीय शैक्षणिक प्रदर्शन, विशेष रूप से 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में प्रभावशाली उत्तीर्ण प्रतिशत की सराहना की और जिले में शीर्ष रैंक हासिल करने के लिए स्कूल को बधाई दी।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निरंतर प्रतिबद्धता के साथ, स्कूल आने वाले वर्ष में 100% उत्तीर्ण परिणाम प्राप्त करेगा। स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा की गई अपील का जवाब देते हुए, राज्यपाल ने संस्थान के विकास के लिए अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने घोषणा की कि नवनिर्मित कक्षाओं, एक मिनी इनडोर स्टेडियम-सह-सभागार और एक छायादार मंच के लिए फर्नीचर उनके विवेकाधीन कोष से प्रदान किया जाएगा। अपने चल रहे आउटरीच के हिस्से के रूप में, संघ तेलंगाना के विभिन्न जिलों में छात्रों को शैक्षिक सामग्री वितरित करना जारी रखेगा, जिससे शैक्षिक सशक्तिकरण और सामुदायिक कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मजबूत होगी।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305

SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh

Validity : 1 Year from the time of Issue

SUBSCRIPTION FORM

Name : ....

Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-

Mode of Payment : CHEQUE / D.D.

Cheque No. & Date .... Drawn ....

Name of the Executive..........

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

हैदराबाद पुलिस ने मानव तस्करी पीड़ितों की सहायता के लिए राज्य की पहली इकाई का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पुलिस ने मंगलवार, 17 जून को केंद्रीय अपराध स्टेशन (सीसीएस) में मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) और किशोर ब्यूरो (जेबी)/विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) के लिए उन्नत सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिससे तस्करी से निपटने और कमजोर बच्चों की सुरक्षा के प्रयासों को बल मिला।

एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में, राज्य की पहली पीड़ित सहायता इकाई (वीएयू) की स्थापना प्रज्वला एनजीओ के साथ साझेदारी में की गई, जिसे मानव तस्करी से बचे लोगों की सहायता के लिए भी शुरू किया गया था।

यह पुनर्गठन सरकारी आदेश जीओ 32 (2023) और जीओ 57 (2025) के अनुसरण में किया गया है, जिसमें हैदराबाद पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा के अंतर्गत परिभाषित भूमिकाओं और स्वीकृत जनशक्ति के साथ समर्पित प्रवर्तन इकाइयों की बात कही गई है।

पुनर्गठित एएचटीयू में अब आठ कर्मचारी शामिल हैं: एक इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर, दो हेड कांस्टेबल और तीन कांस्टेबल। यूनिट को शारीरिक और डिजिटल तस्करी के हॉटस्पॉट की पहचान करने, बचाव अभियान चलाने, तस्करों और वेश्यालय संचालकों पर नज़र रखने, मुकदमे चलाने और पीड़ितों के प्रत्यावर्तन और निर्वासन का समन्वय करने का काम सौंपा गया है।

2025 तक, एएचटीयू ने 23 मामले दर्ज किए हैं, 44 पीड़ितों को बचाया है, और 71 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

सीसीएस हैदराबाद से संचालित, सात सदस्यीय किशोर ब्यूरो/एसजेपीयू बच्चों से जुड़े अपराधों जैसे तस्करी, दुर्व्यवहार और बाल श्रम पर ध्यान केंद्रित करता है। यह बचाए गए नाबालिगों को वापस भेजने के लिए बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के साथ मिलकर काम करता है।2025 में अब तक ब्यूरो ने ऑपरेशन स्माइल और ऑपरेशन मुस्कान के तहत 896 बच्चों को बचाया है और 11 नाबालिगों को वापस भेजा है, जिनमें से सात को अन्य राज्यों में भेजा गया है।

तेलंगाना में हाल ही में शुरू किया गया वीएयू अपनी तरह का पहला केंद्र है जो मानव तस्करी से बचे लोगों के पुनर्वास के लिए समर्पित है। प्रज्वला कर्मचारियों द्वारा संचालित और महिला सुरक्षा विंग के डीसीपी की देखरेख में, यह केंद्र आघात परामर्श, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहायता, दस्तावेज़ीकरण में मदद, कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच और पुनः एकीकरण योजना प्रदान करता है।

उद्घाटन का नेतृत्व करने वाले हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि यह उद्घाटन विभाग की मानव तस्करी नेटवर्क को खत्म करने तथा संस्थागत सुदृढ़ीकरण और पीड़ितों पर केंद्रित हस्तक्षेप के माध्यम से पीड़ितों के लिए न्याय और सम्मान सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कविता ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयकों को लेकर 17 जुलाई को राज्यव्यापी रेल रोको का आह्वान किया

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के. कविता ने मंगलवार को 17 जुलाई को राज्यव्यापी रेल रोको विरोध प्रदर्शन की घोषणा की, जिसमें मांग की गई कि केंद्र सरकार स्थानीय निकायों, शिक्षा और रोजगार में पिछड़ा वर्ग (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी दे।मेडक में तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित बीसी गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए, बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व सीएम केसीआर की बेटी कविता ने विधेयकों को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, यह रेल रोको सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन नहीं होगा, बल्कि दिल्ली में शासकों के लिए तेलंगाना पिछड़ा वर्ग की ताकत की घोषणा होगी, उन्होंने कहा, हम इस विरोध में सभी पिछड़ा वर्ग संगठनों और नेताओं को साथ लेकर चलेंगे।

उन्होंने कहा कि यह विरोध केंद्र की भाजपा सरकार को एक कड़ा संदेश देगा। बीआरएस एमएलसी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह पिछड़ी जातियों के लिए प्रस्तावित 42 प्रतिशत आरक्षण को लागू किए बिना स्थानीय निकाय चुनाव कराने की साजिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, हम इन आरक्षणों के बिना चुनाव नहीं होने देंगे। उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार राष्ट्रपति की मंजूरी सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयासों को तेज क्यों नहीं कर रही है, उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने केवल विधेयकों को केंद्र को भेजा है और जिम्मेदारी से अपना पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछड़ी जातियों में कई जातियों को अभी भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी है, उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक अवसर सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण आवश्यक है, खासकर पिछड़ी जातियों की महिलाओं के लिए। उन्होंने महिला आरक्षण के भीतर पिछड़ी जातियों की महिलाओं के लिए उप-कोटा की मांग की। कविता ने पिछड़ी जातियों के विधेयकों के लिए समर्थन न जताने के लिए मेडक से भाजपा सांसद रघुनंदन राव पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूछा, इस मुद्दे पर रघुनंदन राव चुप क्यों रहे? और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी इस बात पर चुप क्यों रही कि पिछड़ी जातियों के आरक्षण विधेयकों को मंजूरी क्यों नहीं दी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.